3 राजधानी
आयुर्वेद पर वैश्विक सम्मेलन आज से

6 अभिमत
कनाडा चुनाव में आप्रवास मुद्दा

11 विदेश
इजराइल के हवाई हमले में 21 की मौत

12 स्पोर्ट्स
भारत-न्यूजीलैंड में पहले दिन नहीं हुआ खेल

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 335
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 17 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

नए नियमों से वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा मिला

राष्ट्रीय-9

बम की धमकियों से हलकान एयरलाइनें

● 48 घंटों में 19 धमकियाँ, कई एफआईआर, तीन गिरफ़्तारियाँ

राजेश कुमार। नई दिल्ली

बम की धमकियों के खतरे ने लगातार तीसरे दिन भी देश में एयरलाइन संचालन को बाधित किया है, क्योंकि बुधवार को इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की दो और अकासा एयर की एक फ्लाइट को बम की धमकियां मिलीं, जिसके कारण उड़ानों में काफी देरी हुई और उनका मार्ग परिवर्तित करना पड़ा। इससे हवाई यात्रियों में दहशत फैल गई है। यह स्पष्ट नहीं है कि सोमवार से अचानक बम की धमकियों में वृद्धि क्यों हुई। पिछले 48 घंटों में भारतीय एयरलाइन्स की फ्लाइट को बम की धमकी मिलने की यह 19वीं पुष्टि की गई घटना है। बम की धमकियों के बढ़ते चलन से चिंतित दिल्ली पुलिस ने पिछले दो दिनों में कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम की धमकियों के संबंध में आठ एफआईआर दर्ज की हैं और मामले की जांच शुरू की है।

सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, डीजीसीए, एनआईए, आईबी तथा बीसीएएस के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को एयरलाइन्स को मिली बम की धमकियों पर चर्चा की। अधिकारी फर्जी कॉल करने वालों को 'नो-फ्लाई लिस्ट' में डालने और उड़ानों में एयर मार्शल की संख्या बढ़ाने की भी योजना बना रहे हैं। एनएसजी कमांडो की एक इकाई को मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय मार्गों और कुछ संवेदनशील घरेलू मार्गों पर एयर मार्शल के रूप में तैनात किया जाता है। स्काई मार्शल सशस्त्र सादे कपड़ों में सुरक्षा अधिकारी होते हैं जो यात्री विमानों में यात्रा करते हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि सरकार उड़ानों को बम की धमकियों के कारण स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी गतिविधियों के खिलाफ सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। भारतीय एयरलाइनों को हाल ही में मिली बम की धमकियों की कड़ी निंदा करते हुए मंत्री ने यह भी कहा कि मुंबई पुलिस ने तीन उड़ानों को बम की धमकी देने के लिए जिम्मेदार एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है और व्यवधान के लिए जिम्मेदार अन्य लोगों की पहचान की जाएगी और उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां सभी मामलों को सक्रियता से आगे बढ़ा रही हैं। 24 घंटे से भी कम समय में 9 उड़ानों को बम की धमकियां मिलीं और तीन दिनों में कुल संख्या कम से कम 19 हो गई है। ये धमकियां फर्जी निकलीं। बुधवार को इंडिगो की चार उड़ानों, स्पाइसजेट की दो उड़ानों और आकाश एयर की एक उड़ान को बम की धमकियां मिलीं। मंगलवार देर रात विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक-एक फ्लाइट को बम की धमकी मिली थी। इंडिगो को तीन फ्लाइट में बम की धमकी मिली, जिसमें रियाद-मुंबई फ्लाइट भी शामिल है, जिसे मस्कट (ओमान) की ओर डायवर्ट किया गया। रियाद सऊदी अरब का एक शहर है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, विमान को अलग कर दिया गया है और सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार दिया गया है। मुंबई से सिंगापुर जाने वाली एक अन्य फ्लाइट 6ई 1011 को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिला और फ्लाइट को सिंगापुर में उतारा गया। साथ ही, चेन्नई से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 515 को भी सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिला।

लखनऊ में उतरने के बाद, विमान को एक अलग बे में रखा गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार दिया गया। इस बीच, मंगलवार देर रात, राष्ट्रीय राजधानी से मुंबई जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट को बम की धमकी के बाद अहमदाबाद की ओर डायवर्ट किया गया। बम की धमकी के बाद बुधवार दोपहर को बेंगलुरु जाने वाली अकासा एयर की फ्लाइट दिल्ली लौट आई। इससे पहले, सोमवार को तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों- एयर इंडिया की एक और इंडिगो की दो- को बम की धमकी मिली थी, जबकि मंगलवार को सभी प्रमुख वाहकों की नौ अन्य उड़ानों को धमकी मिली थी। सभी धमकियाँ सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए आईं और अंतत: फ़र्ज़ी निकलीं। इससे गृह मंत्रालय को नागरिक उड्डयन मंत्रालय, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी और खुफ़िया ब्यूरो से हाल ही में मिली बम धमकियों पर रिपोर्ट माँगने के लिए प्रेरित किया, जिससे सेवाएँ बाधित हुईं। विभिन्न एयरलाइनों को कई फ़र्ज़ी धमकी संदेशों का मुद्दा परिवहन, पर्यटन (शेष पृष्ठ 9)

पराली जलाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

● पंजाब और हरियाणा सरकार पर कार्रवाई न करने का लगाया आरोप, दोनों राज्यों के मुख्य सचिव तलब किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पंजाब और हरियाणा सरकार पर पराली जलाने के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुख्य सचिवों को 23 अक्टूबर को तलब किया है। कोर्ट ने दोनों राज्यों की ओर से 'पूरी तरह से असंवेदनशीलता' की ओर इशारा करते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई न करने के लिए दोनों सरकारी अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम को एक दंतहीन बाघ कहा जो बिना किसी क्रियान्वयन के केवल निर्देश पारित करता है। पीठ ने टिप्पणी की, 'यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अगर मुख्य सचिव किसी के इशारे पर काम कर रहे हैं, तो हम उनके खिलाफ भी समन जारी करेंगे। अगले बुधवार (23 अक्टूबर) को हम मुख्य सचिव को बुलाएंगे और सब कुछ बताएंगे। कुछ भी नहीं किया गया है, पंजाब सरकार के साथ भी यही स्थिति है। रवैया पूरी तरह से अवज्ञाकारी है। पीठ ने कहा कि दोनों राज्यों ने जून 2021 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पराली जलाने को रोकने के लिए सीएक्यूएम द्वारा जारी निर्देशों को लागू करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

पंजाब सरकार की आलोचना करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि पिछले तीन सालों में एक भी मुकदमा नहीं चलाया गया और वह केवल उल्लंघनों को बर्दाश्त कर रही है। पीठ ने कहा, आप लोगों पर मुकदमा चलाने से क्यों कतराते हैं। यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। यह आयोग के वैधानिक निर्देशों के क्रियान्वयन का मामला है। कोई राजनीतिक विचार लागू नहीं होगा। आपकी ओर से अवज्ञा की जा रही है। आप लोगों को उल्लंघन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। आप केवल नाममात्र का जुर्माना लगा रहे हैं। इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) आपको पराली जलाने का स्थान बता रहा है और आप कहते हैं कि आग का स्थान नहीं मिला है।' राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण के स्तर में पराली जलाने का एक बड़ा योगदान है। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने कहा कि जमीनी स्तर पर निर्देशों को लागू करना मुश्किल था (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली की हवा में घुल गया जहर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की हवा आम लोगों के लिए बेहद खतरनाक हो गई है, क्योंकि एक्यूआईसीएन के आंकड़ों से पता चला है कि आनंद विहार में रात 8 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 999 दर्ज किया गया। पूरे शहर में एक्यूआई का खतरनाक स्तर देखा गया, सेक्टर 8, द्वारका में 876, मुंडका में 465, आर.के.पुरम में 334, रोहिणी में 322 और नरेला में 305 दर्ज किया गया।

कुंभ में अपनों से बिछड़ना होगी बीते दिनों की बात

● हाई-टेक खोया पाया प्रणाली से सुरक्षित होगा मेला

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

फाइल फोटो

उत्तर प्रदेश सरकार कुंभ मेले की भीड़-भाड़ में अपनों के बिछड़ जाने की पुरानी सिनेमाई कहानी को फिर से परिभाषित कर रही है। सावधानीपूर्वक योजना और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से सरकार का लक्ष्य महाकुंभ में लोगों के खो जाने और सालों बाद फिर से मिलने के 'फिल्मी' कहानी को खत्म करना है। महाकुंभ 2025 को एक सुरक्षित, अधिक संगठित आयोजन के रूप में तैयार किया गया है, जहाँ खोए हुए व्यक्तियों को उनके परिवारों से जल्दी से जल्दी फिर से मिलाया जाएगा। यूपी सरकार ने हर आगंतुक, खासकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अत्याधुनिक खोया-पाया सिस्टम शुरू किया है। यह पहल प्रयागराज मेला प्राधिकरण और पुलिस विभाग के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसका उद्देश्य गुमशुदा मामलों को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि जो कोई भी बिछड़ जाता है, उसे जल्दी से जल्दी ढूंढा जाए और उसके प्रियजनों से फिर से मिलाया जाए।

इस प्रणाली की एक प्रमुख विशेषता एक अभिनव तीर्थयात्री पंजीकरण व्यवस्था है जिसे लापता व्यक्तियों की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हाई-टेक खोया-पाया केंद्र डिजिटल रूप से किसी भी लापता व्यक्ति को पंजीकृत करेगा, उनके विवरण को कई केंद्रों और फेसबुक और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर साझा करेगा। ये केंद्र सभी खोए हुए व्यक्तियों के लिए घोषणाएँ भी करेंगे। बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। किसी भी बच्चे या महिला का दावा करने का प्रयास करने वाले को पहले उनकी पहचान सत्यापित करनी होगी, किसी भी संदिग्ध स्थिति में पुलिस हस्तक्षेप करेगी। (शेष पृष्ठ 9)

झारखंड की लिस्ट हुई लीक भारतीय जनता पार्टी हैरान

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के लिए 35 संभावित उम्मीदवारों की सूची सोशल मीडिया और कई समाचार प्लेटफार्मों पर प्रसारित हुई, भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को रास नहीं आई। इसके चलते पार्टी को उम्मीदवारों की घोषणा के लिए अपनी 'आधिकारिक' घोषणा को स्थगित करना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के शीर्ष नेता बुधवार देर शाम झारखंड के लिए पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि बैठक देर रात तक जारी रही, लेकिन प्रधानमंत्री बीच में ही चले गए। सूत्रों ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री ने सदस्यों से विधानसभा की कुछ सीटों पर पुनर्विचार करने को कहा, क्योंकि पार्टी खनिज समृद्ध राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार से सत्ता छीनने के लिए उम्मीदवारों की जीत की संभावना पर भरोसा कर रही है। विधानसभा और उपचुनाव चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद, भाजपा की सीईसी ने आगामी झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के साथ-साथ विधानसभा और लोकसभा उपचुनावों के उम्मीदवारों के नामों पर विचार-विमर्श करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में मंगलवार और बुधवार शाम को दो दिवसीय मैराथन बैठक बुलाई।

महाराष्ट्र के लिए बुधवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पीयूष गोयल भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और संबंधित राज्य और सीईसी सदस्यों सहित कई बड़े भाजपा नेताओं ने भाग लिया। खबर प्रेस में जाने तक बैठक जारी थी। एक दिन पहले सीईसी ने अहम बैठक कर झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की थी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री बैठक से पहले ही चले गए और सीईसी सदस्यों से कुछ सीटों पर पुनर्विचार करने को कहा। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, के. लक्ष्मण, सत्यनारायण जटिया, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सर्बानंद सोनोवाल और वाणी त्रिपाठी समेत अन्य सीईसी सदस्य मौजूद थे।

बैठक में झारखंड प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, झारखंड के सह-प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, झारखंड भाजपा प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ समेत झारखंड भाजपा कोर ग्रुप के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। बैठक में सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने झारखंड की करीब 50 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की। पहली सूची में 35 से अधिक उम्मीदवारों के नाम शामिल होने की संभावना है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा, जबकि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे और नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

श्रीनगर में उमर अब्दुल्ला के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा

नायब फिर बनेंगे हरियाणा के सीएम

● भाजपा विधायक दल के नेता बने, राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया पेश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

केंद्रीय मंत्री अमित शाह हरियाणा के पंचकूला में नायब सिंह सैनी को भाजपा विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुने जाने पर बधाई देते हुए।

हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। गृहमंत्री अमित शाह तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में बुधवार को पंचकूला स्थित भाजपा मुख्यालय में विधायक दल की बैठक में यह फैसला लिया गया। इससे पहले पंचकूला में ही गृहमंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरूआत करते हुए नायब सैनी को हरियाणा में भाजपा का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया था। सैनी इस बार अपना पुराना हलका नारायणगढ़ छोड़कर (शेष पृष्ठ 9)

रिंग रोड के ट्रैफिक जाम से निकलना चक्रव्यूह भेदने जैसा

● आश्रम, सराय काले खां, मजनू का टीला, हनुमान सेतु, राजघाट के रास्तों पर भीषण जाम

संजय राय। नई दिल्ली

नई दिल्ली में सराय काले खां में लगा ट्रैफिक जाम। फोटोः रंजन डिमरी

रिंग रोड पर ट्रैफिक बिल्कुल भी सुव्यवस्थित नहीं है, बल्कि यह 'जलेबी' जैसा मुश्किल भरा है, जिसमें दोपहिया वाहन, ऑटो और यहां तक ??कि रिक्शा भी सर्कुलर रोड पर ट्रैफिक जाम में आगे निकलने के लिए लेन क्रॉस करते नजर आते हैं। मजनूं का टीला से हनुमान मंदिर तक जाम की समस्या से वाहन चालकों को पसीना आ रहा है। मजनू का टीला से हनुमान सेतु तक इस मार्ग पर दोनों तरफ भीषण जाम लगता है। इससे राजघाट की तरफ से मजनू का टीला आने वाले और मजनू का टीला की तरफ से हनुमान सेतु आने वाले वाहन चालकों की परेशानी और बढ़ गई है। मंगलवार को हनुमान मंदिर के सामने दोनों तरफ भीषण जाम लग जाता है। इस जाम को कम करने के सभी प्रयास विफल हो गए हैं। हाल ही में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने हनुमान मंदिर सेतु के अंत में ट्रैफिक सिग्नल लगाए हैं। लेकिन इससे अभी तक कोई खास सुधार नहीं हुआ है। आश्रम फ्लाईओवर और आश्रम फ्लाईओवर एक्सटेंशन के उद्घाटन के बाद लोगों को जाम से कुछ राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन रिंग रोड पर सराय काले खां के पास जाम की वजह से जाम की समस्या बनी हुई है।

आश्रम फ्लाईओवर से रिंग रोड पर उतरते ही जाम लगना शुरू हो जाता है, जिसके कारण लोगों को सराय काले खां तक ??का करीब आधा किलोमीटर का सफर तय करने में आधे घंटे से अधिक का समय लग जाता है। इसकी वजह सराय काले खां में चल रहा रैपिड रेल का निर्माण कार्य है। इस बीच बाहरी दिल्ली की छह सड़कों पर जाम की स्थिति बनी हुई है। यहां तक ??कि आपातकालीन वाहन, एंबुलेंस और दमकल की गाड़ियां भी जाम में फंस जाती हैं। वहीं, बाहरी रिंग रोड पर हैदरपुर बादली मोड़ के पास बोटल नेक होने के कारण छह लेन का ट्रैफिक चार लेन में सिमट जाता है। यहां जाम की वजह रेलवे का संकरा पुल है। पीतमपुरा से एलिवेटेड रोड से बिना रुके आने वाले वाहन यहां पहुंचते ही जाम में फंस जाते हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और रेलवे के बीच कई बैठकें भी हो चुकी हैं।

पीडब्ल्यूडी सूत्रों के अनुसार आपसी सहमति बनने पर जल्द ही इस पुल की चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है। आउटर रिंग रोड मेट्रो के निर्माण कार्य के कारण प्रशांत विहार से रोहिणी जेल मोड़ तक जाम की स्थिति बनी रहती है। तीन किलोमीटर की दूरी तय करने में करीब 30 से 40 मिनट लग रहे हैं, जबकि पहले इसमें पांच से सात मिनट लगते थे। केएन काटजू रूट से आने वाले वाहन आउटर रिंग रोड पर पहुंचते ही जाम में फंस जाते हैं। रिठाला मेट्रो स्टेशन के नीचे बेतरतीब ढंग से खड़े ई-रिक्शा और अन्य वाहन जाम से होने वाली समस्या को और भी बढ़ा रहे हैं।

उप-चुनावः कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 131 में होंगे नामांकन

सदर सीट पर 119 मतदान केंद्र, चार जोनल व 22 सेक्टर में बांटा गया: जिलाधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद विधानसभा सदर सीट उप चुनाव के लिए 18 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में करीब साढ़े चार लाख वोटर हैं जो अपने मत का प्रयोग करेंगे। इस सम्बंध में डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने विस्तार से जानकारी दी। नामांकन का अंतिम दिन 25 अक्टूबर होगा। नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को होगी व नाम वापसी 30 अक्टूबर को होगी।

13 नवंबर को मतदान होगा व 23 नवंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। सदर सीट पर उपचुनाव के लिए नामांकन जिला मुख्यालय में नगर मजिस्ट्रेट के कार्यालय संख्या 131 में होंगे। रिटर्निंग अधिकारी सिटी मजिस्ट्रेट संतोष उपाध्याय नामित किए गए हैं। इसके अलावा सहायक आरओ जिला समाज कल्याण अधिकारी अमरजीत सिंह, नायब तहसीलदार विवेक कुमार मिश्रा, नगर शिक्षा अधिकारी अभिषेक यादव होंगे। सदर सीट पर 119 मतदान केन्द्र व 506 मतदेय स्थल हैं जिसमें 72 क्रिटिकल मतदेय स्थल हैं।

चुनाव लिए गाजियाबाद विधानसभा सीट को चार जोनल व 22 सेक्टर में बांटा गया हैं, जहां मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। बात करें मतदाता सूची की तो यहां वोटर संख्या 4 लाख, 61 हजार 360 है जिसमें पुरूष मतदाता दो लाख 54 हजार 017 और महिला मतदाता दो लाख सात हजार 314 और 26 अन्य है। विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग मतदाता 388 हैं। चुनाव के दौरान एक पिंक बूथ, युवा बूथ बनाया जाएगा। मतदान पार्टियों की रवानगी रामलीला मैदान कविनगर से होगी व मतगणना सम्बंधी कार्य गोविंदपुरम अनाज मंडी में होगा। इसके अलावा अधिकारियों को भी चुनाव सम्पन्न कराने के लिए जिम्मेदारी दी गई है। सीडीओ अभिनव गोपाल को मैनपॉवर मैनेजमेंट, मतदान कर्मियों की ट्रेनिंग, स्वीप अभियान की जिम्मेदारी होगी। एडीएम एलए विवेक कुमार मिश्रा पर मैटेरियल, ईवीएम मैनेजमेंट, बैलेट पेपर, पोस्टल बैलेट, ईटीपीबीएस का काम होगा। एडीएम एफआर सौरभ भट्ट पर चुनावी खर्च, मीडिया, एमसीएमसी, पेड न्यूज, कम्युनिकेशन प्लान,वोटर हेल्पलाइन, शिकायत प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी होगी। एडीएम सिटी गंभीर सिंह पर ट्रांसपोर्ट, लॉ एंड ऑर्डर,मैपिंग एंड सिक्योरिटी प्लान,एमसीसी,ऑब्जर्वर के काम होंगे। एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह पर मतदाता सूची और सहायक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हरप्रीत कौर पर साइबर सिक्योरिटी, आईटी और कम्प्यूटराइजेशन की जिम्मेदारी होगी।

चुनावी खर्च पर नजर रखने के लिए भी टीमें गठित की गई हैं जिसमें स्टेटिक सर्विलास की तीन टीम, फ्लाइंग स्कवायड तीन, वीडियो सर्विलांस एक, वीडियो व्यूयिंग और सहायक व्यय आब्जर्वर की एक-एक टीम होगी। आर्दश आचार संहिता का अनुपालन कराने के लिए एडीएम सिटी गंभीर सिंह को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

जिला मुख्यालय की अभेद्य सुरक्षा की रूपरेखा तैयार

गाजियाबाद। सदर विधानसभा-56 के लिये 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव हेतु होने वाली नामांकन प्रक्रिया को पूरी तरह से स्मूथ एवं सेफ बनाने के क्रम में डीसीपी सिटी राजेश कुमार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसके तहत श्री कुमार ने जहां उपचुनाव के लिये ऐसा सेफ्टी प्लेन बनाया है कि जिसके चलते किसी अपराधी अथवा अराजक/शरारती तत्व की बात तो छोड़िये परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, वहीं नामांकन प्रक्रिया को बाधारहित बनाने के लिये ठोस प्रबंध किये हैं। इस क्रम में उन्होंने एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव, एसएचओ कविनगर योगेंद्र सिंह मलिक व अन्य अधिकारियों के साथ जिला मुख्यालय पर होने वाली नामांकन प्रक्रिया को संपूर्ण रूप से सुरक्षित रखने के लिए कलेक्ट्रेट में भ्रमण करके वहां का भौतिक अवलोकन भी किया। इस अवसर पर कुमार ने अधिनस्थों को दिशा निर्देशित भी किया। उसके बाद उन्होंने जिला मुख्यालय सभागार में हुई चुनाव संबंधी बैठक में भी हिस्सा लिया।

संक्षिप्त समाचार

दिवाली से पहले लाइटों से जगमगाएगा शहरः मेयर

गाजियाबाद। त्यौहार की तैयारियां शुरू हो गई हैं जिसमे नगर निगम ने भी दीपावली पर प्रकाश व्यवस्था के लिए प्लानिंग कर ली है। महापौर सुनीता दयाल ने अधिकारियों के साथ बैठक कर शहर के सभी वार्डो के लिए प्रकाश व्यवस्था की रूप रेखा तैयार की है। प्रथम चरण में 2000 लाइटे और दूसरे चरण में 5000 लाइटों को लगाने की तैयारियां शुरू हो गयी है। इस हिसाब से सभी वार्डो में 7000 लाइटे लगेंगी। खराब लाइटों को ठीक करने की तैयारी भी हो चुकी है जिससे कि किसी भी वार्ड में अंधेरा न रह सके। पिछले महीने महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में 15वें वित्त की बैठक हुई थी जिसमे शहर में प्रकाश व्यवस्था के लिए लगभग 5.5 करोड़ का बजट पास किया था जिसमें शहर में लाइटे लगाने का कार्य भी था। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि शहर में बहुत तेजी से प्रकाश व्यवस्था को सुचारू करने का कार्य शुरू होगा। सभी वार्डो में एक समान कार्य होगा।

स्तन कैंसर की समय पर पहचान से होगा बचाव

नोएडा/ नई दिल्ली। भारत में स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे आम प्रकार का कैंसर है। अगर इसका शुरुआती चरण में पता लग जाए तो बचाव व इलाज संभव है। यह कहना है मैश हॉस्पिटल के निदेशक - मिनिमल एक्सेस सर्जरी एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सचिन अंबेकर का। डॉ. अंबेकर के अनुसार नियमित स्क्रीनिंग से स्तन कैंसर का शुरुआती स्तर पर ही पता लगाया जा सकता है, जब वह सबसे अधिक उपचार योग्य होता है। स्तन (ब्रेस्ट) कैंसर जागरूकता माह में मैश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली और नोएडा में अक्टूबर के अंत तक चलने वाले मेगा ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन कर रहा है। यह कैंप एआई बेस्ड थर्मोग्राफी और सोनो-मेमोग्राफी के जरिए ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

आईएमएस में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान दोपहिया वाहन चालको से हेलमेट का अनिवार्य उपयोग, कार चालक से सीट बेल्ट का प्रयोग, एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) एवं वाहनों के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य की देखभाल पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रो विकास धवन ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है। वहीं सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम की संयोजक वर्षा छबारिया ने बताया कि के कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

गौतमबुद्धनगर से तीन वाहन चोर गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में पुराने दो पहिया वाहन चोरी करने वाले एक गैंग के 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों रेती से घिसी चाबी से पुरानी बाइक का लॉक खोलकर उनको सुनसान इलाकों में खड़ा करते थे। मौका पाकर उन गाड़ियों को खुद की काटते थे। इसके बाद कबाड़ियों और दुकानदारों को बेच देते थे। पैसों का प्रयोग नशा और शौक पूरा करने के लिए करते थे। इनके पास से 13 बाइक बरामद की गई है। इसके अलावा बहुत से उपकरण बरामद किए गए। डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि ये तीनों दिल्ली एनसीआर में पुरानी बाइक को टारगेट करते थे। पहले तीनों रेकी करते थे। इसके बाद लोहे की बनाई चाबियों से बाइक चोरी कर फरार हो जाते थे। बताया कि ये लोग खुद ही बाइक को काटकर उसके उपकरण बेचते थे। जिससे इनको प्रत्येक बाइक पर 3 हजार रुपए मिल जाते थे। नोएडा में इनके खिलाफ 21 मुकदमे दर्ज है।

सोसाइटी के बाहर टहल रहे युवक से फोन लूटा

नोएडा। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र से अज्ञात बदमाशों में एक व्यक्ति का मोबाइल फोन लूट लिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि यशवीर मोर्य पुत्र अशोक कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-78 स्थित एक सोसाइटी में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार 12 अक्टूबर को वह रात के समय अपनी सोसाइटी के बाहर घूम रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर आए 2 बदमाशों ने उनका कीमती मोबाइल फोन लूट लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि सोसाइटी के आसपास लगे कैमरों की सहायता से पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

आटा में यूरिन मिलाने वाली सहायिका गिरफ्तार

- कारोबारी का परिवार पड़ गया था बीमार, किचन में कैमरा लगाने पर पकड़ी गई महिला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पुलिस गिरफ्त में आरोपी सहायिका

गाजियाबाद में बिजनेसमैन के किचन में पेशाब करने वाली साहियका को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि इसके बाद खाना बनाने में इसी यूरिन का इस्तेमाल करती थी। बिजनेसमैन का पूरा परिवार बीमार रहने लगा। शक हुआ तो बिजनेसमैन की पत्नी ने चुपचाप मोबाइल का कैमरा ऑन करके किचन में रख दिया। इससे उसकी हरकत कैमरे में कैद हो गई।

बिजनेसमैन की पत्नी ने पुलिस से शिकायत की। इसके बाद नौकरानी को गिरफ्तार कर लिया गया। वह ऐसा क्यों करती थी, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है। पुलिस ने नौकरानी के खिलाफ संक्रामक रोग फैलाने की धारा में केस दर्ज किया है। मामला क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की सोसाइटी का है। यहां रियल एस्टेट कारोबारी परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी ने स्न्ढ्ढक्रमें लिखवाया, महिला पिछले 8 साल से घर पर खाना बना रही है। कई महीनों से हमारा परिवार बार-बार बीमार हो रहा था। इलाज कराने पर भी आराम नहीं मिला। मुझे कई बार रसोई से टॉयलेट की बदबू आई। शक हुआ तो 14 अक्टूबर को मैंने मोबाइल कैमरे की वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन करके उसे किचन में छिपा दिया।

6 बैंकों को लगाया 20 करोड़ का चूना

- फर्जी कागज तैयार कर लेते थे लोन, फर्जीवाड़े में एचडीएफसी की मैनेजर भी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा की दादरी थाना पुलिस ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है, जिसने नोएडा के ही 6 बैंकों को ठग लिया। ठगों ने फर्जी कंपनी तैयार की, इसके बाद फर्जी तरीके से कागजात तैयार कर बैंकों से लोन के नाम पर 20 करोउ ? की रकम लेकर हड़प ली। इस गिरोह में एचडीएफसी की मैनेजर और उसका पति भी शामिल है। जब ईएमआई जमा नहीं होती थी तो बैंक वाले दिए गए पते पर संपर्क करते थे तो एड्रेस फर्जी होने के कारण वहां पर उन्हें कोई नहीं मिलता था। पुलिस ने बैंक मैनेजर के पति समेत दो को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को पुलिस ने गिरोह का पर्दाफाश किया है। डीसीपी साद मिया खान ने बताया कि अमित के नाम पर मेसर्स फैशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी रजिस्टर्ड है। रामानन्द उर्फ रमेश, सचिन तंवर, अनुज यादव, हिमांशु, ओमप्रकाश, गोविंद, विशाल व उसकी पत्नी नेहा जो एक बैंक में मैनेजर है, मिलकर गिरोह चला रहे थे। यह सब लोग एक कंपनी बनाकर फर्जी तरीके से लोन दिलाने का काम करते थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 206 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, 58 पासबुक, 40 आधार कार्ड, 40 पैन कार्ड, 70 चेक बुक, 6 स्वाइप मशीन, 30 मोबाइल फोन व उसके अलावा दो कीपैड मोबाइल फोन और उसके साथ एक टाटा हैरियर गाड़ी भी बरामद की है। पक ? गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने मेसर्स फैशन प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी बना रखी है। इस कंपनी में 5-6 महीने के लिए एक आदमी को नौकरी पर रखते थे।

दाखिले के नाम पर 200 लोगों से ठगी, कॉल सेंटर चलाने वाले दो गिरफ्तार

- 100 प्रतिशत स्कालरशिप और लैपटॉप का देते थे लालच

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एक्सप्रेसवे पुलिस ने स्कूल व कॉलेजों में बच्चों को एडमिशन कराने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक काल सेंटर का पर्दाफ़ाश किया है।

पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग सोशल मीडिया और अन्य माध्यम से 10वीं और 12वीं के छात्रों का डेटा लेकर उनको फोन करके नामी गिरामी स्कूल और कॉलेज में दाखिला दिलाने का वादा करते थे। ये कॉल सेंटर नोएडा में करीब 4 महीने से संचालित हो रहा था। अब तक 200 से ज्यादा छात्रों को ठगी का शिकार बना चुके है। साथ ही 100 प्रतिशत स्कालरशिप और साथ में एक लैपटॉप का लालच भी देते थे। डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि अपराधियों की पहचान मोहम्मद रिजवान और चिरंजीव हुई है। सूचना के आधार पर पुलिस ने एबीसी बिल्डिंग टावर नंबर-4 आफिस नंबर 513 पर छापा मारा। यहां कॉल किए गए छात्रों की सूची, छात्र व आरोपियां के बीच चैट के स्क्रीनशॉट्स मिली। इनके खातों की जांच में सामने आया कि ये लोग छात्रों से दाखिले के नाम पर मोटी रकम वसूल करते थे। इन लोगों ने सोशल मीडिया पर फर्जी वेबसाइट बनाई थी।

किसान बोले- चार गुना मुआवजा मिलने पर ही अधिग्रहण की मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम कस्बा निवाड़ी में कृषि भूमि के अधिगृहण को लेकर किसान लामबंद होना शुरू हो गए हैं।

बुधवार को किसानों ने पंचायत कर चार गुना मुआवजा व अन्य सुविधा देने पर ही भूमि देने की बात कही है। कस्बा निवाड़ी में एक पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। किसान नेता राजभूषण त्यागी उर्फ लाला, सतेन्द्र त्यागी, अंकित त्यागी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम कस्बा निवाड़ी में 1900 बीघा से अधिक कृषि भूमि का अधिगृहण कर रहा है। उन्होंने बताया कि पहले तय हुआ था कि सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। लेकिन अब पता चला कि सिर्फ दो गुना मुआवजा देने की बात कही जा रही है।

किसानों ने कहा कि किसी भी कीमत पर दो गुना मुआवजे पर भूमि नहीं दी जाएगी। किसानों का कहना है कि मुआवजे के अलावा पुर्नवास राशि, पांच प्रतिशत विकसित भूमि सहित अन्य सुविधाएं भी मिलनी चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी कि किसी भी कीमत पर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इस मौके पर जयकुमार फौजी, कृष्णापाल सिंह, अनु त्यागी, विनोद खलीफा, अरुण त्यागदी, सभासद मागेश्व, नीतू सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

एटीएम कार्ड बदलकर 97 हजार रुपए निकाले

नोएडा। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एटीएम मशीन पर पैसे निकालने गए थे। इसी बीच अज्ञात बदमाशों ने धोखाधड़ी कर उसका एटीएम कार्ड बदल दिया तथा उनके खाते से करीब 97 हजार रुपया निकाल दिया।

थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि राम सिंह बिष्ट ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एटीएम मशीन से पैसे निकालने गए थे। जब वह पैसे निकाल रहे थे तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी करके उनका एटीएम कार्ड बदल लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार उक्त व्यक्ति ने उनके एटीएम की सहायता से उनके खाते से 97 हजार रुपये निकाल लिये है।

लाखों की शराब के साथ पकड़े नशे के सौदागर

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाने के एसएचओ की टीम ने चेकिंग के दौरान मिली मुखबिर से सूचना के बाद राजेंद्रनगर गोल चक्कर के पास से अंतर्राज्जीय स्तर पर शराब की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

सूत्रों के अनुसार तस्करों के पास से केंटर में छुपाकर लाई गई अंग्रेजी शराब की पांच सौ बोतल व अन्य सामग्री बरामद हुई। अंतर्राज्जीय स्तर पर शराब की तस्करी करने वाले तस्करों के गैंग का सरगना एक ट्रांसपोर्टर है। चण्डीगढ़ मार्का अंग्रेजी शराब के साथ पकड़े गये तस्करों के नाम राजदेव , परमजीत व संजीव कुमार ए-132, एफ-3 डीएलएफ भोपुरा टीला मोड हैं। पूछताछ में शराब तस्करों ने बताया कि उनके गैंग का सरगना ट्रांसपोर्टर बिजेश कुमार निवासी खसरा नंबर 31 हरनारायण गोपीनाथ कंपाउंड चिकम्बरपुर साहिबाबाद है। वो उनसे हरियाणा व पंजाब से शराब मंगवाकर उसे बिहार सप्लाई करता है।

भू-माफिया यशपाल को कोर्ट से झटका

- जमानत अर्जी फिर खारिज, चिटहेरा भूमि घोटाले में जेल में है बंद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर की दादरी तहसील के गांव चिटहेरा में दलित-पिछड़े किसानों, विधवा महिलाओं और बच्चों की जमीन हड़पने वाले अंतरराज्यीय भू-माफिया गैंगस्टर यशपाल तोमर को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। गौतमबुद्ध नगर की ट्रायल कोर्ट ने यशपाल तोमर की जमानत अर्जी एक बार फिर खारिज कर दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहले ही यशपाल तोमर की जमानत याचिका खारिज कर चुका है। यशपाल ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर करके जमानत मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत नहीं दी थी और ट्रायल कोर्ट (अपर जिला एवं सेशन जज विशेष न्यायधीश एससी-एसटी) से जमानत मांगने का आदेश दिया था। यशपाल तोमर के ख़िलाफ किसानों की तरफ से अदालत में मुकदमे की पैरवी कर रहे एडवोकेट विनीत शर्मा ने अदालत को बताया कि दादरी थाने में यशपाल तोमर और उसके साथियों के ख़िलाफ जिलाधिकारी के आदेश पर यह मुकदमा दर्ज करवाया गया है। जिसमें प्रशासन का आरोप है कि चिटहेरा गांव की भूमि प्रबंधन समिति ने अगस्त 1997 में दलितों, पिछड़ों और भूमिहीन लोगों को पट्टा आवंटन के जरिए ज़मीन दी थी। दादरी के उपजिलाधिकारी ने पट्टा आवंटन रद्द कर दिया था। यशपाल तोमर और उसके सहयोगियों कर्मवीर, बेलू और कृष्णपाल ने पट्टों वाली सैकड़ों बीघा जमीन किसानों से हड़प ली। यशपाल ने पूरी जमीन पॉवर ऑफ अटॉर्नी के जरिए अपने नौकर मालू को ट्रांसफर करवा दी। इस पूरे गोरखधंधे में दादरी तहसील के प्रशासनिक अधिकारी यशपाल तोमर का सहयोग कर रहे थे। विनीत शर्मा ने बताया कि चिटहेरा गांव में हुए पट्टों को गौतमबुद्ध नगर के अपर जिलाधिकारी न्यायलय ने भी ख़ारिज कर दिया था।

इसके खिलाफ एक अपील दायर की गई। यह अपील यशपाल तोमर ने दायर करवाई। गौतमबुद्ध नगर में सुनवाई नहीं हो, इसके लिए मुकदमे को हापुड़ के अपर जिलाधिकारी न्यायालय में ट्रांसफर करवाया गया। वहां पट्टों को बहाल करने का आदेश हुआ।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	विजय ट्रेडिंग कंपनी/ प्रशांत यादव/ सुनीता यादव/ प्रशांत यादव पुत्र शांति स्वरूप यादव/ 629505041387	आवासीय मकान संख्या 154/ए, मोहल्ला बासुदेव, तहसील एवं जिला झाँसी, उत्तर प्रदेश/ अक्टूबर 15, 2024	मई 10, 2024 रु. 1,01,46,557.00/-	दिल्ली

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।
दिनांक : अक्टूबर 17, 2024
स्थान : दिल्ली
भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	बिजय पाल सिंह/ सुषमा भारद्वाज/ LBNOD00002308035	फ्लैट नंबर- 1305, 13वीं मंजिल, टॉवर- बी, एक्सप्रेस पार्कव्यू अपार्टमेंट्स, प्लॉट नंबर- जीएच-10ए, सेक्टर- Chi- V, ग्रेटर नोएडा/ अक्टूबर 15, 2024	फरवरी 25, 2023 रु. 22,92,246/-	दिल्ली और एनसीआर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।
दिनांक : अक्टूबर 17, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर
भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	ज्योति प्रकाश/ आशा देवी/ LBDEL00005144770	फ्लैट नंबर 1208, 12वीं मंजिल, टॉवर-एच, फ्यूजन होम्स, प्लॉट नंबर जीएच-05ए पर स्थित, सेक्टर-टेकजोन-4, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201307/ अक्टूबर 15, 2024	जून 12, 2024 रु. 42,26,130/-	दिल्ली/ एनसीआर/ सीवान, बिहार
2.	शाल्वी वर्मा/ सुबोध कुमार वर्मा/ LBDEL00003300055	फ्लैट नंबर ई-1902, 19वीं मंजिल, ब्लॉक-ई, ग्रीन आर्क, टॉवर-ड्यूबेरी, प्लॉट नंबर जीएच-10ए पर स्थित, सेक्टर-टेकजोन-IV, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम), गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश- 201307/ अक्टूबर 15, 2024	जून 29, 2024 रु. 23,89,446/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।
दिनांक : अक्टूबर 17, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर
भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHWETA GUPTA W/O VARUN GUPTA R/o HOUSE NO.B-7/112-B,SAFDARJUNG ENCLAVE EXTENSION, NEW DELHI-110029.declare that my name was SHWETA KHANDELWAL prior to marriage and my name has been changed as SHWETA GUPTA after the marriage. The SHWETA KHANDELWAL and SHWETA GUPTA is the same and one person. That my name SHWETA GUPTA is mentioned on my Aadhar Card (No.570197668301) and PAN Card (No.AMCPK0893P). The Actual Name is SHWETA GUPTA respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my clients (1) Shri Bhupinder Singh Thakur S/o Late Rajinder Singh Thakar Janjhua resident of 29B, Pusa Road, Rajinder Nagar, New Delhi-110060 & (2) Ms. Sherry Thakar D/o Late Rajinder Singh Thakar Janjhua resident of 29-B, Pusa Road, Rajinder Nagar, New Delhi- 110060 are filing application in L&DO for Substitution/Mutation of (1/3rd undivided share) Bungalow Plot No.29, situated at Pusa Road, Rajinder Nagar, New Delhi-110060 in the names of (1) Sh. Bhupinder Singh Thakur & (2) Ms. Sherry Thakar on the grounds of Indemnity Bond, Affidavits, if there are any objections/ claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting documents through registered post or by visiting L&DO at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at l&do@nic.in within 30 days of the publication of this notice.
Client Names:
Bhupinder Singh Thakur & Sherry Thakar
Both R/o 29-B, Pusa Road, Rajinder Nagar, New Delhi-110060
Mobile No. : 9997401849
Bhupinder Kumar Arya (Advocate)
Regn. No. D/629/2012

Public Notice

This is to inform the general public that Mrs. Gourika Gadhok is the owner of First floor without roof/terrace rights, built on plot no.250, (familiar as property no. A-6/250), area measuring 70 sq. mtrs, in block no.A-6, situated at Paschim Vihar, New Delhi-110063 [illegible] Mrs. Gourika Gadhok is in the process of mortgaging the said property with SMFG India Credit Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Credit Co. Ltd.). [illegible] If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 14-days period by contacting Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

It is informed to the public at large that my client; NAGENDER RAI S/O ZULFAN RAI R/O H.NO.162, NEW SABHAPUR, KARAWAL NAGAR, NORTH-EAST, DELHI- 110094 hereby declaring/debarring/disowning his son DEEPAK KUMAR from his life, properties and state, moveable or immoveable situated in Delhi or outside of Delhi and severed all his relations with him because he is not loyal and under the control of my client. My client and his family will not be responsible for any act, deed and things done by him.
Chandan Kumar Thakur (Advocate) Off: Ch.NO.K-62, Rathi Block, Tis Hazari Courts, Delhi-110054 Mob.9958879713.

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my clients Smt. Bhudevi w/o Late Sh. Malakhan Singh & Mr. Jagjeevan Singh S/o Late Sh. Malakhan Singh Both R/o N-444, Mangol Puri, Block-N, Delhi-83 have debarred & disowned their son & brother namely Sh. Yash Pal Singh S/o Late Sh. Malakhan Singh from all their assets, movable & immovable properties due to his disrespectful behavior & being out of control of my clients. My clients have also served all their relations with him. My clients shall not be responsible for his act & conduct & will not have any concern with him in future, if any-body deals with him in any manner he/she shall do so at his/her own risk, costs & consequences. He shall be responsible himself for his act.
AMRENDRA NATH SHUKLA (Advocate)
Ch.No.717, Lawyers Chamber Block, Rohini Courts, Delhi-85

सार्वजनिक सूचना

[illegible]

PUBLIC NOTICE

It is informed that I, Mrs. Monika, W/o Mr. Manoj Tyagi, R/o A-198, Indrapuri, Loni Dehat Ghaziabad, U.P., do hereby declare that I am the sole and exclusive owner in respect of property i.e. Property No. 198A, measuring 36.41 sq. mts., at Indrapuri ABCD, Hadbast Gram Dharoti Khurd, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, U.P. I further declare that I have lost/misplaced the original General Power of Attorney in respect of my said property i.e. General Power of Attorney dated 13.10.1998 executed by Sh. Tulsi Das in favour of Sh. Mam Chand, which is duly registered on 13/10/1998, in the office of Sub-Registrar Ghaziabad-IV, U.P. If anyone finds the said document please contact the undersigned.
MRS. MONIKA W/o Mr. Manoj Tyagi, R/o A-198, Indrapuri, Loni Dehat, Ghaziabad, U.P. Mob.: 9560764011

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
शाखा कार्यालय : 1, मेन मार्केट, लोधी रोड, नयी दिल्ली – 110023
आम जनता को सूचना
[illegible]
दिनांक : 17.10.2024
नयी दिल्ली
नरेश चौहान
शाखा प्रबंधक

कच्ची कॉलोनियों में बिना एनओसी दो हफ्ते में मिलेगा बिजली कनेक्शनः आतिशी

● बोली, 1731 अनाधिकृत कॉलोनियों में लोगों की अब किसी भी प्रकार के अनापत्ति प्रमाण की जरूरत नहीं होगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव व दिवाली से पहले दिल्ली सरकार ने कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को तोहफा दिया है। राष्ट्रीय राजधानी की 1731 अनाधिकृत कॉलोनियों में बिना अनापत्ति प्रमाण के 15 दिन मिलेगा बिजली कनेक्शन।

इस बाबत मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि डीडीए द्वारा कच्ची कॉलोनियों में बिजली कनेक्शन के लिए एनओसी की अनिवार्यता से लोग दर दर भटकने और रिश्वत देने को मजबूर थे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा भाजपा कच्ची कॉलोनियों के लोगों को परेशान करने की कितनी भी कोशिशें करें लेकिन अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में सब नाकाम होंगी।

आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में बुधवार को कहा कि एक दशक पहले तक इन कच्ची कॉलोनियों का बहुत बुरा हाल होता था। यहाँ नेता वोट मांगने तो जाते थे लेकिन जब सरकार बनती थी तो इन कच्ची कॉलोनियों में न तो सड़कें बनाई जाती थी, न पानी-सीवर की लाइनें डाली जाती थी। लेकिन जब से आम आदमी पार्टी की सरकार बनी कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को हर संभव सुविधाएं देने का काम किया गया। चाहे सड़कें बननी हो, पानी-सीवर की लाइन डलनी हो। पिछले 10 साल में कच्ची कॉलोनियों में काफी विकास कार्य हुआ।

पिछले एक साल से कच्ची कॉलोनी में रहने वाले लोग बिजली कनेक्शन के लिए दर-दर भटक रहे है, ठोकरें खा रहे है। क्योंकि डीडीए ने एक ऑर्डर निकाला कि कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को तभी बिजली का कनेक्शन मिलेगा, जब वो डीडीए से एनओसी लेकर आते है, लिखित में लेकर आते है की वो एरिया लैंड पूलिंग के क्षेत्र में नहीं आता है।

इसका नतीजा ये हुआ कि, पिछले एक साल से 1731 कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोग जब बिजली के मीटर के लिए आवेदन करते तो उन्हें दर-दर भटकना पड़ता, एनओसी के लिए भागना पड़ता और एनओसी लेने के लिए जगह-जगह रिश्वत देनी पड़ रही थी। सीएम आतिशी ने कहा कि, उनके पास बतौर ऊर्जा मंत्री और मुख्यमंत्री स्वरूप विहार एक्सटेंशन, वेस्ट कमल विहार, मोहन गार्डन, विपिन गार्डन, नवादा एक्सटेंशन सहित कई इलाकों से कई लोग अपनी शिकायतें लेकर आए। जिन्होंने अपनी समस्याएं उनके सामने रखी।

उन्होंने कहा कि, उन्हें खुशी है कि, दिल्ली सरकार ने ये फैसला लिया है कि, 1731 कच्ची कॉलोनियों में बिजली का मीटर लगवाने के लिए किसी भी प्रकार के एनओसी की जरूरत नहीं होगी।

यानी अगर कोई भी व्यक्ति जो इन कॉलोनियों में रहता है वो बिजली के मीटर के लिए आवेदन कर सकता है और उन्हें डिस्कॉम्स द्वारा निर्धारित 15 दिन के समय के भीतर बिजली कनेक्शन मिलेगा। बिजली कंपनियों को आदेश दे दिए गए है कि, अब कच्ची कॉलोनियों मीटर लगाने के लिए किसी भी एनओसी की जरूरत नहीं होगी।

आतिशी सरकार और आप झूठ बोलने की मशीन हैं : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा की बिजली कनेक्शन के मुद्दे पर मुख्यमंत्री आतिशी ने साबित कर दिया की उनकी सरकार एवं आम आदमी पार्टी दोनों झूठ बोलने की मशीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा की अनधिकृत कॉलोनियों के लोगों को एक साल से बिजली कनेक्शन के लिए एन.ओ.सी. के कारण परेशानी हो रही थी जो पूरी तरह गलत है। जिस मुख्य मंत्री को यह तक नहीं मालूम की समस्या थी कब से वो हल क्या करेंगी। यह बिजली कनेक्शन के लिए एनओसी की समस्या अनेक वर्षों से थी और भाजपा ने गत लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इसे हल करने का वादा किया था। बिजली कनेक्शन के लिए एन.ओ.सी. की शर्त कभी डी.डी.ए. या एम.सी.डी. ने नहीं लगाई, यह शर्त केजरीवाल सरकार के पावर डिस्कॉम ने लगाई वर्षों से शहरीकृत इलाके मे पावर डिस्कॉम एम.सी.डी. का एन.ओ.सी. मांगते थे और गत वर्ष के मध्य में पावर डिस्कॉम अनधिकृत कॉलोनियों, शहरीकृत गांवों आदि में डीडीए का एन.ओ.सी. मांगने लगे जिससे समस्या विकराल हो गई। चुनाव पश्चात दो बार हमारे सातों नवनिर्वाचित सांसद अनधिकृत कॉलोनियों ही नहीं दिल्ली देहात एवं शहरीकृत गांवों, नान कन्फर्मिंग क्षेत्रों की इस बिजली कनेक्शन के एन.ओ.सी. एवं सम्पति म्यूटेशन आदि की समस्याओं को लेकर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मिले और उनके माध्यम से केंद्र सरकार को अवगत करवाया। गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्य में विशेष रूचि ने कर बिजली कनेक्शन के लिए एन.ओ.सी. की बाध्यता को खत्म करवाया और सम्पति म्यूटेशन भी प्रारम्भ करवाया।

सचदेवा ने कहा कि झूठ एवं भ्रम से भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से पहले काश झूठा दावा करने से पहले मुख्य मंत्री याद रखतीं की दिल्ली के लोग 6 अक्टूबर को एन.ओ.सी. हटाने एवं सम्पति म्यूटेशन खोलने के लिए बुराड़ी में जनसभा कर धन्यवाद प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी कह चुके हैं

सचदेवा ने केजरीवाल द्वारा आज लोगों के नाम लिखे पत्र में कुछ भी नया नहीं है।

दिल्ली में आप का जनसंपर्क अभियान शुरू

जनसंपर्क अभियान शुरु करते आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल व साथ में मुख्यमंत्री आतिशी व पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसको लेकर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की। 16 से 29 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत आप कार्यकर्ता उनके जनता के नाम लिखे पत्र को लेकर घर-घर जाएंगे। इस दौरान केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला।

साथ ही उन्होंने दिल्ली चुनाव के लिए पार्टी का रोड मैप भी बताया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होनं दिल्ली में मुफ्त व 24 घंटे बिजली, पानी, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा समेत अन्य सुविधाएं दी है। लेकिन ये लोग अपने शासित 22 राज्यों में दिल्ली वाली सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए इन्होंने मुझे जेल में डाला, ताकि ये दिल्ली में मिल रही सुविधाएं बंद कर अपने शासित राज्यों में उठ रही जनता की मांग को दबा सकें। अब ये किसी भी तरह दिल्ली की सत्ता हासिल करना चाहते हैं। अगर ये सत्ता में आ गए तो सारी सुविधाएं बंद कर देंगे। केजरलीवाल ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि विधानसभा चुनाव में आप अपने वोट की ताकत से भाजपा के काम रोकने के हर षड़यंत्र को हराएंगे और ''आप'' की फिर सरकार बनाएगी। केजरीवाल ने जन संपर्क अभियान का ऐलान करते हुए कहा कि आज से पूरी दिल्ली में जन संपर्क अभियान शुरु कर रहे हैं। जेल से निकलने के बाद वह बहुत लोगों से मिल रहे हैं और पूरी दिल्ली में घूमकर अलग-अलग जगहों पर जा रहे हैं। मैं जेल क्यों गया, मुझे गिरफ्तार क्यों किया गया। इसको लेकर जनता के मन में कई सवाल हैं। जिन लोगों से व्यक्तिगत तौर पर मिल लेते है उनके जवाब दे देता हूं। कई लोगों से मिलने के बाद मैंने जनता के सभी प्रश्नों के जवाब एक पत्र के रूप में बनाए हैं। मैंने जनता के नाम एक पत्र बनाया है। अब हमारे कार्यकर्ता इस पत्र को लेकर 29 अक्टूबर तक दिल्ली के घर-घर जाएंगे और जनता को मेरी ओर से यह पत्र सौंपेंगे, ताकि जनता के मन में जो सवाल हैं, उनके जवाब उन्हें मिल सकें। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, मुख्यमंत्री आतिशी, दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं मंत्री गोपाल राय, मंत्री सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

● अरविंद केजरीवाल ने शुरू की मुहिम 16 से 29 अक्टूबर तक जनता के नाम लिखे उनके पत्र को लेकर घर-घर जाएंगे कार्यकर्ता

विकासपुरी में झगड़े के दौरान युवक की चाकू घोंपकर हत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विकासपुरी इलाके में छह लोगों ने एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान विकासपुरी के इंदिरा कैंप निवासी संजय के रूप में हुई है और वह पेशे से वाहन चालक था।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि विकास पुरी में हुई इस घटना के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) में मंगलवार रात करीब 11 बजे सूचना मिली थी। अधिकारी ने कहा, संजय अपने दोस्त मनीष के साथ इलाके में घूम रहा था, तभी वहां कुछ स्थानीय लोगों से उसकी बहस हो गई जिसके बाद संजय को बुरी तरह पीटा गया और उसे चाकू मार दिया गया।

डीसीपी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल संजय को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वीर ने बताया कि घटना में कथित तौर पर शामिल छह लोगों को हिरासत में ले लिया गया है और इनमें से कुछ लोग उसी इलाके के रहने वाले हैं।

आप अपना जनाधार खो चुकी है : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल का चुनावों से पूर्व दिल्ली वालों के नाम पत्र लिखने की परम्परा पिछले 11 वर्षों से चल रही है, परंतु अब जनता उनके गुमराह करने वाले बयानों में फंसने वाले नहीं है।

यादव ने कहा केजरीवाल अपनी सरकार की विफलता को स्वीकार क्यों नही करते। सड़कों पर खड़े होकर अधिकारियों के साथ बयानबाजी करके क्या पिछले 10 वर्षों का रुका हुआ काम 4 महीने में पूरा कराना संभव है। दिल्ली में आप अपना जनाधार खो चुकी है।

शराब पीने के दौरान हुई थी बहस दोस्त की हत्या के मामले में युवक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहदरा डिस्ट्रिक के आंनद विहार इलाके में एक दोस्त ने अपने दूसरे दोस्त की हत्या कर दी थी जिस मामले में पुलिस ने आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंकित मिश्रा (30) के रूप में हुई है। शाहदरा डीसीपी प्रशांत कुमार गौतम ने बताया सोमवार की सुबह पेट्रोलिंग करते समय आनंद विहार इलाके में एक युवक पड़ा हुआ मिला था जिसके आसपास खून पड़ा हुआ था,

उसे हेडगवार हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने इसे मृत घोषित कर दिया था। मृतक की पहचान निराला साहू (30) निवासी रामप्रस्था गड्डु, नियर दीप मौर्या स्कूल के रूप में हुई थी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज ओर जानकारी जुटा कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

प्रदूषण फैलाने पर एनडीएमसी ने काटे 30 चालान

● सड़कों पर 8 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन चलाई जा रही

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए एनडीएमसी का अभियान जारी है। उल्लघंनकर्ताओं के खिलाफ निगरानी के लिए गठित विभिन्न टीमे बनाई गई है। एनडीएमसी के निदेशक के नियंत्रण में अधिकारियों की एक टीम ने धूल कम करने के उपायों को लागू करने के लिए निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया है। धूल प्रदूषण के उल्लघनकर्ताओं के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार 15,00,000/- रुपये के 30 चालान जारी किए गए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने सार्वजनिक स्वच्छता, कूड़ा-कचरा, एकल उपयोग प्लास्टिक, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और सार्वजनिक स्थान पर कचरे या सूखे पत्तों को जलाने के लिए 290 उल्लंघनकर्ताओं को 48747/- रुपये के चालान जारी किए। मैकेनिकल रोड स्वीपर एनडीएमसी ने बिना धूल उड़ाये सफाई के लिए जीपीएस ट्रैकिंग के साथ 2 शिफ्टों में 06 मैकेनिकल रोड स्वीपर (एमआरएस) तैनात किए हैं। सड़क के किनारे हरित पक्की सड़क प्रदान की गई। वहीं नई दिल्ली क्षेत्र में हवा और पर्यावरण में धूल के कणों को कम करने के लिए एनडीएमसी की सड़कों पर 8 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन चलाई जा रही हैं।

12 वित्तपोषित कॉलेजों में धन की कमी पर डूटा नाराज

● शिक्षकों ने यूजीसी पर किया प्रदर्शन

यूजीसी पर धरना प्रदर्शन दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डूटा ने यूजीसी पर धरना प्रदर्शन किया जिसमें शिक्षकों ने भाग लिया। धरना के बाद डूटा प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगो को यूजीसी के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा।

दिल्ली सरकार के बारह कॉलेज के संबंध में यूजीसी अधिकारियों को सूचित किया कि दिल्ली सरकार द्वारा वित्तपोषित बारह कॉलेजों के पास अपने कर्मचारियों को वेतन और अन्य देय राशि का भुगतान करने के लिए धन की कमी है। इस कारण मेडिकल बिलों की प्रतिपूर्ति, बच्चों की शिक्षा भत्ता, सातवें वेतन संशोधन और पदोन्नति के कारण बकाया, एलटीसी आदि जैसे भुगतानों में देरी होती रही है। दिल्ली सरकार द्वारा लगाए गए फंड कटौती के कारण कर्मचारियों और छात्रों को नुकसान उठाना पड़ा है। इससे इन कॉलेजों के शिक्षन और शिक्षको दोनो को नुकसान हुआ है। लगभग तीन सौ एडहॉक शिक्षक 15 वर्षों से अधिक समय से नियमितीकरण का इंतजार कर रहे हैं और लगभग इतने ही पद इन कालेजों में खाली पड़े हैं। इन कॉलेजों की ढांचागत स्थिति भी खराब है। राज्या सरकार के शिक्षा मंत्रालय की आतिशी के पत्र जिसमे इन कॉलेजों में काम कर रहे शिक्षको को अवैध बताया गया है।

आयुर्वेद पर वैश्विक सम्मेलन आज से

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयुर्वेद पर वैश्विक सम्मेलन एडवांसमेंट ऑफ रिसर्च एंड ग्लोबल ऑपेरटूनिटी फॉर होलिस्टिक आयुर्वेदा आरोह-2024 का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के पहले दिन भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ इसका उद्घाटन करेंगे। इस दौरान आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव, सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, निदेशक डा श्यामा कुरुविल्ला उपस्थित रहेगी। इसके साथ ही डॉ. एस के सरीन, पद्म भूषण वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा, वाइस चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. माधुरी कानिटकर भी इस दौरान की शोभा बढ़ाएंगी।

मोदी सरकार ने कृषि विकास पर दिया ध्यानः रामनाथ ठाकुर

● भंडारण के लिए एक लाख करोड़ का प्रावधान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री राम नाथ ठाकुर ने कहा कि देश में खाद्य पदार्थों के उचित भंडारण के लिए भंडारण और शीत भंडारण सुविधाओं के निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दिया है, और इस वर्ष के बजट में सब्जियों और फलों सहित सभी प्रकार के कृषि उत्पादों के भंडारण को बढ़ावा देने के लिए इतनी बड़ी राशि आवंटित की गई है। ठाकुर ने कहा कि इस क्षेत्र में कार्य की असीमित संभावनाएं हैं।

इसके साथ ही, सुलभ इंटरनेशनल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने भारत भर की महिला किसानों को एक मंच प्रदान किया, जिन्होंने सुलभ के खाद्य कार्यक्रम से लाभ उठाया है, ताकि वे अपनी उपज को प्रदर्शित कर सकें।

सुलभ इंटरनेशनल ने विविधता, पोषण, किफायती, पहुंच और खाद्य सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन के कार्यकारी मेयर जिओर्डिन हिल लुईस ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका और भारत की स्थिति समान है। वह स्वच्छता के अलावा भारत में खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानने के इच्छुक हैं। सुलभ इंटरनेशनल के अध्यक्ष कुमार दिलीप ने कहा कि खाद्य सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय हमारे संस्थापक स्वर्गीय डॉ. बिंदेश्वर पाठक की समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता से उत्पन्न हुआ है। सहकार भारती के अध्यक्ष डी.एन. ठाकुर ने समाज के विकास के लिए अधिक रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में, सुलभ इंटरनेशनल के नियंत्रक पंकज जैन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

पेड़ों की कटाई का मामला

उपराज्यपाल को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के रिज इलाके में पेड़ों की कथित कटाई के मुद्दे पर बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को 22 अक्टूबर तक व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने को कहा।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ रिज क्षेत्र में पेड़ों की कथित कटाई के मुद्दे पर डीडीए और अन्य के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई कर रही है। न्यायालय ने उपराज्यपाल को दोषी अधिकारियों के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्वाई सहित अन्य कार्वाइयों का विवरण भी देने को कहा है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, पीठ ने डीडीए अध्यक्ष को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि क्या पेड़ों की कटाई की अनुमति पर चर्चा

के बारे में कोई जानकारी थी। दूसरा, उपराज्यपाल को कब सूचित किया गया कि अनुमति की आवश्यकता है।

तीसरा, सुधारात्मक उपायों के रूप में क्या कदम उठाए गए, और चौथा, रिज की मूल प्रकृति को संरक्षित करने के लिए (न्यायालय के) आदेश के बाद से दोषी अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्वाई की गई। न्यायालय ने उपराज्यपाल को सुनवाई की अगली तारीख 22 अक्टूबर तक व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

रिज क्षेत्र में पेड़ों की कथित कटाई को लेकर डीडीए के उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा और अन्य के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई अब प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ कर रही है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पूर्व में इस विषय की सुनवाई की थी। पिछली पीठ ने छतरपुर से साउथ एशियन यूनिवर्सिटी तक सड़क निर्माण के लिए दक्षिणी रिज के सतबारी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के आरोप में पांडा के खिलाफ आपराधिक अवमानना नोटिस जारी किया था। पीठ ने डीडीए उपाध्यक्ष द्वारा दाखिल एक भ्रामक हलफनामे पर नाराजगी व्यक्त की थी।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की एक अन्य पीठ ने 24 जुलाई को, दिल्ली के रिज क्षेत्र में पेड़ों की कटाई को लेकर विभिन्न पीठों के समक्ष लंबित दो अलग-अलग अवमानना कार्यवाही का संज्ञान लिया था और कहा था कि वह न्यायिक औचित्य में विश्वास करती है और नहीं चाहती कि कोई भी विरोधाभासी आदेश पारित किया जाए।

दो अलग पीठ डीडीए के खिलाफ अवमानना मामले से संबंधित लेकिन अलग-अलग पहलुओं पर सुनवाई कर रही थी, जिससे संभावित न्यायिक गतिरोध और विरोधाभासी आदेशों की संभावना पैदा हो रही थी।

छात्रों संग क्विज करा आरबीआई ने अपना 90वीं वर्षगांठ मनाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस वर्ष अपने परिचालन का 90वां वर्ष मना रहा है। इस यादगार पल को अविस्मरणीय बनाने के लिए आरबीआई ने क्विज शुरू किया है, जो स्नातक कर रहे छात्रों के लिए एक राष्ट्रव्यापी सामान्य ज्ञान-आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगित है। आरबीआई 90 क्विज एक टीम-आधारित प्रतियोगिता है, जो कई चरणों में आयोजित की जा रही है। नई दिल्ली के लिए आरबीआई 90 क्विज का राज्य-स्तरीय राउंड ह्यातरीजन्सी, भिकाजी कामा प्लेस में आयोजित किया गया था, जहां 136 छात्रों (68) ने प्रतिस्पर्धा की थी।

शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनस स्टडीस की टीम जिसमें ईशान एवले और हर्षिता जैन शामिल थे, जो विजेता बनी। उसके बाद मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और वेंकटेशवर कॉलेज की टीमें क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। विजेता टीम अब जोनल राउंड में प्रतिस्पर्धा करेगी, जो 21 नवंबर और 4 दिसंबर 2024 के बीच होगा। राष्ट्रीय फाइनल दिसंबर में मुंबई में आयोजित किया जाएगा।

ग्रामीण भारत अब ग्लोबल इंडिया में बदल रहा : केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर

● केंद्रीय राज्य मंत्री ने सरस मेले में कहा, लखपति दीदी महिला सशक्तिकरण की दिशा में है ठोस कदम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में सरस मेले अपने उत्पाद लेकर पहुंची महिलाओं से बात करते केंद्रीय राज्य मंत्री डा. चंद्रशेखर पेम्मासानी।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डा. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि ग्रामीण इंडिया अब धीरे-धीरे ग्लोबल इंडिया में तब्दील हो रहा है। गुरुग्राम की धरती पर आयोजित सरस मेले में भाग ले रही महिलाओं में गरीबी से बाहर आने की इच्छा शक्ति और उनकी सृजनात्मक ताकत स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। यह बात उन्होंने बुधवार को यहां सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान में सरस मेले के शुभारंभ अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक उन्नति में स्वयं सहायता समूह का सफलतापूर्वक संचालन कर रही लखपति दीदियों का अथक योगदान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखपति दीदी की जो नई योजना देश को दी है, वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया ठोस कदम है। यह मेला प्रधानमंत्री के सपने को साकार करता हुआ प्रतीत हो रहा है, जो उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए देखा है। डा. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी तो हमारे गांव भी आर्थिक व सामाजिक दृष्टिकोण से उन्नत होंगे। उन्होंने कहा कि इस मेले में स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को एमेजोन, फ्लिपकार्ट जैसे डिजीटल प्लेटफार्म प्रदान करने, मार्केटिंग, डिजाइनिंग, पैकेजिंग, क्वालिटी इंप्रूव करने के लिए विशेषज्ञ बुलाए गए हैं। जिसके लिए नॉलेज व लर्निंग के दो स्पेशल एन्क्लेव बनाए गए हैं।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में आज 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं। इनसे दस करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। सरस मेले में भारत की कला और संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने के लिए गुरुग्राम जिला प्रशासन, उपायुक्त निशांत कुमार यादव व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव चरणजीत सिंह, संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, स्मृति शरण, सिक्किम से आई लखपति दीदी सीता प्रधान व कश्मीर की अफसाना आयत ने भी अपने विचार रखे।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी ने सरस मेले की स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने यहां खरीदारी की और फूड कोर्ट में विभिन्न राज्यों के व्यंजनों का स्वाद चखा।

'एक राग दो स्वर' नाटक से फूटे हंसी के फव्वारे

● तीन दिवसीय उत्थान उत्सव 2024 का समापन, रंगकर्मियों ने दिखाई अभिनय प्रतिभा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

पति-पत्नी एक गाड़ी के दो पहिए होते हैं। यदि दोनों पहिये खराब हो जाए तो जीवन तमाम समस्याओं से घिर जाता है। पति-पत्नी का काया-छाया का सम्बंध है। एक किरण है दूसरा उजाला। एक साज है दूसरा आवाज। एक लहर है दूसरा किनारा। एक दूसरे के बिना किसी का कोई अस्तित्व नहीं।

ऐसे ही संवादों के साथ राजेंद्र कुमार शर्मा के लिखे और विकास शर्मा द्वारा निर्देशित नाटक एक राग दो स्वर में कलाकारों ने पति-पत्नी के रिश्तों में आई कड़वाहट में मिठास भरने का कार्य किया। मौका था न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप के वार्षिक समारोह उत्थान उत्सव के समापन का। ग्रुप के 15 वर्ष पूर्ण होने पर 13 से 15 अक्तूबर तक आयोजित उत्थान उत्सव के समापन पर हरियाणा सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमच बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रुप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनु माल्यान उपस्थित रही। न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप की ओर से अध्यक्ष नीरज सेठी, सचिव शिवकुमार किरमच, नरेश सागवाल तथा धर्मपाल गुगलानी ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। मंच का संचालन डा. मोहित गुप्ता द्वारा किया गया।

गौरतलब है कि न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप वर्ष 2015 से निरंतर नाट्य उत्सव करता आ रहा है और इन नाट्य उत्सवों में मंचित नाटकों से दर्शकों के मनोरंजन के साथ-साथ समाज को एक संदेश देने का कार्य भी किया जाता है। इसी क?ी में आयोजित तीन दिवसीय उत्सव में पहले दिन नाटक चीफ की दावत के माध्यम से बुजुर्गों का तिरस्कार करने वाले बच्चों पर कटाक्ष किया गया। वहीं दूसरे दिन नाटक खुल जा सिम सिम ने बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। उत्सव के समापन पर राजेंद्र कुमार शर्मा द्वारा लिखित नाटक एक राग दो स्वर में पति और पत्नी के आपसी झग?ें से घर के माहौल पर प?ने वाले फर्क से लोगों को रुबरु करवाया गया। तीनों नाटक विकास शर्मा के निर्देशन में मंचित किये गए, जिनमें 30 से अधिक कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

'रत्नावली' हरियाणा दिवस राज्य समारोह, 25 से 28 अक्टूबर तक

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में रत्नावली हरियाणा दिवस राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन 25 से 28 अक्टूबर तक किया जा रहा है। रत्नावली महोत्सव के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने 14 कमेटियां बनाई हैं। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि रत्नावली कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ही नहीं अपितु पूरे हरियाणा के लिए एक ऐसा फेस्टिवल है जिसमें हजारों की संख्या में प्रतिभागी भाग लेते हैं। इस फेस्टिवल को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अलग-अलग कमेटियों को मंजूरी प्रदान की है।

इन कमेटियों में पंजीकरण एवं ट्रान्सपोर्टेशन कमेटी के कन्वीनर की जिम्मेवारी यूटीडी एनएसएस के प्रभारी डॉ. आनंद को दी गई है।

छात्रों एवं कलाकारों की बोर्डिंग एवं लॉजिंग कमेटी की जिम्मेवारी चीफ वार्डन ब्याज हास्टल व चीफ वार्डन गर्ल्स हॉस्टल को दी गई है। अनुशासन कमेटी की जिम्मेवारी प्रो. रमेश भारद्वाज प्रॉक्टर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को दी गई है। सीटिंग अरेंजमेंट कमेटी की बागडोर प्रो. संजीव अग्रवाल को सौंपी गई है।

ट्रॉमा से बचने को आदतों में भी लाना होगा सुधार

विश्व ट्रॉमा दिवस आज

● अचानक किसी घटना देती है गहरा आघात

● सड़क हादसों में ज्यादातर लोग ट्रॉमा में पहुंचते हैं

● नशा करके, गलत दिशा में, तेज गति से वाहन चलाने का आदतें सुधारनी होंगी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

देश में सड़कों, हाइवे, एक्सप्रेस-वे किनारे ट्रॉमा सेंटर बनाए जा रहे हैं। सरकारें तो अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं, लेकिन हम सबको भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। निजी हित, समाज हित और देश हित में हम अपनी कुछ खराब आदतों को सुधार कर अपनी जिम्मेदारी को पूरा कर सकते हैं। इससे हम हादसों को कम कर सकते हैं। क्योंकि ज्यादातर हादसों में ही ट्रॉमा सेंटर की जरूरत पड़ती है। व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए उसे त्वरित उपचार चाहिए होता है। हादसे में व्यक्ति को गहरा मानसिक आघात पहुंचता है।

आपको बता दें कि किसी व्यक्ति को किसी घटना के कारण अचानक गहरा सदमा लगना ही ट्रॉमा कहलाता है। कोई एक्सीडेंट हो, किसी की मृत्यु हो, कोई प्राकृतिक आपदा या हिंसात्मक घटनाएं व्यक्ति में ट्रॉमा का कारण बनती हैं। हर साल दुनियाभर में 17 अक्टूबर को विश्व ट्रॉमा दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत साल 2011 में हुई थी। इसको मनाने का उद्देश्य यही है कि ट्रॉमा के शिकार व्यक्ति की बेहतर देखभाल के लिए जागरुकता फैलाना है। हादसों के दौरान व्यक्तियों को समय रहते ट्रॉमा से बाहर निकालने के महत्व को बढ़ावा देना है। सड? दुर्घटनाओं से होने वाले ट्रॉमा से पूरी दुनिया बहुत ही अधिक प्रभावित है। दुनिया भर में सड? दुर्घटना चोट और मृत्यु के प्रमुख कारणों में से भी एक है। हर साल लाखों लोग ऐसी चोटों से पीड़ित होते हैं, जो न केवल व्यक्ति को प्रभावित करती हैं बल्कि परिवारों, समुदायों और हेल्थकेयर सिस्टम पर भी दबाव डालती हैं।

पारस हेल्थ गुरुग्राम के इमरजेंसी विभाग के हेड डा. गोविंद प्रकाश का कहना है कि सड़के दुर्घटनाएं अक्सर यातायात के नियमों का पालन ना करने, लापरवाही भरी ड्राइविंग से होती हैं। नशे में, तेज गति से गाड़ी चलाना, गाड़ी में सीट बेल्ट का उपयोग ना करनका जैसी आदतें भी गंभीर चोटों का कारण बनती हैं। इन कारणों को समझकर हम हादसों की रोकथाम के लिए काम कर सकते हैं।

उत्तराखंड व श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

उत्तराखंड के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों का दल बुधवार को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में स्किल इकोसिस्टम पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला में हिस्सा लेने पहुंचा। इन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विभिन्न विश्व स्तरीय लैब में प्रशिक्षण लिया और अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित मशीनों के बारे में जानकारी हासिल की। इससे पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि सर्टिफिकेट से स्किल नहीं आती, बल्कि उसके लिए हमें किसी एक कौशल को अर्जित कर उसमें पारंगत होना पड़ता है। भविष्य कौशल पर ही आधारित है। जो कुशल होगा, वही सफल होगा और उसी की मार्केट में मांग भी होगी। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने उत्तराखंड से आए दल को ऑन द जॉब ट्रेनिंग और हैंड्स ऑन प्रैक्टिस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को नई प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को कौशल के माध्यम से करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इस पहल के लिए उत्तराखंड सरकार की सराहना भी की।

प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने कौशल शिक्षा के मॉडल के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह देश में एक अनुपम प्रयोग है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए बच्चों को करें प्रोत्साहित : ताराचंद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला स्तरीय बाल महोत्सव प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला बाल कल्याण परिषद विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद जिला शाखा - फरीदाबाद द्वारा बाल दिवस प्रतियोगितायें 14 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2024 तक चल रही प्रतियोगिताओं के आज तीसरे दिन तृतीय ग्रुप के सोलो डांस, सोलो सोंग, डिक्लेमशन कांटेस्ट, देशभक्ति ग्रुप सोंग व ग्रुप डांस, का आयोजन किया गया।

आज इन प्रतियोगिताओं का शुभारंभ उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त तारा चन्द डाबला ने दीप प्रज्वलित करके किया। लेखाकार उदय चन्द ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त तारा चन्द डाबला ने बच्चों को संदेश दिया कि केवल पोजीशन मायने नहीं रखती बल्कि प्रतियोगिता में भाग लेना ही बड़ी जीत होती है। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों के अभिभावकों से आह्वान किया कि वे सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों में अपने बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को बताया कि जिला बाल कल्याण परिषद बच्चों के लिए उनके प्रतिभा को निखारने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान कर रही है जिसका उद्देश्य है बच्चों में छुपी प्रतिभा को निखारा जा सके। लेखाकार उदय चन्द ने बताया की बाल दिवस के उपलक्ष में 21 प्रतियोगिताएं जो की 46 ग्रुप में आयोजित की जा रही है जो 14 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी । यह प्रतियोगिताएं जिला स्तर पर आयोजित की जा रही है इसमें प्रथम व द्वितीय विजेता बच्चे जोनल लेवल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आज लगभग 80 स्कूलों के 400 बच्चों ने भाग लिया।

फरीदाबाद के निजी स्कूल के बसों का निरीक्षण दूसरे दिन भी जारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, पंचकूला द्वारा दूसरे दिन बुधवार को भी फरीदाबाद के निजी स्कूलों की बसों का औचक निरीक्षण किया गया।

बाल आयोग की अगुवाई व आदेशानुसार गठित जिला स्तरीय निरीक्षण टीम जिसमें लगभग 15 से 20 सदस्य थे, जिसमें विशेष रूप से बाल कल्याण समिति, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, जिला ट्रैफिक पुलिस, शिक्षा विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन आदि। टीम का नेतृत्व करते हुए हरियाणा बाल आयोग, पंचकूला के सदस्यों श्रीमती सुमन राणा व गणेश कुमार बताया पूरे हरियाणा राज्य में परिवहन विभाग हरियाणा द्वारा निर्धारित सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी अधिनियम के तहत दी गई 28 शर्तों की अनुपालना की मॉनिटरिंग चल रही है। जिसके तहत जिला स्तर टीम द्वारा स्कूल बसों का निरीक्षण किया जा रहा है।

फरीदाबाद भी इस टीम ने कई निजी स्कूलों की बसों का निरीक्षण किया। जिसमें बसों में विशेष रुप से फर्स्ट ऐड किट, अग्निशामक यंत्र, स्कूल प्रशासन के नम्बर, पुलिस, चाइल्डलाइन नंबर, सीसीटीवी कैमरा, फोन नम्बर, लेडी बस अटैंडेंट व कंडक्टर का होना, बसों में रुट चार्ट, सिटिंग कैपेसीटी से ज्यादा बच्चों का न होना आदि नियम शामिल हैं।

फरीदाबाद के सभी संस्थान लें पोश प्रशिक्षण : संगीता वर्धन

फरीदाबाद में बैठक लेती राज्य विध आयोग की सदस्य संगीता वर्धन।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर पोश एक्ट 2013 के सम्बन्ध में हरियाणा राज्य विधि आयोग की सदस्य संगीता वर्धन संगीता वर्धन ने बैठक ली। उन्होंने बताया कि पोश एक्ट के तहत देश में हर संस्था या कंपनी को 10 सदस्यों की एक कमेटी बनाने की बाध्यता है। यह कमेटी उस जगह या कंपनी में काम कर रहीं महिलाओं की शारीरिक और लैंगिक उत्पीड़न जैसी समस्याओं को सुनेगी। कमेटी के पास उतनी पावर होगी, जितनी सिविल कोर्ट के पास होती है। ये कमेटी विक्टिम का बयान ले सकती है, मामले से जुड़े सबूतों और गवाहों की जांच भी कर सकती है। कमेटी दोषी के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति कर सकती है।

राजकीय महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति करती छात्राएं।

सिधरावली में हुआ दो दिवसीय इनोवेशन कार्यक्रम

गुरुग्राम। राजकीय महाविद्यालय सिधरावली में आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन प्रोग्राम का बुधवार को समापन हुआ। 15 व 16 अक्टूबर को आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में राजकीय महिला महाविद्यालय रेवाड़ी, केएलपी कॉलेज, राजकीय महाविद्यालय मानेसर, राजकीय महाविद्यालय खरकड़ा व राजकीय महाविद्यालय पटौदी सहित करीब 35 अन्य कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति प्राचार्या डॉ. महाश्वेता यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्वस्थ प्रतियोगताएँ सर्वोच्च माध्यम हैं। प्राचार्य डॉक्टर पीके मलिक ने सभी का धन्यवाद किया।

नियमों की अवहेलना पर बल्क वेस्ट जनरेटर्स पर होगी सख्त कार्रवाई

● नगर निगम क्षेत्र की 50 से ज्यादा बीडब्ल्यूजी जनरेटर्स के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम मानेसर की ओर से बुधवार को बल्क वेस्ट जनरेटर्स (बीडब्ल्यूजी) के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान बीडब्ल्यूजी संस्थानों के प्रतिनिधियों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी गई। साथ ही कूड़ा का नियमानुसार निपटान न करने पर सख्ती कार्रवाई करने की बात कही।

मानेसर नगर निगम में बीडब्ल्यूजी संस्थानों के लिए कार्यशाला में मौजूद प्रतिनिधि।

बुधवार को आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार ने की। नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन विशेषज्ञ जेनिथ चौधरी ने सभी बीडब्ल्यूजी संस्थानों के प्रतिनिधियों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 के बारे में विस्तार से बताया। अतिरिक्त आयुक्त ने बीडब्ल्यूजी संस्थानों के प्रतिनिधियों से कहा कि सभी को अपने कूड़े का निपटान अपने स्तर पर करना चाहिए। नगर निगम ने बीडब्ल्यूजी के कार्य के लिए एजेंसी इंपेनल की हुई है। ऐसे संस्थान जो रोजाना 50 किलोग्राम से ज्यादा कूड़ा निकालते हैं, इन एजेंसियों का सहयोग ले सकते है। जेनिथ चौधरी ने बताया कि गीले और सूखे कूड़े को घर पर अलग-अलग करने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के कूड़े जैसे हार्टिकल्चर वेस्ट, रसोई का कूड़ा, बायोमेडिकल वेस्ट, विषैले रसायन और कांच, प्लास्टिक आदि के निपटान के लिए अलग अलग तरीके होते हैं। इसलिए सभी प्रकार के कूड़े को एक साथ मिलाकर नहीं डालना चाहिए। रसोई और हार्टिकल्चर वेस्ट को हम खाद बनाकर पुन: उपयोग में ला सकते हैं। बायोमेडिकल वेस्ट का इस प्रकार से निष्पादन करना चाहिए कि यह किसी अन्य को हानि न पहुंचा पाए।

मुनादी करके अतिक्रमण करने वालों को दी जा रही हिदायत

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ के दिशा-निर्देश में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शहर के सबसे प्राचीन व व्यस्त सदर बाजार को अतिक्रमण मुक्त स्वच्छ बाजार बनाने की दिशा में जमीनी स्तर पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके तहत एक ओर जहां लगातार बाजार में मुनादी की जा रही है। अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार ड्राइव भी चलाई जा रही हैं।

जोन-2 क्षेत्र के अतिरिक्त आयुक्त एवं चीफ टाऊन प्लानर सतीश पराशर ने बताया कि अतिक्रमण के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाते हुए निगम टीम अतिक्रमण करने वालों को मुनादी के माध्यम से हिदायतें दे रही है। मुनादी के माध्यम से बाजार के सभी दुकानदारों व व्यापारियों से कहा जा रहा है कि वे अपनी दुकानों के सामने सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण ना करें। यदि अतिक्रमण पाया जाता है, तो निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सामान को जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदर बाजार में प्रतिदिन खरीदारों की भीड़ रहती है। विशेषकर त्यौहारी सीजन में यह भीड़ कई गुणा बढ़ जाती है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं हेतु इन्दिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार, बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार तथा लाइफ-टाइम अचीवर्स अवार्ड दिए जाएंगे।

शहरों में बढ़ी रीढ़ की हड्डी की समस्या

गुरुग्राम। शहरों में बदले रहन सहन और तौर तरीकों से रीढ़ की हड्डी यानि स्पाइनल हेल्थ की समस्या बढ़ी है। यह दावा आर्टेमिस हॉस्पिटल्स के डॉ. एसके राजन, चीफ न्यूरो स्पाइन सर्जरी और एडिशनल डायरेक्टर न्यूरोसर्जरी ने किया। वर्ल्ड स्पाइन डे (16 अक्टूबर) के अवसर पर अस्पताल में सभी उम्र के लोगों के बीच यानी रीढ़ की हड्डी की सेहत के महत्व व जागरूकता के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस साल 'सपोर्ट योर स्पाइन' की थीम के साथ इस साल स्पाइनल मोबिलिटी को बढ़ावा देने फोकस किया गया। स्पाइनल हेल्थ के विभिन्न पहलुओं पर डॉ. हितेश गर्ग, हेड ऑर्थो स्पाइन सर्जरी और डॉ. संजय स्वरूप हेड ऑर्थोपेडिक्स (यूनिट-2) एवं चीफ पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन सर्जरी ने स्पाइन से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी दी।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का दिया संदेश

फरीदाबाद। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के चिकित्सा केंद्र द्वारा बीके अस्पताल, फरीदाबाद के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन बीके अस्पताल की क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. प्रीति यादव और मनोरोग नर्सिंग अधिकारी सुमंत्रा ने किया। इसके साथ मैट्रो अस्पताल के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉ. वंदना, फिजिशियन और डॉ. मंथन, हड्डी ने शिविर का संचालन किया। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 150 से अधिक विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया तथा लाभ उठाया।

पत्नी के अवैध संबंधों के शक में हुई थी किशोर की हत्या

गुरुग्राम। पत्नी के साथ अवैध संबंधों के शक में एक व्यक्ति द्वारा 15 साल के किशोर की हत्या करने के मामले को सुलझाकर पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझा दी है। आरोपी ने किशोर की हत्या करने से पहले उसे नशे के इंजेक्शन दिए थे, फिर उसे फंदा लगाकर हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार 26 सितंबर 2024 को थाना पटौदी में गांव खलीलपुर में तुषार नामक लड़के की हत्या हुई थी। हत्यारोपियों की पहचान अमित कुमार (28) निवासी गांव खलीलपुर, गुरुग्राम तथा तरुण उर्फ जोनी (29) निवासी गांव खलीलपुर के रूप में हुई।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 17 अक्टूबर, 2024

जीत की खुशी के बाद प्रदेश हित में करें काम : अमित शाह

● गृहमंत्री ने जीत का श्रेय सीएम नायब सैनी को देते हुए थपथपाई पीठ, नई सरकार की विकास योजनाओं का रोडमैप तैयार

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा में नई बनने वाली सरकार को नया टास्क देते हुए कहा है कि इस जीत की खुशी से बाहर निकलकर प्रदेश वासियों के लिए कुछ नया करने की जरूरत है। यह पांच साल का समय जीत का जश्न मनाने का नहीं बल्कि 2029 के चुनावों को फिर से कैसा जीता जाए इसकी रणनीति बनाने का है। हरियाणा से शुरू हुआ भाजपा का विजय रथ अब कहीं नहीं रूकेगा। अमित शाह बुधवार को पंचकूला में भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद प्रदेश भर के विधायकों को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कृष्णपाल गुर्जर, राव इंद्रजीत समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अमित शाह ने कहा कि इस जीत का हरियाणा के लिए विशेष महत्व है। वर्ष 1966 से लेकर आजतक किसी भी दल की तीसरी बार हरियाणा में सरकार नहीं बनी है। गृहमंत्री ने नायब सैनी की पीठ थपथपाते हुए कहा कि हरियाणा में आजतक ऐसा कोई मुख्यमंत्री नहीं आया है जिसने अपनी पार्टी को तीसरी बार जीत दिलवाई हो। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा ने जब अकेले चलने का फैसला किया तो हरियाणा में पहली बार अपने बल पर सरकार बनाई। करीब साढे नौ साल तक मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें केंद्र ने भी देशभर में लागू किया।

अमित शाह ने कहा कि सभी इस बात को लेकर एकमत थे कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार नहीं बनेगी। हरियाणा की जनता ने सभी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब हरियाणा के संगठन प्रभारी थे तब से वह यहां की समस्याओं से परिचित हैं। निकट भविष्य में हरियाणा में कई ऐसे कल्याणकारी फैसले लिए जाएंगे जिनका प्रदेश की जनता को लाभ मिलेगा।

शाह ने कहा कि नायब सैनी के नेतृत्व में चलने वाली सरकार का रोड मैप तैयार हो चुका है। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा में जातियों के आधार पर सरकार चलाने तथा जातियों व क्षेत्र के आधार पर विकास करने की प्रथा रही है। भाजपा की कार्यप्रणाली जाति के आधार पर विकास की कल्पना को खारिज करती है। भाजपा ने अपने दस वर्षों के कार्यकाल के दौरान इस प्रथा को खत्म किया है। ज्ञात रहे कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में जीतकर सरकार बना रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की मौजूदगी में भाजपा को समर्थन देते निर्दलीय विधायक।

तीन निर्दलीय विधायकों का भाजपा को लिखित समर्थन

चंडीगढ़। हरियाणा के तीन निर्दलीय विधायकों ने बुधवार को लिखित रूप से भाजपा को समर्थन दे दिया। तीनों विधायक भाजपा को समर्थन देने का पहले ही ऐलान कर चुके हैं। अब अधिकारिक रूप से विधानसभा में भाजपा समर्थित विधायकों की संख्या 51 हो गई है।

निर्दलीय विधायकों ने गृहमंत्री अमित शाह तथा भाजपा विधायक दल के नेता नायब सैनी की मौजूदगी में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को समर्थन पत्र सौंपा। इसमें हिसार से सावित्री जिंदल, बहादुरगढ़ से राजेश जून और गन्नौर से देवेंद्र कादियान शामिल हैं। चुनाव के बाद तीनों ही विधायकों ने दिल्ली में भाजपा को समर्थन दे दिया था। बुधवार को चंडीगढ़ में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को समर्थन पत्र सौंपने के बाद सावित्री जिंदल ने कहा कि उन्होंने हिसार के विकास के लिए भाजपा को समर्थन दिया है।

भाजपा चपरासी भी बनाएगी तो भी खुश : अनिल विज

● मैंने पार्टी से कभी कुछ नहीं मांगा, बहुत सम्मान मिला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा है कि वह पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। पार्टी अगर उन्हें गेट पर चपरासी भी लगाएगी तो भी वह खुश हैं। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें बहुत सम्मान दिया है।

अनिल विज ने विधानसभा चुनाव के दौरान अपने कार्यकर्ताओं से कहा था कि चुनाव जीतने के बाद उनकी अगली मुलाकात मुख्यमंत्री आवास में होगी। अनिल विज सार्वजनिक रूप से मीडिया के समाने भी यह दावा कर चुके हैं कि सातवीं बार विधायक बनने के बाद वरिष्ठता के नाते वह मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा पेश करेंगे। उन्हें मुख्यमंत्री बनाना या नहीं बनाना यह पार्टी हाईकमान का फैसला है। पिछले दो दिनों से हरियाणा की राजनीति में यह चर्चा जोरों पर थी कि अनिल विज के दावे के बाद किसी प्रकार की विपरीत परिस्थितियां पार्टी में पैदा न हो इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह चंडीगढ़ आ रहे हैं।

विधायक दल की बैठक के बाद राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे भाजपा शिष्टमंडल के साथ अनिल विज भी थे। मीडिया से बातचीत में विज ने कहा कि उन्हें पार्टी की तरफ से यह निर्देश जारी हुआ था कि वह नायब सैनी के नाम को सैकेंड करेंगे। विधायक चाहते थे कि नायब सैनी मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने हाईकमान के आदेशों का पालन करते हुए नायब सैनी के नाम को सैकेंड किया।

विज ने कहा कि वह जो भी हैं भाजपा की बदौलत हैं। पार्टी से ऊपर उनके लिए कुछ नहीं है। वह हमेशा ही पार्टी के प्रति निष्ठावान रहे हैं। पार्टी अगर चाहे तो उन्हें गेट पर चपरासी भी लगा सकती है। वह उस डयूटी को भी पूरी मेहनत व ईमानदारी के साथ निभाएंगे। मुख्यमंत्री बनने के संबंध में दिए गए बयान पर विज ने कहा कि कुछ लोगों ने उनके बारे में यह बात फैलाई थी कि वह मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। जिसके जवाब में उन्होंने कहा था कि वह सात बार के विधायक है पार्टी अगर उन्हें सीएम बनाती है तो कोई एतराज नहीं है।

शपथ ग्रहण से पहले 24 हजार युवाओं को मिलेगी नौकरियां

● नायाब सिंह सैनी ने कहा, प्रदेश वासियों की उम्मीदों पर खतरा उतरने के लिए रहूंगा प्रयासरत, विधायकों, प्रदेश वासियों के लिए हमेशा खुले रहेंगे दरवाजे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोनीत होने के बाद नायब सैनी ने सबसे पहला ऐलान किया है कि गुरुवार को शपथ ग्रहण से पहले प्रदेश के 24 हजार युवाओं को नौकरी दी जाएगी।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का परिणाम तैयार हो चुका है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नायब सैनी की यह पहली घोषणा थी। जिसका उन्होंने चुनाव के दौरान युवाओं के साथ वादा किया था।

नायब सैनी ने विधायक दल का नेता बनने के बाद विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता से किए सभी वादों को निभाएंगे। नायब सैनी का कहना है कि वह कल (17 अक्टूबर को) शपथ बाद में लेंगे, पहले वह 24 युवाओं की नौकरी का रिजल्ट जारी करवाएंगे।

सैनी ने कहा कि कुछ बच्चों के रिजल्ट कमीशन की तरफ से तैयार हो चुके थे। जैसे ही कमीशन उन्हें जारी करने लगा तो विपक्षी दल चुनाव आयोग के पास पहुंच गए। मामला हाईकोर्ट में चला गया और उस पर रोक लग गई।

सैनी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान ऐलान किया था कि सबसे पहले उन बच्चों को जॉइनिंग लेटर देंगे। आज हम इस बात पर कायम हैं कि 24 हजार बच्चों का परिणाम तैयार हो चुका है। कमीशन उसे कल शपथ से पहले जारी कर देगा।

नायब सैनी ने विधायक दल का नेता चुने जाने पर पार्टी हाईकमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह प्रदेश की जनता, पार्टी हाईकमान तथा विधायकों की उम्मीदों पर खतरा उतरने का प्रयास करेंगे। सैनी ने कहा कि प्रदेश की जनता तथा विधायकों के लिए सीएम आवास के दरवाजे कभी बंद नहीं होंगे। कोई भी विधायक, प्रदेश की जनता उनके साथ किसी भी समय आकर मुलाकात कर सकती है। सभी को साथ लेकर प्रदेश का विकास करना ही उनका एकमात्र उद्देश्य है।

विधायक दल का नेता चुने जाने पर सीएम नायब सिंह सैनी को मिठाई खिलाते हुए।

बाल प्रतियोगिताओं से बच्चों का मानसिक विकास : सुषमा गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र हरियाणा बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव डा. सुषमा गुप्ता ने कहा कि बाल प्रतियोगिताओं से बच्चों का मानसिक व बौद्धिक विकास होता है, साथ ही रचनात्मक प्रतियोगिताओं में अपना हुनर दिखाने का मौका भी मिलता है।

मानद महासचिव डा. सुषमा गुप्ता बुधवार को स्थानीय पंचायत भवन में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद जिला शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष में आयोजित जिला स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बच्चों को सम्बोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि हर बच्चे के अंदर प्रतिभा छिपी होती है बस उसे निखारने के लिए बाल भवन जैसे मंचों की आवश्यकता है, जो जिला बाल कल्याण परिषद बेखुबी निभा रही है।

उन्होंने कहा कि यहां पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जो प्रस्तुति दी गई है, वह बेहद ही सराहनीय है, जिसके लिए वह अध्यापकों को इसका श्रेय देते है।

प्रेरणा वृद्धाश्रम का युवा 'यूथ एंबेसडर इन टॉप यूनिवर्सिटीज ऑफ़ नॉर्थ इंडिया' बना

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

प्रेरणा वृद्धाश्रम परिवार की विभिन्न गतिविधियों से जुड़े एवं बुजुर्गों की सेवा करने वाले युवा अनिल को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने यूथ एम्बेसडर इन टॉप यूनिवर्सिटीज ऑफ़ नॉर्थ इंडिया बनाया है। ऐसे में प्रेरणा वृद्धाश्रम एवं प्रेरणा संस्था के सदस्यों में खुशी की लहर है। युवा अनिल के प्रेरणा में पहुंचने पर वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला और प्रेरणा संस्था की अध्यक्षा रेणु खुंगर ने युवा अनिल को शॉल और प्रेरणा का पटका पहनाकर सम्मानित किया। इसी के साथ वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों ने श्रीफल और माला के साथ एवं मैडल पहनाकर युवा अनिल का स्वागत और सम्मान किया। डा. जय भगवान सिंगला ने युवा अनिल कुमार को अपनी एक बहुमूल्य पुस्तक भी भेंट की। डा. सिंगला ने कहा कि इस बच्चे की मेहनत और ईमानदारी का फल उसे मिला है। यह बच्चा कठोर परिश्रमी है और प्रेरणा परिवार का लाडला बेटा है।

प्रेरणा वृद्धाश्रम में अनिल के पहुंचने पर स्वागत करते बुजुर्ग।

डीयू में नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के नार्थ कैंपस स्थित डीयू के स्टेडियम में इस्कॉन संस्था द्वारा एक दिवसीय मेगा युवा उत्सव 'उद्धार' का आयोजन आगामी 18 अक्टूबर को किया जा रहा है, इस युवा उत्सव की थीम 'युवा भारत व्यसन मुक्त' रखा गया है। इस कार्यक्रम में डीयू के कॉलेजों के साथ-साथ दिल्ली के अन्य विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ रहे छात्र-छात्राएं सहभागिता करेंगे।

18 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहे इस कार्यक्रम में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार, इस्कॉन के गौरांग दास, वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा, प्रसिद्ध शिक्षक अलख पांडेय तथा युवा पत्रकार शुभांकर मिश्र के साथ डीयू के विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी तथा कॉलेजों के प्राचार्य शामिल होगें।

इस पूरे कार्यक्रम में माधव रॉक बैंड की प्रस्तुति, इंडिया गॉट टैलेंट में शामिल रहे क्रेजी हॉपर्स की प्रस्तुति सहित विभिन्न गतिविधियां युवाओं को आकर्षित करने वाली होंगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच नशे के खिलाफ जागरूकता, युवाओं को सशक्त तथा भारतीय मूल्यों के अनुरूप आगे बढ़ने का संदेश देना है।

कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हैं। डीयू के नार्थ कैंपस सहित विभिन्न कॉलेजों में पंजीकरण द्वारा छात्र-छात्राओं को इस कार्यक्रम के बारे में बताया जा रहा है।

गीता विद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं का उद्घाटन

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भागवदगीता व माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड कुरुक्षेत्र में 5 स्मार्ट क्लासेस कमरों का उद्घाटन उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री विजय नड्डा, विद्यालय के अध्यक्ष मोहिंद्र पाल सिंगला, प्रबंधक वीरेंद्र वालिया, अशोक रोशा, अनिल मदान व प्रांत के पूर्णकालिक दायित्वान व पूर्व प्राचार्य अनिल कुलश्रेष्ठ के द्वारा किया गया।

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that, my clients Shamshad Ahmed S/o Late Sh. Makbool Ahmed, R/o C-1189 A, Sangam Vihar, New Delhi-110062 and Smt. Haseena Begam, W/o Sh. Shamshad Ahmed, R/o H. No. 1189/8, Block-C, Sangam Vihar, New Delhi-62, have disowned their Son Mr. Sofiyan Ahmed, S/o Sh. Shamshad Ahmed, R/o C-1189, Sangam Vihar, New Delhi-110062, from all their movable and immovable properties and have severed relations relationship/ties with him due to his disobedience. They have debarred him from inheriting his properties movable and immovable. My clients shall not be responsible for any of his acts, deeds and things. Henceforth they shall not be responsible for any of the acts and deeds of their above-named son and anyone dealing with him, in any manner, shall be doing so at his/her own responsibility/risk.

Lovedeep Raghav(Advocate)
Enroll. No. D/8497/2018

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER II, DEBTS RECOVERY TRIBUNAL II, DELHI
4TH FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING PARLIAMENT STREET,
NEW DELHI-110001
SALE PROCLAMATION R. C. No. 24/2016
ICICI BANK VS. LAEEQ AHMED

PROCLAMATION OF SALE UNDER RULE 52(2) OF SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS DUE TO BANK AND FINANCIAL INSTITUTIONS ACT, 1993

CD 1. Mr. LAEEQ AHMED R/o. 934, 3rd Floor Sargodha Appartments Sector-7, Plot No. 13, Dwarka New Delhi-110075 Also at:- Flat No. VS/A-1203 12th Floor, Professional's HUB 1/2 Vaibhav Khand, Indrapuram, Ghaziabad-201010
CD 2. Ms. Afsana R/o. 934, 3rd Floor Sargodha Appartments Sector-7, Plot No. 13, Dwarka New Delhi-110075
CD 3. HRC Engineers Estate Pvt Ltd. Corporate Office at:- 914, New Delhi House, Barakhamba Road, New Delhi-110001, Also at:- Registered Office at:- 902, New Delhi House Barakhamba Road, New Delhi-110001,
Also at:- Plot No. 2, Vaibhav Khand Indirapuram, Ghaziabad-201010, Uttar Pradesh.

Whereas as per Recovery Certificate No. 24/2016 drawn by the Presiding Officer, Debts Recovery Tribunal-II mentioning a sum of Rs.97,26,687/- (Rupees Ninety Seven Lacs Twenty Six Thousand Six Hundred Eighty Seven Only), CDs are jointly and/or severally liable to pay the amount of Rs.96,27,687/- (Rupees Ninety Six Lacs Twenty Seven Thousand Six Hundred Eighty Seven Only) alongwith future interest @13% p.a. from the date of filing of the OA i.e. 01.04.2015 until recovery with cost.
2. And whereas the undersigned has ordered the sale of property mentioned in the Schedule below in satisfaction of the said Recovery Certificate.
3. Notice is hereby given that in absence of any order of postponement, the said property shall be sold by e-auction and bidding shall take place through "Online Electronic Bidding" through the website hwww.bankeauctions.com on 21.11.2024 between 03 p.m. to 04:00 PM with extensions of 5 minutes duration after 12 noon, if required.
4. The sale shall be of the property of the CD(s) above-named as mentioned in the schedule below and the liabilities and claims attaching to the said property, so far as they have been ascertained, are those specified in the schedule against each lot.
5. The property shall be put up for the sale as specified in the schedule. If the amount to be realized by sale is satisfied by the sale of a portion of the property, the sale shall be immediately stopped with respect to the remainder. The sale will also be stopped if, before auction is knocked down, the arrears mentioned in the said certificate, interest costs (including cost of the sale) are tendered to the officer conducting the sale or proof is given to his satisfaction that the amount of such certificate, interest and costs have been paid to the undersigned.
6. No officer or other person, having any duty to perform in connection with sale, however, either directly or indirectly bid for, acquire or attempt to acquire any interest in the property sold.
7. The sale shall be subject to the conditions prescribed in the Second Schedule to the Income Tax Act, 1961 and the rules made thereunder and to the following further conditions:-
7.1. The particulars specified in the annexed schedule have been stated to the best of the information of the undersigned, but the undersigned shall not be answerable for any error, mis-statement or omission in this proclamation.
7.2. The reserve price below which the properties shall not be sold and the Earnest Money Deposit (EMD) are as under:-

Description of Property	Reserve Price (in Rs.)	Earnest Money Deposit (EMD) (in Rs.)
Flat No. VS/A-1203, 12th Floor, Professional Hub, 1/2 Vaibhav Khand, Indirapuram, Ghaziabad- 201010.	Rs. 57,20,000/-	Rs. 5,72,000/-

7.3 The interested bidders, who have submitted their bids not below the reserve price, alongwith documents including PAN Card, identity proof, address proof, etc., and in the case of company, copy of resolution passed by the board members of the company or any other document confirming representation/attorney of the company also, latest by 19.11.2024 before 4.00 PM in the Office of the Recovery Officer-II, DRT-II, Delhi, shall be eligible to participate in the e-auction to be held from 03.00 PM to 04.00 PM on 21.11.2024. In case bid is placed in the last 5 minutes of the closing time of the auction, the closing time will automatically get extended for 5 minutes.
7.4 The bidder(s) shall improve their offer in multiples of Rs.1,00,000/- (Rupees One Lacs Only).
7.5 The unsuccessful bidder shall take the EMD directly from the Office of Recovery Officer-II, DRT-II, Delhi immediately on closure of the e-auction sale proceedings.
7.6 The Successful highest bidder shall have to prepare Demand Draft/Pay Order for 25% of the bid/sale amount, after adjusting the EMD, favoring Recovery Officer-II, DRT-II, Delhi, A/c R.C. No. 24/2016 by next bank working day i.e. by 04.00 PM with this Tribunal, failing which the EMD shall be forfeited.
7.7 The successful/highest bidder shall deposit, through Demand Draft/Pay Order favoring Recovery Officer-II, DRT-II, Delhi, A/c R.C. No. 24/2016, the balance 75% of the sale proceeds before the Recovery Officer-II, DRT-II, Delhi on or before 15th day from the date of auction of the property, exclusive of such day, or if the 15th day be Sunday or other holiday, then on the first office day after the 15th day alongwith the poundage fee @ 2% upto Rs.1,000 and @ 1% on the excess of such gross amount over Rs. 1000/- in favour of Registrar, DRT-II Delhi. (In case of deposit of balance amount of 75% through post the same should reach the Recovery Officer as above).
7.8 In case of default of payment within the prescribed period, the property shall be re-sold, after the issue of fresh proclamation of sale. The deposit, after defraying the expenses of the sale, may, if the undersigned thinks fit, be forfeited to the Government and the defaulting purchaser shall forfeit all claims to the property or to any part of the sum for which it may subsequently be sold.
8. The property is being sold on "AS IS WHERE IS BASIS" and "AS IS WHAT IS BASIS".
9. The undersigned reserves the right to accept or reject any or all bids if found unreasonable or postpone the auction at any time without assigning any reason.

SCHEDULE OF PROPERTY

Description of the property to be sold	Revenue assessed upon the property or any part thereof	Details of any encumbrance to which property is liable	Claims, if any, which have been put forward to the property, and any other known particulars bearing on its nature and value.
Flat No. VS/A-1203, 12th Floor, Professional Hub, 1/2 Vaibhav Khand, Indirapuram, Ghaziabad- 201010.	Not known	Not known	Not known

Given under my hand and seal on 18.09.2024.
(Dattatrey Bajpayee)
Recovery Officer-II,
DRT-II, Delhi

कृषि भूमि दिलाने के नाम पर महिला से 15 लाख रुपये ठगे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर के गांव भटजन निवासी महिला से कृषि भूमि दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए ठग लिए गए। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

गांव भटजन निवासी सरोज देवी ने बताया कि मेरे पति पुष्कर ने अपनी जमीन बेची थी। इसी बीच गांव निवासी दो युवक आए और कहने लगे की सस्ती जमीन मिल रही है, उसे ले लो। 15 लाख रुपए में सौदा तय हो गया। इसके बाद सरोज ने चेक के माध्यम से पैसे दे दिए और बैनामा भी हो गया। जब दाखिल खारिज कराने के लिए आवेदन किया तो खारिज हो गया।

पीड़िता ने भोजपुर थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने सुनीपाल, सुनील, राहुल निवासी गांव भटजन, रुस्तम निवासी गांव मछरी के अलावा जिला को ऑपरेटिव बैंक का प्रबंधक व पैनल अधिवक्ता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की।

नोएडा में जालसाज को बैंक खाते देने वाला आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह के जालसाज के बैंक खाते मुहैया कराने वाले को साइबर क्राइम थाने की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कानपुर के दिलीप कुमार के रूप में हुई है।

बीते दिनों एक व्यक्ति के साथ हुई ठगी में दिलीप के बैंक खातों का इस्तेमाल हुआ था। जब वह किसी काम से नोएडा आया था। तभी मुखबिर से मिली सूचना पर उसे दबोच लिया गया।

एडिशनल डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि बीते 11 जून को एक व्यक्ति ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी थी कि मुंबई एनसीबी का अधिकारी बताकर एक व्यक्ति ने उसके मोबाइल पर कॉल की और विदेश भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य सामान होने की जानकारी दी। कथित अधिकारियों ने शिकायतकर्ता को मनी लॉड्रिंग केस में जेल जाने का डर भी दिखाया था।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री पवन कुमार सोनी बिना छत के अधिकार वाली संपूर्ण दूसरी मंजिल "उक्त मंजिलों" के मालिक हैं, जो खसरा नंबर 77, 80 और AMP; 81, 84, में से 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली संपत्ति संख्या एफ--5 पर बनी है। गली नंबर 29, ग्राम सराय पीपल थाला, कॉलोनी जिसे महिंद्रा पार्क, दिल्ली के नाम से जाना जाता है, में स्थित है। नोटरीकृत GPA, ATS और दिनांक 06.06.2011 की वसीयत के आधार पर, श्रीमती नज़मा द्वारा निष्पादित है, और उसी संपत्ति को इच्छुक उधारकर्ता यानी श्री अरविंद कुमार को बेचा जाना है, जिसे एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। राहुल राज पाठक,अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड ग्लाज, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

PUBLIC NOTICE

To be known to all, **TAJINDER PAL SINGH S/o LATE SH.PRITAM SINGH R/o GH-4/345, PASCHIM VIHAR, NEW DELHI-110063 one of the Mutatee/Owner of DDA SFS FLAT NO.345, GROUND FLOOR,CAT-II,POCKET-GH-4(G-17 AREA),PASCHIM PURI(MEERA APARTMENT, PASCHIM VIHAR),NEW DELHI-110063**,has applied for certified copies & freehold in DDA. The original documents i.e. ALLOCATION LETTER, DEMAND-CUM-ALLOTMENT LETTER, POSSESSION LETTER, NOC FOR WATER AND ELECTRICITY CONNECTION &OTHER DOCUMENTS of the above said flat has been lost. An LR NO. 2204415/2024 dated 15/10/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi.Any person(s) claiming any right, interest,having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No.9355829400 within 15days from the date of publication of this notice. The person claiming any right,interest,objection with respect to this property can personally inform or write to **Deputy Director (LAB-Housing)-SFS or Director (LAB-Housing)-SFS, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, New Delhi-110023.**

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mr. Mursheed Alam had acquired Plot bearing No. 16/23, area measuring 20 sq. yrds., out of Khasra No. 57, situated at Village Babarpur in the abadi of Kabir Nagar, Shahdara Delhi vide Regd. GPA Dt. 01.06.2004 executed by Mr. Saleem Ahmed, Now Mr. Mursheed Alam is the undisputed owner of the said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Kamlesh Jain who is the owner of Entire First Floor without roof and terrace rights area measuring 179 sq. yards (Said Portion) part of property No.B-63, area measuring 336.2 sq. yards, situated in the layout plan of Jhilmil Tahirpur Residential Scheme, now known as Vivek Vihar, Phase I, Illaqa Shahdara, Delhi - 110095. Vide Sale Deed dated 14/6/2018 executed by Mr. Sanjeev Jindal and Mrs. Sunita Jindal in favour of Mrs. Kamlesh Jain in respect of the Said Portion of the said property as Document No.5132, in Addl. Book No.1, Volume No.1512, on pages 115-126. That (1)Original Sale Deed dated 11/11/2005 executed by Mrs. Sneh Mittal in favour of Mr. Mukit Abbasi in respect of the Said Portion of the said property as Document No.13971, in Addl. Book No.1, Volume No.2042, on pages 153-161 and (2) Sale Deed dated 30/4/2010 executed by Mr. Mukit Abbasi in favour of Mrs. Mamta in respect of the Said Portion of the said property. As Document No.7364, in Addl. Book No.1, Volume No.4593, on pages 75-82 were lost on 20/09/2024 duly reported to police as per police complaint dated 16/10/2024 in the police station Crime Branch, Delhi bearing LR No: 2207206/2024. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

PRAGYABHUSHAN (ADVOCATE) Enrl. No. D/721/02
L-27, GF, Kailash Colony, New Delhi-48 9968006418

पाइप फैक्ट्री में मजदूर का शव रखकर हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में मोदीनगर भोजपुर के गांव दतैड़ी स्थित पाइप की फैक्ट्री में हुई मजदूर प्रदीप की मौत हो गई थी। परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव को फैक्ट्री में रखकर हंगामा किया। इस बीच संचालक फैक्ट्री छो?कर फरार हो गया। दो घंटे तक हंगामा प्रदर्शन चलता रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देकर आक्रोशित परिजनों को शांत कराया।

जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ छावनी स्थित नई बस्ती कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार (36) पुत्र चमनलाल भोजपुर के गांव दतैड़ी गांव स्थित गाजियाबाद के पटेल नगर निवासी राजेश अग्रवाल की सीमेंट के पाइप बनाने की फैक्ट्री प्रकाश पाइप में मजदूरी करते थे। भाई रोहित ने बताया कि प्रदीप करीब 15 वर्ष से मजदूरी कर रहे थे।

प्रदीप सोमवार दोपहर क्रेन के माध्यम से पाइप एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा रहे थे। तभी क्रेन की चेन टूटने के कारण प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उन्हें उपचार के लिए गाजियाबाद स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर फैक्ट्री पहुंच गए और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। आक्रोशित लोगों ने फैक्ट्री संचालक के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। संचालक वहां से फरार हो गया और मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर दिया। इससे परिजनों का गुस्सा और बढ़ गया। वे धरना देकर बैठ गए। करीब दो घंटे तक हंगामा चलता रहा।

मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। लोगों ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानक पूरे नहीं थे, अगर सुरक्षा मानक पूरे होते तो हादसा नहीं होता। एसीपी मोदीनगर मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने की आत्महत्या पांच की संदिग्ध मौत

नोएडा। खोड़ा कॉलोनी में रहने वाली एक युवती सुबा ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में सेक्टर 124 में संजय सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में मुकेश महतो की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। वहीं थाना फेस- 2 क्षेत्र में रहने वाले बाबूलाल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना फेस- वन के सेक्टर 15 नयाबांस गांव में रहने वाले कुर्ब हलधर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sandeep Rana S/o Sh. Piar Chand Rana, R/o Tower SUN-7, Flat No. 1602, Floor-16th, Migsun Ultimo, Plot GH-03, Sector-Omicron-3, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, 201310, U.P. declare that in my school & college record my name is Sandeep Kumar. I changed my name from Sandeep Kumar to Sandeep Rana for all future purposes.

PD(859)C

भारत-कनाडा संबंध

तनाव में वृद्धि

भारत और कनाडा के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंध और खराब हो गए हैं। नई दिल्ली ने 'निज्जर मामले' में भारतीय संलिप्तता के कनाडाई दावों को खारिज कर दिया है और इसे राजनीति-प्रेरित बताया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निकाल दिया है। ओटावा द्वारा भारतीय राजनयिकों के 'लक्षित' निष्कासन के बाद नई दिल्ली ने कार्यकारी उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर समेत कनाडा के 6 राजनयिकों को निकाल दिया है। कथित रूप से भारतीय राजनयिक 'कनाडा में हिंसक आपराधिक गतिविधि' में शामिल थे। त्रूदो द्वारा ब्रिटिश कोलम्बिया में 2023 में निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजेंटों की संलिप्तता के आरोपों के बाद संबंध खराब हो गए थे। एक प्रेस सम्मेलन में त्रूदो ने 6 भारतीय राजनयिकों के कनाडा की धरती से निष्कासन की घोषणा की क्योंकि वे कथित रूप से कनाडाई नागरिकों के खिलाफ 'लक्षित अभियान' में शामिल थे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया करते हुए इसका खंडन किया तथा आरोपों को 'पूर्वाग्रही समझ' बता दिया। विदेश मंत्रालय ने भारतीय राजनयिकों के निष्कासन के कनाडा के निर्णय की आलोचना की है। उसने इसे राजनीति-प्रेरित बताते हुए त्रूदो सरकार की घरेलू चुनौतियों से जोड़ा है। भारत ने अपनी ओर से 6 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करते हुए उनको 19 अक्टूबर, 2024 तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। इसके साथ ही उसने कनाडा से अपने उच्चायुक्त को वापस बुला लिया है।

इस टकराव का मुख्य कारण 'सिख अलगाववाद' तथा कनाडा के 'खालिस्तान आंदोलन' से संबंध हैं। प्रमुख खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर एक कनाडाई नागरिक था जिसने लंबे समय से स्वतंत्र सिख राज्य की पैरोकारी की थी। 2023 में उसकी हत्या एक विवादास्पद मुद्दा है जिसमें कनाडाई अधिकारियों ने भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का संदेह किया था। हालांकि, भारत ने इस हत्या में किसी भूमिका से इनकार किया है और कनाडा पर आरोप लगाया है कि वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले अतिवादी तत्वों को सुरक्षित स्वर्ग उपलब्ध करा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दो मित्र देशों ने एक दूसरे से राजनयिक संबंध तोड़ लिए हैं। हालिया कार्रवाइयों के पीछे जस्टिन त्रूदो की चुनावी मजबूरियां हो सकती हैं क्योंकि चुनाव में अब केवल एक साल बचा है। सिख अलगाववादियों व खासकर खालिस्तान के पैरोकारों को जस्टिन त्रूदो का समर्थन एक जटिल घरेलू राजनीतिक मजबूरी तथा कनाडा की बहुसांस्कृतिक नीतियों के चलते है। त्रूदो की लिबरल पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से हमेशा अनिवासी सिखों का समर्थन पाने का प्रयास किया है जो काफी बड़ा और सक्रिय समुदाय है। इसमें सिख अधिकारों और कुछ मामलों में खालिस्तान की पैरवी करने वाला एक तबका भी शामिल है। कुछ खालिस्तान समर्थकों समेत सिख समुदाय के नेताओं से संबंध रखने वाले त्रूदो मजबूत सिख उपस्थिति वाले क्षेत्रों में वोट पाना चाहते हैं। इस गतिरोध से अनेक क्षेत्र प्रभावित होंगे जिससे दोनों देशों के लोगों को नुकसान होगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार वार्तायें, आप्रवास नीतियां तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान प्रभावित हो सकते हैं। राजनयिकों का निष्कासन तथा राजदूत को वापस बुलाना केवल राजनयिक प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, सुरक्षा तथा घरेलू मामलों में विदेशी सरकारों की भूमिका से भी जुड़ा है। वर्तमान समय में दोनों देशों के अपने-अपने दृष्टिकोण से पीछे हटने के कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में भारत और कनाडा के बीच सुलह-समझौते तथा संबंधों को पहले की स्थिति में लाने का रास्ता चुनौतियों से भरा है।

कनाडा चुनाव में आप्रवास मुद्दा

कनाडा वर्तमान समय में विदेशी आप्रवासियों, वेतनों में गतिरोध, तनावपूर्ण सेवाओं तथा आवासीय संकट जैसी समस्याओं से निपट रहा है। आप्रवास अगले वर्ष होने वाले चुनाव में मुख्य मुद्दा बना हुआ है।

अमल चंद्र, अजय पी. करुवल्ली
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

कनाडा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय छात्र परमिटों में कटौती की है तथा 'वर्क परमिटों' की योग्यता को कठोर बनाया है। इस प्रकार वह अस्थाई निवासियों की संख्या घटाना चाहता है। अक्टूबर, 2025 में होने वाले संघीय चुनावों में कनाडाई राजनीति में आप्रवासी मुद्दा सर्वाधिक विवादास्पद बना हुआ है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आप्रवास हमारी अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक है, पर जब बुरे लोग व्यवस्था का दुरुपयोग करते हैं तथा छात्रों के नाम का लाभ उठाते हैं तो हम कार्रवाई करते हैं।' लेकिन चीजें काफी जटिल हैं। कनाडा की जनसंख्या संरचना अपने आप में विशिष्ट है जहां रिकार्ड कम जन्म दर के बावजूद जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। 2023 से 2024 के बीच कनाडा की जनसंख्या में 3.2 प्रतिशत वृद्धि हुई और इस प्रकार उसने कुछ अफ्रीकी देशों को भी पीछे छोड़ दिया जो अपनी उच्च जनसंख्या वृद्धि के लिए जाने जाते हैं।

जनसंख्या में तेज वृद्धि के बावजूद कुल प्रजनन दर-टीएफआर 2022 में प्रति महिला 1.33 थी जो कनाडा के इतिहास में सबसे कम है। बहुत कम टीएफआर के बावजूद कनाडा की जनसंख्या वृद्धि आप्रवासियों की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है। 2023 में कनाडाई जनसंख्या में 97.6 प्रतिशत वृद्धि आप्रवासियों के कारण थी। आप्रवासियों पर निर्भरता देश की बुढ़ाती जनसंख्या से निपटने की दीर्घकालीन रणनीति है। जहां कोविड-19 के कारण 2021 में जनसंख्या वृद्धि केवल 0.4 प्रतिशत रही, वहीं आप्रवास तेजी से बढ़ा और इसने जनसंख्या वृद्धि में कमी की भरपाई कर दी।

कनाडा के आप्रवासियों में भारत का बड़ा हिस्सा है जो 2023 में सभी आप्रवासियों का 10.8 प्रतिशत था। देश में आने वाले सभी आप्रवासियों में भारतीयों का प्रतिशत 1991 ओर 2000 के बीच 9.6 प्रतिशत था जो 2016-2021 के बीच 18.6 प्रतिशत हो गया। 2022 से 2026 के बीच के अनुमानों के अनुसार इस प्रवृत्ति में और बढ़ोत्तरी की आशा है। कनाडा में आप्रवास व्यवस्था के चार मुख्य कार्यक्रम-आर्थिक, परिवार, शरणार्थी तथा अस्थाई काम हैं। इनमें से पहले तीन का परिणाम स्थाई नागरिकता होती है, जबकि अस्थाई कामगार खास रास्तों पर कोटा तथा स्थाई आवास के माध्यम से चलते हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए 'पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिट'-पीजीडब्लूपी है। यह उन छात्रों को जारी किया जाता है जो कनाडाई संस्थानों में डिप्लोमा या डिग्री पूरी करते हैं। इस परमिट से उनको स्थाई आवास कार्यक्रमों के लिए योग्यता मिल जाती है। हालांकि, सभी आप्रवास कार्यक्रम बढ़े हैं, पर 2006 की तुलना में 2023 में अंतरराष्ट्रीय छात्र परमिटों में उल्लेखनीय रूप से 127 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

2015 के एक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि पहला अध्ययन परमिट प्राप्त करने के बाद 20 से 27 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्र स्थाई आवास प्रमाण 10 साल में प्राप्त कर लेते हैं। हालिया वर्षों में इस दर में और वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि कनाडा छात्र आप्रवास मार्ग से दीर्घकालीन आवास का लक्ष्य बनता जा रहा है। सवाल है कि यह आर्थिक वृद्धि का कारण है या केवल भ्रमित करने वाला है? आप्रवासियों और उनकी आर्थिक गतिविधियों ने कनाडा की जीडीपी वृद्धि में 2000 से 2023 के बीच औसतन 1.8 प्रतिशत का योगदान किया है, लेकिन जनसंख्या वृद्धि अनेक आर्थिक चुनौतियों का कारण भी है। 2000 से 2023 के इसी कालखंड में प्रति व्यक्ति जीडीपी में वृद्धि केवल 0.7 प्रतिशत थी जो जी7 देशों में सबसे कम थी। कनाडा की अर्थव्यवस्था तथा इसकी जनसंख्या के जीवनशैली मानक पिछले दशक में लगभग ठहर गए हैं। जहां आप्रवासी आर्थिक वृद्धि में योगदान करते हैं, वहीं प्रति व्यक्ति दर घट रही है। अनेक नए आप्रवासी राष्ट्रीय औसत से कम कमाते हैं और इस बात में संदेह है कि वे पिछली पीढ़ी के आप्रवासियों की तरह आर्थिक प्रगति कर सकेंगे क्योंकि उनमें से अधिकांश अस्थाई निवासी हैं।

इस प्रकार कनाडा सरकार आप्रवासियों मुद्दे पर एक प्रकार से जुआ खेल रही है। अर्थव्यवस्था में ठहराव तथा खराब वृद्धि दर से मुकाबला करने के लिए कनाडा के नीति निर्माताओं ने आप्रवास का रास्ता अपनाया है। बड़ी संख्या में स्थाई और अस्थाई निवासियों की संख्या के कारण कनाडा ने अल्पकालीन वृद्धि को प्राथमिकता दी है। उसे उम्मीद है कि इससे टिकाऊ दीर्घकालीन वृद्धि रणनीति बनेगी क्योंकि हाल ही में आए आप्रवासी आर्थिक प्रगति करेंगे। हालांकि, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि यह नीति काम नहीं कर रही है, पर आप्रवासियों के बारे में कनाडाई जनता की राय पहले के किसी समय की तुलना में बहुत खराब है। अनेक कनाडावासियों को लगता है कि आप्रवासियों के तेजी से आने के कारण आवासों की कमी हुई है, साामजिक सेवाओं पर दबाव बढ़ा है तथा खासकर स्वास्थ्य सेवायें व आपातकालीन सेवायें खराब हुई हैं।

आप्रवास से उम्मीद करने के बावजूद सरकार ढांचागत संरचना में समानान्तर रूप से ज्यादा निवेश करने में सफल नहीं हुई है जो आप्रवासियों और वर्तमान जनसंख्या, दोनों की सेवा कर सके। कनाडा में वेतनों को मुद्रास्फीति के मुकाबले बनाए रखने के लिए संघर्ष जारी है। इससे मूल कनाडावासियों में चिन्ता है कि आप्रवासियों के कारण वेतन घट रहे हैं। हालांकि, प्रमाणों के अनुसार देशी कामगारों के वेतन पर आप्रवासियों का प्रभाव बिल्कुल नहीं या बहुत कम है, पर इस दृष्टिकोण के कारण आप्रवास-विरोधी भावनायें तेजी से भड़क रही हैं। लेकिन निगमों ने अस्थाई कामगारों को काम पर रख कर काफी लाभ कमाया है जिसमें खतरनाक कामों के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों को काम देना शामिल है। व्यवस्था में स्थाई आवास पाने की उम्मीद से वे खराब कार्यस्थितियों में भी काम करते रहते हैं। निगमों के लिए यह सस्ते श्रम का स्रोत है। संयोग से इन कम वेतन वाले कामों में लगे रहने का अर्थ यह भी होता है कि आप्रवासियों की सामाजिक स्थिति बेहतर नहीं हो सकती है, जबकि सरकार को इसकी उम्मीद है।

सरकार की आप्रवास नीति के प्रति जनता में निराशा और गुस्सा पैदा हो रहा है। यह निराशा लगातार आप्रवासियों के प्रति बढ़ते विरोध से स्पष्ट होती है। हालिया वर्षों में जनता की भावनाओं में व्यापक परिवर्तन आया है। ज्यादा से ज्यादा कनाडाई अंतरराष्ट्रीय छात्रों व अन्य प्रवासियों के प्रति नकारात्मक भावनायें प्रदर्शित कर रहे हैं। हालांकि, जनता की भावनाओं का विश्लेषण करना और उसे सिद्ध करना आसान नहीं हे, पर रेडिट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को 'मशीन लर्निंग माडलों' से व्याख्यायित किया जा सकता है।

हमने कनाडा में 'अंतरराष्ट्रीय छात्रों' संबंधी सभी टिप्पणियों का 2010 से 2022 तक विश्लेषण किया। हालांकि, यह किसी प्रकार पूरे कनाडाई समाज को अभिव्यक्त नहीं करते हैं, पर इससे आप्रवास के बारे में कनाडाई मध्यमार्गियों के विचार समझे जा सकते हैं। 2015 तक अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बारे में बहुत कम चर्चा होती थी या नकारात्मक भावनायें व्यक्त की जाती थीं, पर इसके बाद नकारात्मक टिप्पणियों की संख्या में बहुत तेजी आई है। इस प्रवृत्ति में 2020 के बाद बहुत तेजी आई है जिससे संकेत मिलता है कि हालिया वर्षों में आप्रवासियों के प्रति नकारात्मक भावनायें बढ़ रही हैं। इसके साथ ही 2017 के बाद से उनके बारे में की जाने वाली सकारात्मक टिप्पणियां ठहर गई हैं। हालांकि, सकारात्मक भावनायें अभी बनी हुई हैं, पर सार्वजनिक विमर्श में नकारात्मक भावनायें हावी हुई हैं।

'फूड बैंक' प्रयोग, सांस्कृतिक गलतफहमी तथा आर्थिक संघर्षों के कारण आप्रवासियों व मूल निवासियों के बीच तनाव बढ़ा है। कनाडा की आप्रवास व्यवस्था में एक रणनीतिक दृष्टिकोण का अभाव है जिसके कारण आप्रवासियों या कनाडाई नागरिकों को लाभ नहीं होता है। बिना सार्थक सुधारों के केवल निगम सस्ते श्रम का लाभ उठा रहे हैं, जबकि दीर्घकालीन लाभ की आशा नहीं है। इससे सामाजिक तनाव तथा आर्थिक ठहराव बढ़ता रहेगा। कनाडा की आप्रवास नीति का भविष्य सरकार और उसके नागरिकों की क्षमता पर निर्भर है कि वे वर्तमान चुनौतियों का कैसे सामना करते हैं तथा सभी निवासियों को लाभ पहुंचाने वाला भावी मार्ग कैसे निर्धारित करते हैं।

ब्रिटिश उपनिवेशवाद की विभाजनकारी विरासत

शिव प्रकाश
(लेखक, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हैं)

भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद की विरासत एक विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है, जिसके दूरगामी परिणाम देश के सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करते हैं। समकालीन संदर्भ में, इसे विपक्षी दलों, विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा राजनीति के अभ्यास में देखा जा सकता है। औपनिवेशिक युग ने रणनीतिक रूप से भारत की अंतर्निहित सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताओं का शोषण किया, जिससे ऐसी दरारें पैदा हुईं जो आज भी बनी हुई हैं। ब्रिटिश साम्राज्य के हितों की सेवा करने के लिए तैयार किए गए ये विभाजन भारत के सामाजिक परिदृश्य में जड़ जमा चुके हैं, जो राष्ट्रीय एकता के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। 1857 के बाद, ब्रिटिश अधिकारियों, विद्वानों और मिशनरियों ने दलितों, आदिवासियों और मुसलमानों को हिंदू समुदाय से अलग करने के लिए सहयोग किया। इस एजेंडे ने विद्वानों और मिशनरियों को धर्मांतरण और सामाजिक हेरफेर के माध्यम से दलितों और आदिवासियों को अलग करने के लिए प्रेरित किया, जैसा कि अरुण शौरी के मौलिक कार्य, भारत में मिशनरी में विस्तार से बताया गया है। कृत्रिम भेद पैदा करके और सामाजिक संघर्ष को बढ़ावा देकर, अंग्रेजों ने सफलतापूर्वक गठबंधन और विभाजन को बढ़ावा दिया जो स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक कायम रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कांग्रेस के अपने संस्थापक सिद्धांतों से अलग होकर वामपंथी विचारधाराओं को अपनाने पर प्रकाश डाला।

मोदी ने स्वदेशी, स्वावलंबन और पंचायत राज जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के मूल रुख और महात्मा गांधी के धर्मांतरण और गोहत्या के विरोध का हवाला दिया। 1920 के बाद गांधी द्वारा अस्पृश्यता, जातिवाद, शराबखोरी और महिलाओं के उत्पीड़न को खत्म करने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने पर जोर देने से विभाजनकारी बयानबाजी को बढ़ावा मिला है। कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व, जिसका उदाहरण राहुल गांधी हैं, इन आदर्शों से भटक गया है। गांधी की हालिया अमेरिकी यात्रा ने विवाद को जन्म दिया, क्योंकि उन्होंने दावा किया कि बिना किसी सबूत के सिख भारत में पहचान के संकट का सामना कर रहे हैं। उनकी टिप्पणियों ने खालिस्तानी समर्थकों के बीच अलगाववादी भावनाओं को हवा दी, जो ब्रिटिश उपनिवेशवादियों द्वारा अपनाई गई रणनीति की प्रतिध्वनि थी। इस बीच, सिख समुदायों में, मैक्स आर्थर मैकॉलिफ़ ने अलगाव के बीज बोए, जैसा कि खुशवंत सिंह के सिख गुरु, पवित्र लेखन और लेखक में विस्तार से बताया गया है। इन विदेशी हस्तक्षेपों ने अपनी फूट डालो और राज करो की नीति को क्रियान्वित करने के लिए तर्क गढ़े, साहित्य को विकृत किया और गलत सूचना फैलाई।

गांधी का रुख ब्रिटिश काल की अवधारणा से मेल खाता है कि भारत एक राष्ट्र नहीं बल्कि राज्यों का संघ है। यह प्राचीन भारतीय लोकाचार का खंडन करता है, जो भारत की राष्ट्रीयता की पुष्टि करता है। वेदों में कहा गया है, वयं राष्ट्र जागृयाम पुराहित: (हम राष्ट्र के संरक्षक हैं)। यहां तक कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अपनी अस्थियों को गंगा में विसर्जित करने की इच्छा भी भारत माता के प्रति उनकी भक्ति को दर्शाती है। अंग्रेजों ने इन विभाजनों का फायदा उठाया, मुस्लिम लीग द्वारा संचालित प्रत्यक्ष कार्रवाई में स्थायी दोष रेखाओं को पोषित किया, जिसके परिणामस्वरूप अकेले कलकत्ता में 16,000 हिंदुओं का क्रूर नरसंहार हुआ।

जयपाल सिंह मुंडा और जोगेंद्र नाथ मंडल जैसे उल्लेखनीय व्यक्ति अंतत: मुस्लिम लीग से अलग हो गए, क्योंकि उन्होंने इसके भयावह इरादों को पहचाना। मंडल ने पाकिस्तान सरकार से इस्तीफा दे दिया और दलितों और आदिवासियों द्वारा सामना किए जा रहे अत्याचारों को उजागर करते हुए भारत लौट आए।

आज भारत को इस इतिहास को पहचानना और उससे सीखना चाहिए, ब्रिटिश उपनिवेशवाद द्वारा बनाए गए कृत्रिम विभाजन को स्वीकार करना चाहिए और राजनीतिक लाभ के लिए इन दरारों का फायदा उठाने की कोशिश करने वाली समकालीन ताकतों द्वारा अपनाई गई इसी तरह की रणनीति से सावधान रहना चाहिए। नागरिकों और राजनीतिक दलों को सतर्क रहना चाहिए और सांप्रदायिक हितों पर राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

1946 के झारखंड, छोटा नागपुर पाकिस्तान सम्मेलन और जोगेंद्र नाथ मंडल के मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन ने इस रणनीति का उदाहरण दिया। ब्रिटिश अधिकारियों ने दलितों और आदिवासियों के बीच भय को बढ़ावा दिया, यह दावा करते हुए कि हिंदू राज उन पर अत्याचार करेगा। इस हेरफेर ने भारत के विविध समुदायों के ऐतिहासिक सामाजिक सामंजस्य और साझा संघर्षों को नजरअंदाज कर दिया।

एकीकृत भारत के लिए महात्मा गांधी का दृष्टिकोण कुछ समकालीन राजनेताओं के विभाजनकारी एजेंडे से बिल्कुल अलग है, जो ब्रिटिश युग की दरारों को फिर से जीवित करना चाहते हैं। सामाजिक बुराइयों को मिटाने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने पर गांधी के जोर ने पहचान की राजनीति और वोट बैंक के हेरफेर को रास्ता दिया है।

भारत का लोकतांत्रिक ताना-बाना मांग करता है कि नागरिक और नेता इन विभाजनकारी ताकतों को पहचानें और उनका विरोध करें, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा दें। देश को अपने जटिल इतिहास को स्वीकार करना चाहिए और उपनिवेशवाद के लंबे समय तक चलने वाले परिणामों को संबोधित करना चाहिए। ऐसा करके, भारत अपने ऊपर लगाए गए कृत्रिम विभाजनों को दूर कर सकता है और सच्ची एकता और प्रगति की ओर एक रास्ता बना सकता है। प्रगति के बावजूद, भारत को उपनिवेशवाद की विरासत से उबरने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। राजनेता चुनावी लाभ के लिए सामाजिक विभाजन का फायदा उठाना जारी रखते हैं, जबकि विदेशी ताकतें भारत की एकता को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। सोशल मीडिया के उदय ने विभाजनकारी बयानबाजी को बढ़ावा दिया है, जिससे गलत सूचना फैलाना और तनाव को बढ़ावा देना आसान हो गया है।

ब्रिटिश उपनिवेशवाद की विभाजनकारी विरासत भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। इस इतिहास को स्वीकार करके और विभाजनकारी ताकतों का विरोध करके, भारत एक अधिक एकीकृत भविष्य का निर्माण कर सकता है। नागरिकों को सांप्रदायिक एजेंडों पर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए और नेताओं को समावेशी शासन की दिशा में काम करना चाहिए।

आप की बात

भारत का स्पष्ट संदेश

भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त को वापस बुला लिया तथा नई दिल्ली में कनाडा के कार्यकारी उच्चायुक्त सहित छह राजनयिकों को शनिवार तक देश छोड़ने को कह दिया। कनाडा सरकार द्वारा बिना किसी सबूत के हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप भारतीय राजनयिकों पर लगाना अपमानजनक तथा निंदनीय हैं। बार-बार चेतावनी के बाद भी कनाडा की त्रूदो सरकार ने अपने राजनीति स्वार्थ के चलते कनाडा को भारत-विरोधी खालिस्तान समर्थकों का अड्डा बना दिया है। ऐसे में भारत सरकार ने अपने राजनयिक को वापस बुला कर और कनाडाई राजनायिकों को देश छोड़ने का आदेश देकर बिल्कुल सही कदम उठाया है। कनाडा सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार जहर उगलने व बेबुनियाद आरोप लगाने के चलते राजनयिक संबंध तोड़ना सर्वथा उचित है। इस प्रकार भारत सरकार ने न केवल कनाडा, बल्कि सभी पश्चिमी देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह अपने आंतरिक मामलों में किसी देश का हस्तक्षेप सहन नहीं करेगा, भले ही वह चाहे जितना शक्तिशाली व आर्थिक रूप से प्रभावशाली ही क्यों न हो। जस्टिन त्रूदो निहित चुनावी स्वार्थ के लिए चरमपंथियों को संतुष्ट कर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। उनका यह कदम कनाडाई जनता के लिए भी विनाशकारी है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

कनाडा में कट्टरपन

कनाडा की विदेश नीति व उसके आंतरिक निर्णयों पर नजर डालने से स्पष्ट होता है कि वह एक ऐसे रास्ते पर अग्रसर है जो दीर्घकालिक रूप से उसे न केवल वैश्विक स्तर पर अलग-थलग कर सकता है, बल्कि उसकी सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता पर भी गंभीर असर डाल सकता है। भारत-विरोधी तत्वों को शरण और समर्थन देने की नीति ने कनाडा की अंतरराष्ट्रीय छवि को कमजोर किया है। कोई भी राष्ट्र अपने आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देता है, लेकिन कनाडा ऐसे तत्वों को खुली छूट दे रहा है जो भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर यहां की जनता के एक हिस्से को भारत के खिलाफ भड़काना चाहते हैं। यह न केवल भारत-कनाडा संबंधों में तनाव पैदा कर रहा है, बल्कि कनाडा की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए भी दीर्घकालिक खतरा साबित हो सकता है। अगर यह नीति जारी रहती है तो कनाडा को पाकिस्तान जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है जहां सरकार की नीतियों पर कट्टरपंथी तथा भारत-विरोधी तत्व हावी हो गए हैं। कनाडा को अपनी विदेश नीति में संतुलन ला कर संप्रभु राष्ट्रों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप से बचना होगा।

- अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

परोपकारी रतन टाटा

रतन टाटा उद्यमियों की परंपरागत परिभाषा और उनके बारे में समझ में एक अपवाद हैं। अपनी परोपकारी प्रवृत्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जिम्मेदारी के कारण टाटा को जनता के बीच व्यापक स्वीकृति मिली है। इस प्रकार टाटा समूह को लोगों का समूह माना जाता है, जिससे ग्राहकों के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव पैदा होता है। टाटा समूह की नीति रही है कि वह अपने मुनाफे का 60 प्रतिशत हिस्सा दान या जनसेवा में खर्च करे। इसके उदाहरणों में आगा खान अस्पताल व मेडिकल कॉलेज तथा टाटा कैंसर अस्पताल शामिल हैं। 2008 में ताज होटल पर हुए आतंकी हमले के बाद फुटपाथ पर सामान बेचने वाले कई लोग घायल हो गए थे और उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। ऐसे में रतन टाटा के निर्देशानुसार इन घायल व्यक्तियों को खोजा गया और उनका इलाज कराया गया। उनका आवारा कुत्तों के प्रति प्रेम भी बहुत प्रसिद्ध है। उनके नेतृत्व में नई पीढ़ी के अनेक उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। मुनाफा कमाने के साथ लोगों की भलाई के लिए पैसा खर्च करने वाले रतन टाटा और टाटा समूह को जनता अपने करीब मानती है। महाराष्ट्र सरकार ने उनको भारत रत्न से सम्मानित करने का प्रस्ताव किया है।

- दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुंबई

चुनावों की घोषणा

निर्वाचन आयोग ने झारखंड महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही 47 विधानसभा उप-चुनाव कराने का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ एनसीपी-शरद पवार शिवसेना-उद्धव ठाकरे की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, वहीं भाजपा के साथ शिवसेना-शिंदे और एनसीपी-अजीत पवार उनका मुकाबला करेंगे। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस व आरजेडी का गठबंधन है, जबकि दूसरी ओर भाजपा, जदयू गठबंधन उसका मुकाबला करेगा। लोकसभा चुनाव में इंडिया समूह को अच्छी सफलता मिली थी। हरियाणा में विजय से भाजपा उत्साहित है, जबकि इंडिया में कांग्रेस के सहयोगी उस पर ज्यादा से ज्यादा दबाव बना रहे हैं। महाराष्ट्र में इंडिया सबको समाहित नहीं कर सकता है, इसे देखते हुए अखिलेश यादव व असदुद्दीन ओवैसी अलग से मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा उद्धव ठाकरे स्वयं को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करवाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। इन राज्यों के चुनाव परिणाम देश की राजनीति प्रभवित करेंगे।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 17 अक्टूबर, 2024

रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि का केंद्रीय कैबिनेट का निर्णय अभिनंदनीय

● मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर केंद्रीय कैबिनेट में लिए गए सभी फैसलों का किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों का स्वागत किया। सीएम योगी ने जनहित में लिए गए सभी फैसलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा कि अन्नदाता किसानों के कल्याण के लिए सतत समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दृढ़ नेतृत्व में कृषि क्षेत्र को निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर किया है। इस क्रम में आज केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिए रबी फसलों गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड और सरसों, कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि का निर्णय अत्यंत अभिनंदनीय है। सीएम योगी ने कहा कि यह निर्णय अन्नदाता किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ ही उन्हें कृषि क्षेत्र में और अधिक निवेश करने हेतु प्रोत्साहित भी करेगा। कृषक बंधुओं की आय में वृद्धि सुनिश्चित करते इस निर्णय हेतु प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार!

सीएम योगी ने केंद्रीय कैबिनेट में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए किए गए निर्णय को अभिनंदनीय बताया। सीएम योगी ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीएम) और पेंशनर्स की महंगाई राहत (डीआर) की अतिरिक्त किस्त को स्वीकृति प्रदान की है। इसके अंतर्गत मूल वेतन/पेंशन की 50 प्रतिशत की मौजूदा दर से 3 प्रतिशत की वृद्धि का निर्णय अभिनंदनीय है। सीएम योगी ने पोस्ट में लिखा कि त्योहारों के इस पावन अवसर पर केंद्रीय कर्मचारियों को दिए गए इस उपहार के लिए आपका हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी! सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वाराणसी में गंगा नदी पर रेल-सह सड़क पुल निर्माण को स्वीकृति देने पर भी आभार जताया।

सीएम ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में पावन नगरी काशी विकास के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस विकास यात्रा को और गति प्रदान करते हुए आज केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वाराणसी में गंगा नदी पर रेल-सह-सड़क पुल व वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। सीएम योगी ने कहा कि क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के साथ ही यह परियोजना वाराणसी और चंदौली के लोगों के लिए आत्मनिर्भरता के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगी। सीएम ने इस लोक-कल्याणकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बने पीएम मोदी, सीएम योगी ने दी बधाई

● देवतुल्य कार्यकर्ता ही हमारी शक्ति व सामर्थ्यः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान में प्रथम सक्रिय सदस्य बने। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा एक राष्ट्रनिष्ठ, लोकनिष्ठ, कर्तव्यनिष्ठ और कार्यकर्ता आधारित दल है। देवतुल्य कार्यकर्ता ही हमारी शक्ति और सामर्थ्य हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी का प्रथम सक्रिय सदस्य बनकर इस भावना को और अधिक मजबूती प्रदान की है। योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि मैं उत्तर प्रदेश के सभी सम्मानित नागरिकों का आह्वान करता हूं कि प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किए गए इस विशेष अभियान से जुड़ें और 'विकसित उत्तर प्रदेश-विकसित भारत' की निर्माण यात्रा में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं

लखनऊ। सीएम योगी ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयन्ती पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने 'रामायण' के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम से जन-जन का साक्षात्कार कराया। 'रामायण' के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि ने समाज के सम्मुख जीवन के सर्वोत्कृष्ट मूल्यों एवं आदर्शों को प्रस्तुत किया। उनकी जयन्ती का यह अवसर हमें यह सिखाता है कि जीवन में कोई भी व्यक्ति धर्म और अध्यात्म के मार्ग पर चलकर महानता को प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मिकी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। महर्षि वाल्मीकि की महानता से वर्तमान और भावी पीढ़ी को सुपरिचित कराने के लिए सतत् प्रयासरत है। इस क्रम में लालापुर, जनपद चित्रकूट में उनकी तपोस्थली के सौंदर्यीकरण तथा अयोध्याधाम में महर्षि वाल्मीकि अन्तरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की स्थापना जैसे अनेक प्रयास किए गए हैं।

निवेश मित्र पोर्टल के साथ इंटीग्रेट होंगी प्राधिकरणों की वेबसाइट

● प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम की होगी बड़ी भूमिका, जिसके जरिए लैंड बैंक समेत विभिन्न प्रकार की जानकारियां हो सकेंगी एक्सेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार निवेशकों की सहूलियतों में इजाफा करने की दिशा में व्यापक कदम उठा रही है। इस क्रम में, निवेश मित्र एक बड़ा माध्यम बन रहा है, वहीं प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक प्राधिकरणों ने भी इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इसमें उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा), नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) व ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रमुख हैं। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के औद्योगिक प्राधिकरणों में प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम को लागू करने और उसके जरिए निवेशकों से चरणबद्ध संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की योजना पर कार्य हो रहा है। नोएडा द्वारा भी इस दिशा में प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीएमआईएस) को लागू करने, उसके फ्रेमवर्क को विकसित व सुदृढ़ करने और सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के रूप में कार्यरत निवेश मित्र पोर्टल के साथ इंटीग्रेट करके लैंड बैंक समेत विभिन्न प्रकार की जानकारियां तक एक्सेस को बढ़ाया जाएगा। सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, प्रक्रिया पूरी होने पर हाउसिंग, रेजिडेंशियल, इंडस्ट्रियल, इंस्टीट्यूशनल, कॉमर्शियल व ग्रुप हाउसिंग स्कीमों के लिए आवेदन व संचालन गतिविधियों की सीधी मॉनिटरिंग हो सकेगी। वहीं, सीआईसी, बिल्डिंग मैप अप्रूवल, एक्सटेंशन लेटर तथा ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट समेत विभिन्न दस्तावाजों के जारी होने और उनकी निगरानी को ट्रैक करने का फ्रेमवर्क भी प्रक्रिया के जरिए तैयार हो जाएगा। एक ओर, निवेश मित्र से इंटीग्रेट होने के साथ ही नोएडा प्राधिकरण के लैंड बैंक समेत विभिन्न जानकारियां निवेश मित्र से एक्सेस हो सकेंगी, वहीं इससे नोएडा प्राधिकरण में भी चरणबद्ध तरीके से परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के बारे में हर अपडेट निवेशकों को पता लग सकेगी।

परिवहन मंत्री ने इण्टरसेप्टर वाहनों को झंडी दिखाकर किया पखवाड़े का समापन

लखनऊ। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह जी की अध्यक्षता में बुधवार को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन हुआ। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती समारोह से शुरू होकर आज सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन हो रहा है। सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है एवं आज के समय में बहुत ही आवश्यक विषय भी है। आज प्रदेश 13 हाईवेज के साथ देश में सबसे अधिक हाईवेज वाला प्रदेश है, जिसमें से 06 हाईवेज बन चुके हैं एवं अन्य हाई-वेज पर कार्य तेजी से चल रहा है। हाईवेज बनने से आवागमन में सुगमता के साथ-साथ समय का भी बचाव हो रहा है। साथ ही बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं भी चिन्ता का विषय हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं अन्य लोगों से कराने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। उनसे उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों को अपने दिनचर्या में लाने का आह्वान किया। परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि में उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है, यह एक चिन्ता का विषय है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने सौंपा मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन

लखनऊ। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश, लखनऊ को ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश में विधान सभाओं के उप-निर्वाचनों की घोषणा के बाद जनपद मिर्जापुर में 397-मझवां उप-निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत पुलिस थाना कछवां, पुलिस चौकी थाना कछवां, पुलिस थाना पड़री के पुलिस प्रभारियों तथा कई पुलिस कर्मियों सहित पूरे जनपद में 35 पुलिस कर्मियों के ट्रान्सफर किए जाने की ओर ध्यान आकर्षित किया है। इसके अतिरिक्त उन्होने जनपद मिर्जापुर के मूल निवासी पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन का अपने गृह जनपद में पुलिस अधीक्षक के पद पर रहते हुए आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने व जिला कार्यक्रम अधिकारी वीणा वर्मा द्वारा भाजपा महिला मोर्चा का सम्मेलन कराने के विरूद्ध कठोर, दण्डात्मक कार्यवाही करने और आदर्श आचार संहिता का सख्ती के साथ पालन कराने की मांग की है।

डीजीपी ने जोनल एडीजी से तलब की हिंसाग्रस्त जिलों के लापरवाह पुलिस अफसरों की रिपोर्ट

● पुलिस महानिदेशक ने शांति एवं कानून-व्यवस्था के सम्बन्ध में की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशान्त कुमार ने पुलिस मुख्यालय गोमतीनगर विस्तार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानून-व्यवस्था एवं विगत दिनों त्यौहारों के दौरान हुई घटनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सम्बंधित जोनल अपर पुलिस महानिदेशक को निर्देशित किया कि जिन-जिन जनपदों में कानून व्यवस्था प्रभावित हुयी है उनकी समीक्षा करते हुये लापरवाही बरतने वाले अधिकारी / कर्मचारियों की एकाउंटब्लिटी फिक्स कर आज ही रिपोर्ट प्रेषित की जाए।

कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों व सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक पोस्ट कर अफवाह फैलाकर आम जनता को भड़काने का प्रयास करने वाले तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए जोनल अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा आख्या प्रस्तुत की जाए। डीजीपी ने निर्देशित किया कि दंगा नियंत्रण स्कीम को अपडेट करते हुए उनका ड्रिल कराया जाए। दंगा नियंत्रण स्कीम में सम्बंधित मजिस्ट्रेट को भी शामिल किया जाए। पुलिस कर्मियों तथा संसाधनों का पूर्णरूपेण उपयोग किया जाए। आकस्मिक घटना के दृष्टिगत योजना तैयार कर समय-समय पर रिहर्सल करा लिया जाये। भीड़ / दंगा नियंत्रण उपकरणों को तैयारी हालत में रखा जाए।।दंगा नियंत्रण उपकरणों के बिना किसी भी दशा में डियूटी न लगायी जाए तथा किसी भी आयोजन से पहले पुलिस बल की विधिवत ब्रीफिंग की जाए। पुलिस बल का व्यवस्थापन पूर्व से आंकलन करके ही किया जाए। जुलूसों में त्रुटिरहित योजनाबद्ध पुलिस प्रबन्ध किया जाए।।जुलूसों के रास्तों में पड़ने वाले मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरती जाए तथा सुरक्षा हेतु बॉक्स फार्मेट में डियूटी लगायी जाए। पुलिस प्रमुख ने निर्देश दिए कि त्यौहारों / आयोजनों के दौरान मुख्य मुख्य चौराहों, संवेदनशील स्थानों पर लगने वाले पुलिस बल को पूर्व से ब्रीफ करने के उपरान्त ही डियूटी पर भेजा जाए तथा स्ट्रेटजिक भवनों का चयन कर रूफ टॉप डियूटी हैण्डसेट, दूरबीन आदि के साथ लगायी जाए। जनपदों में कम्यूनिकेशन प्लान तैयार किया जाए, जिसमें राजस्व विभाग के कर्मियों के साथ-साथ सभासद, वार्ड मेम्बरों, ग्राम प्रधान, ग्राम समितियों के सदस्यों, चौकीदार आदि सभी को सम्मिलित किया जाए। किसी भी प्रकार का माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों अथवा भड़काउ भाषण देने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए।

डीजीपी ने 'एसओपी फार क्राइम सीन्स इन्वेस्टीगेशन' बुकलेट का विमोचन किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार ने तकीनीकी सेवाएं मुख्यालय/ विधि विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा तैयार ए कलेक्शन ऑफ 'स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर फार क्राइम सीन्स इन्वेस्टीगेशन' बुकलेट का विमोचन किया। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन, अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध व निदेशक एफएसएल उप्र एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। तीन नवीन अधिनियमों (भारतीय न्याय संहिता / भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता / भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के क्रियान्वयन में प्रावधानों के तहत वर्णित अपराधों हेतु वैज्ञानिक विधियों से घटनास्थल से साक्ष्य संकलन किए जाने तथा बीट अधिकारियों, पर्यवेक्षक, विवेचकों की सहायता हेतु व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाने के उद्देश्य से तकनीकी सेवाएं, मुख्यालय उत्तर प्रदेश के निर्देशन में विधि विज्ञान प्रयोशाला उप्र द्वारा एसओपी बनाई गयी। इसमें फॉरेंसिक एविडेंस को घटनास्थल से निर्धारित विधियों के तहत संग्रहण, पैकेजिंग, प्रेषण एवं संरक्षण किया जाना सम्भव होगा। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान चेन आफ कस्टडी बनाये रखना भी साक्ष्य की अखण्डता के लिए अनिवार्य है। यह एसओपी संकलन विभिन्न अपराधों से सम्बन्धित अपराध स्थल जांच की प्रक्रिया अन्वेषण एवं अभियोजन में पुलिस अधिकारियों हेतु एक उत्कृष्ट मार्गदर्शिका होगी। एसओपी जांच एवं विवेचना अधिकारियों के साथ ही पर्यवेक्षकों को सरंचनात्मक स्थिरता एवं स्पष्टता प्रदान करेगी जो अपराध के अन्वेषण, नियंत्रण एवं अभियोजन के लिए सार्थक सिद्ध होगी।

निर्धन कलाकारों की प्रतिभा को उचित सम्मान देने के लिए सरकार प्रयास करेः जयवीर सिंह

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि संस्कृति विभाग की विभिन्न संस्थानों में की जा रही विभिन्न गतिविधियों से आम जनता खासतौर से युवाओं को जोड़ें, जिससे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास के साथ ही भारतीय जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विभिन्न नीतियों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद धार देने के साथ आम जनता को अपने विरासत पर गर्व करने का अवसर प्रदान कर रही है। इसके साथ ही देशी-विदेशी पर्यटकों को मार्केटिंग एवं ब्राण्ड एम्बेस्डर के रूप में प्रोत्साहित कर अधिक से अधिक विदेशी पर्यटकों को की ओर आकर्षित करने के लिए विश्व स्तरीय सुविधायें सृजित कर रही है। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष की स्वीकृत परियोजनाओं से संबंधित निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह बुधवार को गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में संस्कृति विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न संस्थानों तथा निर्माण कार्य की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के साथ ही प्रस्तावित कार्यों को यथाशीघ्र शुरू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य में रूचि न लेने वाले तथा लापरवाह अधिकारियों एवं संस्थाओं की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने विभिन्न संस्थानों से और अधिक एमओयू साइन करने के निर्देश दिए।

भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें ध्वस्तः अखिलेश

● राजधानी में कई दर्जन लोग हर दिन डेंगू की चपेट में, लखनऊ में मंगलवार को 61 मरीज पाए गए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें ध्वस्त हो गयीं हैं। अस्पतालों में मरीज़ों की भीड़ है। उन्हें ठीक से दवा इलाज नहीं मिल रहा है। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में डेंगू मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियां फैली हुई हैं। लखनऊ में कई दर्जन लोग हर दिन डेंगू की चपेट में आ रहे हैं। पिछले 1 महीने में लखनऊ में ही एक हजार से ज्यादा लोग डेंगू के शिकार हो चुके हैं। लखनऊ में मंगलवार को ही डेंगू के 61 मरीज पाए गए। इसी तरह से मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों से बड़ी संख्या में लोग बीमार और पीड़ित हैं। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। शहरों में साफ सफाई का अभाव है, गंदगी की भरमार है। भाजपा सरकार लोगों के स्वास्थ्य को लेकर जरा भी गंभीर नहीं है। अखिलेश ने कहा कि राजधानी लखनऊ में डेंगू के कारण लोगों की मौतें हो चुकी हैं। सैकड़ों की संख्या में लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। प्लेटलेट्स और ब्लड की कमी को लेकर मारामारी है। भाजपा सरकार आम जनता की लगातार उपेक्षा कर रही है। मरीज और तीमारदार भटक रहे हैं। शासन प्रशासन को पता रहता है कि इस सीजन में संक्रामक बीमारियां और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जिसके कारण डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड बढ़ जाती हैं लेकिन उसके बाद भी सरकार कोई उपाय नहीं करती। फागिंग और दवाओं की उचित व्यवस्था नहीं है।

कांग्रेस प्रभारी अविनाश पाण्डेय व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने किए रामलला व हनुमानगढ़ी के दर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शरद पूर्णिमा के शुभ दिन पर बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद अयोध्या पहुंचकर मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम लला एवं संकटमोचन प्रभु श्री हनुमान (हनुमानगढ़ी) के दर्शन कर प्रदेशवसियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की।

दर्शन उपरांत अविनाश पाण्डेय ने कहा कि जिस न्याय की लड़ाई को राहुल गांधी जी पूरे देश में लड़ रहे हैं, हमने प्रभु श्री राम से प्रार्थना की है कि उस लड़ाई को देशहित में लड़ने के लिए हमें शक्ति दें। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने अपना पूरा जीवन जिस सत्य के लिए लड़ाई लड़ी है, हम सभी उसी का अनुसरण करते हुए सत्य की राह पर चलते हुए असत्य और दुर्जनों के खिलाफ खड़े रहे।

इस मौके पर अजय राय ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने जो रास्ता दिखाया है, हम कामना करते हैं कि सभी लोग उस पर चले और मर्यादा का पालन करे। उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें प्रभु श्रीराम के दर्शन का सुख मिला। हम प्रभु से यह कामना करते हैं कि समाज में संपन्नता और खुशहाली आए और सभी लोग मर्यादित आचरण करते हुए अपना काम करें।

थायरॉयड कैंसर में पूरी ग्रंथि निकालने की जरूरत नहीं

● केजीएमयू के पैथालाजी विभाग की डॉ. चंचल राणा ने भारतीय रोगियों में पुनर्वर्गीकरण के प्रभाव का किया अध्ययन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

थायरॉयड कैंसर में अब पूरी ग्रंथि निकालने की जरूरत नहीं। प्रभावित हिस्से को निकाल कर मरीज को नया जीवन दिया जा सकता है। अभी तक थायरॉयड कैंसर के मामले में अक्सर ग्रंथिया निकाल दी जाती थी। जिससे थायरॉयड ग्रंथि के चलते बनने वाले हार्मोन का उत्पादन नहीं हो पाता था और व्यक्ति को इसके लिए जीवन भर दवाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह खुलासा किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के पैथोलॉजी विभाग के डॉ. चंचल राणा ने थायरॉयड ग्रंथि के पुर्नवर्गीकरण के दौरान हुआ है।

इस स्टडी के लिए डॉ. चंचल राणा को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा प्रतिष्ठित डॉ वी आर खानोलकर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार भारतीय पैथोलॉजी में सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। डॉ. राणा ने बताया कि गर्दन के आधार पर स्थित थायरॉयड ग्रंथि, हार्मोन (टी 3 और टी 4) का उत्पादन करती है जो चयापचय, हृदय गति, शरीर के तापमान और पाचन को नियंत्रित करती है। ये हार्मोन मस्तिष्क समारोह, मांसपेशियों की गतिविधि और समग्र ऊर्जा संतुलन के लिए आवश्यक हैं। थायराइड डिसफंक्शन, चाहे अति सक्रियता (हाइपरथायरायडिज्म) या निष्क्रियता (हाइपोथायरायडिज्म) के माध्यम से, थकान, वजन में बदलाव, मूड स्विंग्स, और अधिक गंभीर हृदय और न्यूरोलॉजिकल समस्याओं जैसे मुद्दों को जन्म दे सकता है। जो शरीर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। भारत थायरॉइड कैंसर की घटनाओं में दुनिया में चौथे स्थान पर है और दुर्भाग्य से मृत्यु दर के मामले में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने बताया कि टोटल थायरॉयडेक्टॉमी आमतौर पर थायराइड कैंसर के लिए किया जाता है। इससे हाइपोथायरायडिज्म जैसी जटिलताएं हो सकती हैं, आजीवन हार्मोन प्रतिस्थापन की आवश्यकता होती है। इन जोखिमों को कम करने के लिए सावधानीपूर्वक सर्जरी और निगरानी आवश्यक है। पहले, कम आक्रामक होने के बावजूद, थायराइड कैंसर के कई मामलों का इलाज टोटल थायरॉयडेक्टॉमी के साथ किया जा रहा था। नतीजतन, सर्जरी, रेडियोधर्मी आयोडीन थेरेपी, और ट्यूमर के लिए आजीवन हार्मोन प्रतिस्थापन सहित अधिक आक्रामक उपचार, उन नोड्यूल के लिए दिए गए थे। जो रोगियों को न्यूनतम जोखिम देते थे। ए थायराइड कैंसर के पुनर्वर्गीकरण ने समझ में बदलाव को चिह्नित किया।

यह स्वीकार करते हुए कि कुछ ट्यूमर बहुत कम आक्रामक तरीके से व्यवहार करते हैं, सच्चे कार्सिनोमा की तुलना में सौम्य घावों के समान हैं। इस परिवर्तन ने ओवरट्रीटमेंट को कम करने, रोगियों को अत्यधिक हस्तक्षेप से बचाने और उचित देखभाल सुनिश्चित करने में मदद की।

दीपोत्सव के लिए राम की पैड़ी से मार्किंग प्रक्रिया का श्रीगणेश

● 25 लाख से ज्यादा जगमग दीपों की संख्या बनेगी नए विश्व रिकॉर्ड का आधार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में अयोध्या में शुरू हुआ दीपोत्सव अब आठवीं बार कीर्तिमान बनाने को तैयार है। प्रशासन ने कमर कस ली है और काउंटडाउन भी शुरू हो गया है। अब बस इंतजार है 30 अक्टूबर को होने वाले मुख्य आयोजन का। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की तरफ से दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए दो दर्जन से अधिक कर्मियों के साथ राम की पैड़ी के घाटों पर मार्किंग का कार्य शुरू कर दिया है। बुधवार को पूर्वाह्न कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव मोहम्मद सहील ने दूसरी बार मार्किंग की कमान सम्भाली। उन्होंने माइक्रोबायोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रंजन सिंह व कर्मियों के साथ दीपोत्सव के दिन 25 लाख दीए प्रज्वलित किए जाने को लेकर 28 लाख दीए सजाने के लिए घाटों पर मार्किंग का कार्य कराया। उप कुलसचिव सहील ने बताया कि एक सप्ताह में घाटों पर मार्किंग का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

मुख्यमंत्री के निर्देशन तथा कुलपति के कुशल प्रबंधन में रामनगरी का आठवां दीपोत्सव और भव्य होगा। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इण्टर कालेज व एनसीओ के स्वयंसेवक पुनः पिछड़ा रिकार्ड तोड़कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में रामनगरी अयोध्या का नाम फिर से दर्ज कराने के लिए कमान संभाल चुके हैं। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि एक सप्ताह में राम की पैड़ी के 55 घाटों पर मार्किंग कार्य पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर तक स्वयंसेवकों के आई कार्ड देर शाम से वितरित होना शुरू हो जायेगा। राम की पैड़ी पर 25 लाख दीपों को प्रज्ज्वलित करने व 28 लाख दीए बिछाने के लिए 30 हजार स्वयंसेवकों को क्यूआर कोड से सुसज्जित आईकार्ड दिया जायेगा। इस आई कार्ड को फुलप्रूफ बनाने के लिए कई फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। इससे स्वयंसेवकों के आईकार्ड में डुप्लीकेसी नहीं हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि इस क्यूआर कोड से लैस आईकार्ड में स्वयंसेवकों का नाम, फोटो, मोबाइल नम्बर, तैनाती स्थल एवं क्रमांक अंकित रहेगा।

इसके अतिरिक्त आईकार्ड में जिला प्रशासन के प्राधिकृत अधिकारी, दीपोत्सव नोडल अधिकारी के साथ प्राधिकृत संस्था या इकाई के हस्ताक्षर रहेंगे। दीपोत्सव में अयोध्या के धर्मपथ और रामपथ को भी जगमग किया जाएगा। इसके लिए लखनऊ के ताज रेडियो एंड इलेक्ट्रिक कंपनी को लाइटिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। राम कथा पार्क के पास इलेक्ट्रीशियन कैम्प लगा कर लाइटों को तैयार करने का कार्य कर रहे हैं। रामपथ और धर्मपथ के साथ लगभग 2 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में भव्य लाइटिंग की व्यवस्था के लिए तैयारी की जा रही है।

'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महाअभियान में ग्राम्य विकास विभाग रहा सर्वश्रेष्ठ

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशो के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा चलायें गये 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण करने का कीर्तिमान बनाया गया है। प्रदेश में 20 जुलाई को अभियान की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत 13.54 करोड़ पौधे लगाकर ग्राम्य विकास विभाग ने अभियान में सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है। ग्राम्य विकास विभाग में प्रदेश में जनपदों की बात करें तो लखीमपुर खीरी ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए योजनांतर्गत 43.24 लाख से ज्यादा पौधरोपण किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर समस्त विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ-साथ गांवों में निवास करने वाले आम नागरिकों की सहभागिता ने इस महाअभियान को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। बीते वर्षों से निरंतर प्रदेश द्वारा योजनांतर्गत वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। यूपी को हरा-भरा बनाए रखने के लिए सरकार ने इस वर्ष ग्राम्य विकास विभाग को 13 करोड़ का लक्ष्य दिया गया,इस लक्ष्य को पार करते हुए 13.54 करोड़ से भी ज्यादा पौधरोपण किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत गोमती नदी में की गई मछलियों की रैंचिंग

लखनऊ। तेलीबाग स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो की तरफ से 31 अक्टूबर तक विशेष स्वच्छता अभियान 4.0 मनाया जा रहा है। इस दौरान दैनिक रूप से विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में संस्थान द्वारा बुधवार को गोमती नदी के कुड़िया घाट पर स्वच्छता कार्यक्रम किया गया एवं गोमती नदी के स्वास्थ्य प्रबंधन हेतु नदी में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की मछलियां भी प्रवाहित की गई।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. उत्तम कुमार सरकार ने आम जन को नदी स्वास्थ्य प्रबंधन एवं सार्वजनिक स्थानों को साफ सुथरा रखने हेतु जागरूक किया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा गठित की गयी स्वच्छता अभियान समिति के अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार, नोडल अधिकारी डॉ अचल सिंह, अन्य वैज्ञानिक व अधिकारीगण डॉ रजनी चंद्रन,डॉ राघवेंद्र सिंह, डॉ मोनिका गुप्ता, डॉ अखिलेश कुमार मिश्र, विजय कुमार, कृष्ण कुमार सिंह तथा अभिषेक कुमार आदि मौजूद थे।

किसानों की समस्याओं का किया जाए त्वरित निस्तारण: एडीएम

संवाददाता। फतेहपुर

किसान दिवस का आयोजन बुधवार को विकास भवन सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डा0 अविनाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में किया गया। उप कृषि निदेशक ने संचालन करते हुए गत बैठक में आयी शिकायतों के अनुपालन के सम्बन्ध में कृषकों को अवगत कराते हुए शासन की लाभार्थी परख योजनाओं की जानकारी दी।

बैठक में कृषकों ने रबी सत्र में जनपद में पर्याप्त उर्वरक की जनपद में उपलब्धता की मांग उठाई। कृषकों को अवगत कराया कि रबी सत्र की तिलहन फसलों की बुआई हेतु डीएपी के स्थान पर एनपीके एवं दलहन फसलों हेतु एनपीके का प्रयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है। वर्तमान सत्र में कृषकों के मॉग के अनुसार पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता करायी जायेगी। जिला उद्यान अधिकारी डा. रमेश पाठक ने कृषकों को मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती, केला की खेती आदि को किये जाने एवं विभागीय अनुदान एवं अन्य जानकारी कृषकों को विस्तार से देते हुए यह भी अवगत कराया कि वर्तमान में मधुमक्खी का पालन करने वाली इच्छुक महिला कृषकों के समूह अपना उद्यान विभाग में आवेदन प्रस्तुत कर मधुमक्खी पालन विषय पर विभाग द्वारा आयोजित नि:शुल्क प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सकती हैं। किसान दिवस में दिनेश निवासी ग्राम वीकमपुर, रामकुमार निवासी वीकमपुर, नैपाल सिंह निवासी ग्राम रावतपुर, शैलेन्द्र सिंह निवासी औंग तहसील बिन्दकी ने मोती की खेती करने हेतु प्रशिक्षण दिलाये जाने का अनुरोध किया।

एडीएम ने उप कृषि निदेशक को आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। महेश सिंह निवासी ग्राम रावतपुर पोस्ट शिवराजपुर द्वारा मृत शवों के निस्तारण की व्यवस्था कराये जाने की मांग की। एडीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से वार्ता की तो अवगत कराया गया कि जिला पंचायत कार्यालय द्वारा इस सम्बन्ध में टेण्डर कर कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है।

दो माह से गायब कानूनगो का अभी तक नहीं लग पाया सुराग

फर्रुखाबाद। दो माह से गायब चकबंदी कानूनगो का पुलिस अभी तक सुराग नहीं लगा सकी है। पुलिस ने गुमशुदी दर्ज कर कानूनगो के गायब होने का मामला अब ठंडे बस्ते में डाल दिया है। परिजन लगातार डीएमए एसपी व चकबंदी विभाग के चक्कर लगा रहे है। गायब कानूनगो का परिवार चकबंदी ऑफिस के सामने धरने पर बैठ गया है। कानूनगो की मां समेत परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल हो रहा है। कानूनगो के परिवार ने चकबंदी विभाग के बाबू पर गंभीर आरोप लगा रहे है। कानूनगो जनपद कासगंज का रहने वाला है। आपको बताते चले की कासगंज के बिलराम गेट निवासी कानूनगो 20 अगस्त को फर्रुखाबाद जनपद के फतेहगढ में ड्यूटी करने के बाद वापस नहीं लौटे। लगभग दो माह बाद भी कानूनगो का पता न लगने से परिजन चिंतित हैं।ि बलराम गेट पीली कोठी निवासी मनोज कुमार माहेश्वरी उम्र 52 वर्ष फर्रुखाबाद जनपद की फतेहगढ़ तहसील में कानूनगो चकबंदी के पद पर तैनात हैं।

20 अगस्त को वह घर से अपनी ड्यूटी पर गए। जब देर रात तक वापस नहीं आए तो परिजन चिंतित हो गए। उनकी तलाश शुरू कर दी गई। रिश्तेदारी में जानकारी की गई। लेकिन पता नहीं चला। उनका फोन भी नहीं मिला। 21 अगस्त को परिजन उनकी जानकारी करने के लिए फतेहगढ तहसील पहुंचे तो वहां से शाम 5.40 बजे आफिस से चले जाने की जानकारी मिली।

विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को दिया गया मिशन शक्ति का संदेश

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

मिशन शक्ति भारत सरकार के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक पहल है। जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस मिशन के तहत सरकार महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसर मिल सकते हैं।

यह बात बुधवार को क्षेत्र के जीटी रोड तेराजाकेट स्थित बाबू जागेश्वर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कालेज में महिला पुलिस टीम के साथ पहुंची महिला उपनिरीक्षक नीलम सिंह ने कही। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित कुमार यादव ने भी कहा कि भारत सरकार द्वारा चलाया गया मिशन शक्ति अभियान महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए बेहद लाभप्रद साबित हो रहा है। इसके तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी मिल रही है और मुसीबत के समय वे इसका लाभ प्राप्त कर रही हैं। विद्यालय की छात्राओं द्वारा नारी सशक्तिकरण आधारित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिसमें प्रमुख रूप से बाल विवाह, नारी शोषण, दहेज प्रथा आदि की प्रस्तुती देकर मिशन शक्ति का संदेश दिया।

इसके अलावा कोतवाली पुलिस ने महिला सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नम्बर-1090, वीमेन पावर लाइन-181, एम्बुलेंस सेवा-108, साइबर हेल्पलाइन नम्बर-1930, आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन -1076 स्टॉप बारे में विस्तृत रूप से बताया। वहीं छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती से आनंदित महिला उपनिरीक्षक ने छात्राओं को मेडल व उपहार देकर प्रोत्साहित किया। इस मौके पर हेड कांस्टेबल (साइबर सेल) तौफीक खान, महिला हेड कांस्टेबल शशिप्रभा, जयललिता, महिला कांस्टेबल प्रियंका, रोशनी, अपूर्वा, सीमा, अमिता सिंह के अलावा शिक्षक चन्द्रप्रकाश गुप्ता, विकास कुमार, ओमेन्द्र सिंह, सुनील कुमार के अलावा अल्का दुबे, शिवा पाण्डेय, प्रतिभा कुशवाहा, अंकिता शर्मा, स्वाती अवस्थी, खुशी आदि मौजूद रहे।

हाईवे पर हुआ भीषण सड़क हादसा, तीन लोगों की मौत

चौडगरा, फतेहपुर। कानपुर प्रयागराज हाईवे पर बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। हाईवे पर खड़े ट्राला ट्रक के पीछे तेज रफ्तार कार जा घुसी, जिसमें कार सवार तीन लोगों में दो की मौके पर मौत हो गई और एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीनों मृतक कन्नौज जिले के रहने वाले थे। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के हाईवे पर सुबह कानपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक बलेनो कार हाईवे पर खड़े ट्राला ट्रक में पीछे से जा घुसी। कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देते हुए कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। कार में सवार मनोज शुक्ला (65) पुत्र जीवन शुक्ला व अविनाश चन्द्र (64) पुत्र ओमकार नाथ की मौके पर मौत हो गई। तीसरे मृतक का नाम श्याम त्रिपाठी है जो कि कन्नौज जिले के गुरसहायगंज के निवासी है। श्याम त्रिपाठी कार चला रहे थे। मृतक मनोज शुक्ला के पिता डॉ. जीवन शुक्ला कन्नौज के पीएसएम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य रहे हैं। वह साहित्यकार भी हैं और शहर के प्रतिष्ठित लोगों में उनकी गिनती होती है, जबकि एक अन्य मृतक अविनाश दुबे हैं, जो कि शहर के गोमती देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज के प्रबंधक थे और प्राचीन सिंह वाहिनी देवी मंदिर व कालेश्वरनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष भी थे। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हाईवे पर ट्राला में जब कार पीछे से घुसी तो कार सवार लोगों ने सीट बेल्ट लगाया हुआ था।

जब हादसा हुआ तो कार का एयर बैग तो खुला लेकिन फट जाने से चालक और आगे बैठे दो लोगों की जान नहीं बच पाई। थाना प्रभारी रमा शंकर सरोज ने बताया कि परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है।

विकास भवन में हुआ किसान दिवस का आयोजन

संवाददाता। कानपुर देहात

अन्नदाता किसानों की समस्याओं के त्वरित निदान करने के साथ-साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित योजनओं कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से शासन के निर्देशन व जिलाधिकारी आलोक सिंह के मार्गदर्शन में किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया।

उप कृषि निदेशक, राम बचन राम द्वारा किसान दिवस में आये अधिकारियों, किसान संगठन के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों का औपचारिक स्वागत करते हुए किसान दिवस की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। उप कृषि निदेशक द्वारा प्रधानमंत्री ऊर्जा उत्थान एवं महा अभियान (पी0एम0 कुसुम) योजना के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करते हुए अवगत कराया गया कि वर्तमान समय में सोलर पम्पों की आनलाइन बुकिंग प्रारम्भ है, इच्छुक किसान भाई अपने भू-गर्भ जल स्तर के आधार पर विभिन्न क्षमता यथा 02 एच0पी0, 03 एच0पी0, 05 एच0पी0, 7.5 एच0पी0 एवं 10 एच0पी0 क्षमता में से उपयुक्त क्षमता के सोलर पम्प की स्थापना करा सकते हैं।

किसान दिवस में आये हुए सोलर पम्प स्थापना हेतु चयनित कार्यदायी संस्थाओं यथा प्रीमियर सोलर, के0एस0बी0 सोलर एवं शक्ति पम्प के प्रतिनिधियों द्वारा किसानों को सोलर पम्प के रख-रखाव एवं उनमें आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए शिकायत दर्ज कराने के लिए निर्धारित टोल फ्री नम्बरों व कम्पनी के अधिकृत सर्विस सेन्टरों के सम्पर्क सूत्रों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

कृषि विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करते हुए उनके द्वारा अवगत कराया गया कि विभाग द्वारा अनुदान पर वितरित कृषि यंत्रों जैसे रोटावेटर, चेप कटर, मल्टीक्राप थ्रेसर, लेजर लैण्ड लेवलर, स्ट्रा रीपर, मेज सेलर(मक्का थ्रेसर), मिनी राइस मिल, हैरो, कल्टीवेटर, कम्बाइ हार्वेस्टर, कस्टम हारयिंग सेन्टर, फार्म मशीनरी बैंक, थ्रेसिंग फ्लोर, एवं स्माल गोदाम के साथ-साथ छोटे कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने हेतु इच्छुक कृषक 23 अक्टूबर, 2024 तक कृषि विभाग की अधिकृत वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते है।

उनके द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए अवगत कराया गया कि फसल अवशेष, पराली जलाने से जहॉ एक ओर पर्यावरणीय क्षति, मृदा स्वास्थ्य एवं मित्र कीटों पर कुप्रभाव पडता है वही दूसरी ओर फसलों एवं ग्रामों में अग्निकाण्ड होने की भी सम्भावना होती है। फसल अवशेष जलाने से मिट्टी के तापमान में वृद्धि होने से मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पडता है, मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म जीव नष्ट होते है जिससे जीवांश के अच्छी प्रकार से सडने में भी कठिनाई होती है। पौधे जीवांश से ही पोषक तत्व लेते है तथा इससे फसलों के उत्पादन में मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फसल अवशेष जलाये जाने पर पूर्णत: रोक लगाते हुए इस दण्डनीय अपराध की श्रेणी में रखा है तथा यदि किसी व्यक्ति द्वारा फसल अवशेष पराली जलाने की घटना घटित की जाती है तो राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम की धारा-24 एवं 26 के अन्तर्गत उसके विरूद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति हेतु 02 एकड़ से कम क्षेत्र के लिए रु0 2500- प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ के लिए रु0 5000- प्रति घटना और 05 एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए रु0 15000- प्रति घटना की दर से अर्थदण्ड वसूले जाने का प्राविधान है।

उक्त के साथ-साथ उप कृषि निदेशक द्वारा किसानों को कृषि विभाग द्वारा अनुदान पर वितरित बीज व निशुल्क मिनीकिट, जैविक खेती, कृषि निवेशों की उपलब्धता के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी।

किसानों के हित संरक्षण के लिए संकल्पित है प्रशासन: सीडीओ

लखीमपुर खीरी। किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से बुधवार को सीडीओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में किसान दिवस का आयोजित हुआ। इस दौरान किसानों ने अधिकारियों के सामने समस्याएं रखीं। सीडीओ ने अफसरों को किसानों की समस्याओं का समय से व गुणवत्तापरक निस्तारण कराने का निर्देश देते हुए मौजूद किसानों को पराली ना जलाए जाने का संकल्प दिलाया।

सीडीओ ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों के हितों को संरक्षित करने के लिए शासन-प्रशासन करते संकल्पित होकर काम कर रहा। इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानपरक योजनाओं के जरिए उन्हें समृद्ध बनाने के लिए नित नए कदम उठा रही है। शासन पराली जलाने की घटनाओं को लेकर काफी गंभीर है। कई किसान भाई जानकारी के अभाव में फसल अवशेष जैसे धान की पराली, गन्ने की पत्ती आदि जला देते है, इससे फसल अवशेषों को जलाने से वातावरण पर दुष्प्रभाव पड़ने के साथ अन्य कई प्रकार की हानियां हो रही है। उन्होंने मौजूद किसानों की न केवल समस्याएं सुनी बल्कि निराकरण के संबंध में मौजूद अफसरों को निर्देश दिए। अधिकारी अपने स्तर से किसानों की जिन समस्याओं का समाधान न कर सके, उसके बारे में अवगत कराएं ताकि उनका समाधान उचित फोरम पर कराया जा सके। किसान दिवस किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए एक बेहतर मंच प्रदान करता है। इस दिवस पर किसान अपनी समस्याओं को न केवल निस्तारण करा सकते हैं बल्कि विशेषज्ञों से अपनी सभी जिज्ञासाओं को भी शांत कर सकते हैं।

उप निदेशक (कृषि) अरविंद मोहन मिश्र ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के लिए जागरूक किया। किसानों की भूमि की उर्वराशक्ति और पराली जलाने से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। पराली जलाने पर कार्यवाही का प्रावधान भी है। उपस्थित अधिकारियों द्वारा विभाग से सम्बंधित योजनाओं एवम तकनीकी जानकारी भी किसानों को दी गयी।

जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि जिले के सभी राजकीय बीज भंडारों पर दलहनी फसलों जैसे: चना, मटर, मसूर, तिलहनी फसल राई/सरसों के अनुदानित बीज उपलब्ध हैं। जिले में यूरिया, फास्फेटिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। किसानों को सलाह दी कि किसान भाई, तिलहनों की फसल में सिंगल सुपर फास्फेट या एनपीके 20:20:0:13 का प्रयोग करें। इससे सल्फर की पूर्ति होगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। इसी प्रकार दलहनी फसलों में सिंगल सुपर फास्फेट या एनपीके 20:20:0:13 या एनपीके 12:32:16 का प्रयोग करे।

बैठक में जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी, भूमि संरक्षण अधिकारी, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक डा. पीके बिसेन, उद्यान, गन्ना, रेशम, कृषि रक्षा, नलकूप लघु सिंचाई, सहकारिता से जुड़े जिम्मेदार अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहें।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि फसल कटाई के बाद खेत में बचे अवशेष (पराली) को जलाने से न सिर्फ जमीन की उर्वरा शक्ति घटती है बल्कि वातावरण पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। अवशेष को जलाने के बजाय इसका इस्तेमाल जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में किया जा सकता है। इसके दोहरे फायदे हैं, एक तो पर्यावरण की रक्षा होगी साथ ही उपज बढ़ने से किसान की आय में भी इजाफा होगा।

सीडीओ ने किसानों से अपील की पराली-फसल अवशेषों को जलाए नहीं, बल्कि उसे इन सीटू यन्त्रों (मल्चर, रोटावेटर, रिवर्सेबल एम.वी. प्लाऊ) आदि से जुताई कर खेतों में मिलाकर कम्पोस्ट खाद बनाएं, इससे भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी। फसल का उत्पादन भी बढ़ेगा। किसानों को सुझाव दिया कि खेती के साथ-साथ फसल अवशेष व पराली प्रबन्धन में वैज्ञानिक विधि व अत्याधुनिक कृषि यन्त्रों का प्रयोग कर अपनी आय में इज़ाफे के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में सहयोग कर पृथ्वी के वातावरण को जीवन योग्य बनाए रखने में मदद करें।

जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा, दिये आवश्यक निर्देश

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यो की समीक्षा बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की नियमित समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि योजनाओं से सम्बन्धित त्रुटि रहित आकड़ों को पोर्टल पर फीड कराया जाये। शासन द्वारा दिये गये लक्ष्य की शत प्रतिशत प्राप्ति की जाये, यदि लक्ष्य अथवा फीड किये गये आकड़ों में कोई त्रुटि है तो पत्राचार कर ठीक कराया जाये। उन्होंने कहा कि अभियान चलाकर संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को जोड़ा जाये। जिलाधिकारी द्वारा सी,डी,ई, श्रेणी में प्रदर्शित योजनाओं से सम्बन्धित अधिकारियों को विशेष प्रयास कर योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में विशेष ध्यान दिया जाये, प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण तथा शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जायेगी। बैठक में परियोजना निदेशक वीरेन्द्र कुमार, डीसीएनआरएलएम गंगाराम, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सुबोध कुमार, उप निदेशक कृषि राम बचन राम, अर्थ एवं सख्याधिकारी प्रतिभा सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम एसपी ने छात्र छात्राओं को समझाए यातायात नियम

फर्रुखाबाद। सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन पीडी महिला पीजी कालेज फतेहगढ़ में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। समापन समारोह का आरम्भ करते हुये एआरटीओ प्रशासन, वीएन चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत सभी व्यक्ति दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहने तथा पीछे बैठा हुआ व्यक्ति भी हेलमेट पहनें। चार पहिया वाहन चालक व सवारी हमेशा सीटबेल्ट लगाकर ही वाहन चलायें। लेन ड्राइविंग के नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें तथा शराब पीकर एवं नशे की हालत में वाहन न चलायें। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा प्रवर्तन कार्यवाही पर सन्तोष व्यक्त करते हुये और अधिक गहनता के साथ प्रवर्तन कार्यवाही करने के लिये कहा गया तथा उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियो, अध्यापकों एन0सी0सी0 के कैडैटों तथा छात्र.छात्राओं को सड़क सुरक्षा शपथ करायी गयी।

नशेबाजी व जुए के दौरान विवाद में तीनों मित्रों ने मिलकर की थी प्रदीप की हत्या

हमीरपुर। जरिया क्षेत्र में एक सप्ताह पहले नलकूप के हौज से बरामद युवक की लाश का पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया है। नशेबाजी व जुआ खेलने को लेकर हुये विवाद में तीनो मित्रों ने प्रदीप की लाठियों से पीट पीट कर हत्या की गयी थी। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक आठ अक्टूबर को जरिया क्षेत्र के पवई गाव निवासी प्रदीप(45) की लाश पवई के प्रायवेट नलकूप के पास पुलिस ने बरामद की थी। प्रदीप गाव में ही किराना की दुकान रखे था नशे का आदी था अक्सर वह मित्रों के साथ शराब पीता और जुआ खेलता था। शराब के नशे से परेशान होकर प्रदीप की पत्नी अपने ससुर के साथ दूसरे मकान में रहने लगी थी प्रदीप घर में अकेले रहता था.सात अक्टूबर को प्रदीप ने दुकान में बैठकर जमकर शराब पी और मोवाइल में तोड दिया। प्रदीप ने अपने मित्र सुशील राजपूत के पास गया और कहा उसका मोवाइल ठीक करा दे तभी सुशील ने गांव के ही मित्र अप्पू व हरिश्चंद्र को भी साथ में ले लिया। चारो ने जमकर गांव के बाहर शराब पीने के बाद जुआ खेला मे जिसमे सुशील पंद्रह सौ रुपये भी हार गया। इसके बाद चारो मित्र एक दूसरे को गाली गलौज करते रहे। पुलिस के अनुसार प्रदीप ने सुशील को जमकर गालिया दी जिससे नाराज होकर सुशील ने वही पर डंडे को उठाकर प्रदीप के सर पर दे मारा जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी। इसके बाद तीनो ने लाश को उठाकर भूपसिंह के नलकूप के हौदी पर रख आये सुवह जब ग्रामीणों ने प्रदीप की लाश देखी तो पुलिस को सूचना दी पुलिस ने जांच पड़ताल कर तीनो को जेल भेज दिया है। पुलिस ने दावा किया है कि तीनों अभियुक्तों का अपराधिक इतिहास भी है।

जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक सम्पन्न

- राज्यमंत्री रामकेश निषाद, विधायक व डीएम समेत अन्य रहे उपस्थित

संवाददाता। बांदा

जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह, विधायक सदर प्रकाश द्विवेदी तथा जिलाधिकारी श्री नगेन्द्र प्रताप की उपस्थित में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पर्यटन एवं संस्कृति गतिविधियों को बढाये जाने के लिए तैमासिक बैठक आयोजित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। बैठक में जनपद बॉदा में पर्यटन विकास विभाग के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद बॉदा के ग्राम अनुथवा में अरोडीदाई मन्दिर में ट्वायलेट ब्लाक के सुपर स्ट्रक्चर का कार्य एवं मल्टिपर्पज हॉल के कार्य को शीघ्र कराये जाने के निर्देश दिये।

भूरागढ़ में पर्यटन निगम द्वारा रिवर फ्रन्ट का निर्माण एवं पार्किंग के निर्माण कार्य को शीघ्र कराये जाने तथा बिसण्डा अतर्रा रोड पर डाबर देवता मन्दिर के कार्य में तेजी से प्रगति लाते हुए समय से कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने तहसील नरैनी के ग्राम सेदुवा एवं वसुधरी स्थल में तथा कालिंजर किले में पर्यटन सुविधा केन्द्र के निर्माण कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिये। बडोखर खुर्द के गोसांई तालाब को विकसित करने हेतु फाउण्टेन एवं लाइट्स के कार्यों को पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये।

वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित कार्यों में केन नदी के शमीप सिद्ध बाबा आश्रम का पर्यटन विकास कार्य तथा नरैनी ग्राम नहरी में पर्यटक सुविधा केन्द्र एवं तिन्दवारी ग्राम पंचायत लसड़ा में ऋषि वेदव्यास की जन्म स्थलीय के पर्यटन विकास हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने निर्देश दिये पर्यटन के क्षेत्र में गतिविधियों को बढाने के लिए जनप्रतिनिधियों के नये प्रस्तावों को लेकर शासन से स्वीकृति प्राप्त कर कार्यों को कराया जाए।

बैठक में कालिंजर महोत्सव आगामी दिसम्बर माह में आयोजित किये जाने हेतु तैयारी कराये जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। गौराबाबा मन्दिर में घाट का निर्माण तथा सेल्टर एवं शौचालय के निर्माण कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कॉलेजों में पर्यटन क्लब की स्थापना कराये जाने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिये। बैठक में रानी दुर्गावती की जन्मशदी वर्ष पर दो दिवसीय महोत्सव के आयोजन एवं डाक्यूमेन्ट्री का निर्माण किये जाने के निर्देश क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी को दिये।

मौनीबाबा महोत्सव हेतु यूपीपीसीएल कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को बाउन्ड्री वॉल तथा सांस्कृतिक मंच का निर्माण कार्य तेज गति से मेला के पूर्व प्रत्येक दशा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। नवाब टैंक में म्यूजिकल फाउन्टेन के प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृत कराये जाने तथा पर्यटन सुविधाओं को बढाते हुए पर्यटन मैप बनाये जाने के निर्देश दिये।

बैठक में पर्यटन विकास से सम्बन्धित नवीन कार्यों के सम्बन्ध में जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव प्राप्त कर शासन को स्वीकृति हेतु भेजे जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी को दिये। बैठक में पर्यटन विकास से सम्बन्धित रनगढ़ किले में पहुंच मार्ग बनाये जाने तथा ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

फर्जी डिग्री से संचालित क्लीनिक व मेडिकल स्टोर किये गए सीज

- डिप्टी सीएमओ ने छापा मारकर कर की कार्रवाई

हमीरपुर। मुस्करा ब्लाक के गहरौली गांव में फर्जी डिग्री लगाकर संचालित कर रहे क्लीनिक मेडिकल स्टोर में डिप्टी सीएमओ ने छापा मारकर सीज कर झोला छाप डाक्टर से तीन दिन के अनूदर जवाब तलब किया है। फर्जी डाक्टर व क्लीनिक की शिकायत सीधे शासन से की गयी थी।

डिप्टी सीएमओ व नोडल अधिकारी डा संजय कुमार ने बताया कि ग्राम गहरौली के प्रदीप कुमार ने शासन से शिकायत की थी कि गांव मे जयप्रकाश दिवेदी के पास कोई डिग्री नहीहै मगर वह अस्पताल खोलकर मरीजों की इलाज करते है जिससे मरीजों की मृत्यु हो जाती है,इस मामले में कई मर्तवा शिकायत की जा चुकी है मगर सीएमओ इस मामले में सारा मामला रफा दफा कर देते है,शासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुये जांच के आदेश दिये थे,इस पर बुधवार को वह स्वयं गांव जाकर जांच पडताल की थी जिसमे डाक्टर जय प्रकाश दिवेदी के पास कोई डाक्टरी की डिग्री नही थी, मेडिकल स्टोर खोलने का कोई लाइसेंस नही था एक कमरे में दवाएं अस्त व्यस्त पायी गयी है। डिप्टी सीएमओ ने तीन दिन के अंदर संबंधित डाक्टर को पत्र लिखकर सभी अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा है।

उन्होने इस मामले की जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को दी है। श्री दिवेदी से कहा है कि फर्जी ढंग से संचालित क्लीनिक के यदि अभिलेख प्रस्तुत नही किये तो समस्त जिम्मेदारी आपकी होगी। डिप्टी सीएमओ ने बताया कि क्षेत्र में फिर से जांच पडताल कर झोला छाप डाक्टरों पर हरहाल में अंकुश लगायी जायेगा। किसी के सेहत के साथ खिलवाड़ नही होने दिया जायेगा।

गैस सिलेंडर से झुलसे दो लोगों की उपचार दौरान मौत, चार नाजुक

सुमेरपुर, हमीरपुर। कस्बा सुमेरपुर में दस अक्तूबर को कन्या भोज के लिए खीर बनाते समय गैस सिलेंडर लीकेज होने से लगी आग में झुलसे गृहस्वामी समेत दो लोगों की उपचार दौरान लखनऊ में मौत हो गई। एक ने मंगलवार शाम तो दूसरे ने बुधवार को दम तोड़ दिया। चार अन्य झुलसे लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार कस्बा सुमेरपुर के इमिलिया बाड़ा निवासी राजाराम प्रजापति के दरवाजे पर देवी पूजा पंडाल सजाकर देवी प्रतिमा की पूजा अर्चना की जा रही थी। 10 अक्तूबर को अष्टमी पर राजाराम के घर के आंगन में कन्या भोज के लिए खीर बनाई गई थी रहीए तभी गैस सिलेंडर की पिनलॉक टूटने से चारों तरफफैली गैस में आग लग गई थी। इससे राजाराम की पत्नी तेजिया समेत कुल 11 लोग झुलस गए। सभी को पीएचसी से जिला अस्पताल ले जाया गया थाए जिला अस्पताल से राजाराम समेत छह लोगों को कानपुर और उसके दूसरे दिन लखनऊ केजीएमयू रेफर किया गया था। मंगलवार की शाम केजीएमयू में 70 वर्षीय राजाराम की इलाज के दौरान मौत हो गई और बुधवार की सुबह 24 वर्षीय सुनील ने भी है लखनऊ में दम तोड़ दिया। इसके अलावा संदीप कुमारए दुर्गेश कुमारए अमित कुमार और तिजिया की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना को लेकर सिलेंडर का उपयोग करने वालो में दहशत है।

बहराइच में हत्या के बाद तनाव व्याप्त, अब तक 11 मुकदमे दर्ज, 55 लोग गिरफ्तार

बहराइच(भाषा)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के महाराजगंज इलाके में एक युवक की हत्या के बाद फैले तनाव के मामले में बुधवार तक कुल 11 मुकदमे पंजीकृत हुए हैं और 55 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पिछली 13 अक्टूबर को महाराजगंज इलाके में हुई घटना में जान गंवाने वाले राम गोपाल मिश्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, उसके शरीर में 25 से 30 छर्रे लगे थे और करंट के झटके तथा अत्यधिक रक्त स्राव होने के कारण उसकी मौत हुई है।

घटना में लापरवाही बरतने के आरोप में महसी के पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपेन्द्र गौड़ को हटा दिया गया है। महसी इलाके में तनावपूर्ण शांति व्याप्त है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रामगोपाल मिश्र की हत्या को लेकर दर्ज मुकदमे में नामजद छह में से एक अभियुक्त दानिश उर्फ शहीर खान को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि वह नेपाल भागने की फिराक में था तथा उसे हरदी थाना क्षेत्र के राजी चौराहे के पास से पकड़ा गया है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए 14 दिन की रिमांड पर ले लिया है। उन्होंने बताया कि दानिश की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में अब तक कुल 55 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अधिकारी के अनुसार, रविवार की रात पहला मुकदमा हरदी थाने में छह नामजद व चार अज्ञात लोगों पर मृतक के परिवार की तरफ से दर्ज कराया गया था। इसके अलावा एक मुकदमा कोतवाली नगर में अस्पताल चौराहे पर तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ, छह मुकदमे हिन्दू पक्ष द्वारा दूसरे समुदाय के अज्ञात लोगों के खिलाफ, तीन मुकदमे मुस्लिम समुदाय द्वारा उनके घरों में तोड़फोड़ व आगजनी के आरोप में दर्ज कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि दो मुकदमे 13 अक्टूबर, दो 14 अक्टूबर व सात मुकदमे 15 अक्टूबर को दर्ज हुए हैं। चार मुकदमे पुलिस द्वारा तथा सात मुकदमे जनता की ओर से दर्ज कराए गए हैं। गोरखपुर के अपर पुलिस महानिदेशक के. एस. प्रताप ने संवाददाताओं को बताया कि रविवार की घटना में हुई लापरवाही को लेकर महसी के पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपेन्द्र गौड़ को हटा कर उन्हें पुलिस कार्यालय से सम्बद्ध किया गया है। प्रताप ने बताया कि उनकी जगह रामपुर से आए रवि खोखर को तैनात किया गया है। इसके पूर्व, 13 अक्टूबर की देर रात हरदी थानाध्यक्ष सूरज कुमार वर्मा व महसी पुलिस चौकी प्रभारी शिव कुमार सरोज को निलंबित किया जा चुका है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर संजय कुमार ने रविवार को हुए गोलीकांड में मारे गए राम गोपाल मिश्र (22) की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से संवाददाताओं को बताया कि तीन डॉक्टरों की समिति ने रविवार व सोमवार की दरमियानी रात पोस्टमार्टम किया था। इसकी वीडियोग्राफी भी की गई थी। उन्होंने बताया, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक मृतक राम गोपाल के शरीर में 25 से 30 छर्रे लगे थे। उसकी बाईं आंख के आसपास और पैर के नाखूनों पर गंभीर चोटों के निशान थे। करंट के झटके तथा अत्यधिक रक्त स्राव होने के कारण उसकी मौत हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज पूरे जिले में जनजीवन सामान्य रहा।

अब्दुल्ला सरकार में शामिल नहीं हुई कांग्रेस

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

श्रीनगर (भाषा)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अब्दुल्ला और पांच मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनमें जम्मू से सुरिंदर चौधरी भी शामिल हैं, जिन्हें उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। दूसरी बार मुख्यमंत्री बने उमर अपने दादा शेख अब्दुल्ला और पिता फारूक अब्दुल्ला के बाद इस पद पर आसीन होने वाले अब्दुल्ला परिवार की तीसरी पीढ़ी के नेता हैं।

वह इससे पहले 2009 से 2014 के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री थे, जब यह पूर्ण राज्य हुआ करता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उमर अब्दुल्ला को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा, केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेगी। अब्दुल्ला के साथ पांच मंत्रियों - सकीना मसूद (इटू), जावेद डार, जावेद राणा, सुरिंदर चौधरी और सतीश शर्मा ने भी पद की शपथ ली। इटू एवं डार कश्मीर घाटी से हैं जबकि राणा, चौधरी और शर्मा जम्मू क्षेत्र से हैं। जम्मू क्षेत्र से तीन मंत्री बनाया जाना क्षेत्र के लोगों की आशंकाओं को दूर करने का एक स्पष्ट प्रयास है। इटू एकमात्र महिला मंत्री हैं। अब्दुल्ला ने अंग्रेजी जबकि चौधरी ने हिंदी में शपथ ली। शेर-ए-इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित समारोह के तुरंत बाद नए मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, "मैंने कहा था कि हम जम्मू को यह महसूस नहीं होने देंगे कि इस सरकार में उनकी कोई आवाज या प्रतिनिधि नहीं है। मैंने जम्मू से एक उपमुख्यमंत्री चुना है, ताकि जम्मू के लोगों को लगे कि यह सरकार जितनी बाकी लोगों की है, उतनी ही उनकी भी है। उन्होंने यह भी कहा कि तीन मंत्रिपद खाली हैं और उन्हें धीरे-धीरे भरा जाएगा।

इस बात की अटकलें तेज हो गईं कि क्या वे सीटें गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को मिलेंगी? विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जहां 42 सीटें जीती है तो वहीं कांग्रेस को छह सीट पर जीत मिली है। शपथ ग्रहण समारोह इंडिया गठबंधन के नेताओं के लिए अपनी एकता प्रदर्शित करने का भी अवसर था। नेकां सरकार का शपथ ग्रहण समारोह जम्मू-कश्मीर में नेकां-कांग्रेस की जीत और हरियाणा में भाजपा के हाथों कांग्रेस की हार की पृष्ठभूमि में हुआ।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव, वामपंथी नेता प्रकाश करात और डी. राजा, द्रमुक की कनिमोझी और राकांपा की सुप्रिया सुले तथा पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी मौजूद थीं।

जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस फिलहाल जम्मू कश्मीर में मंत्रिपरिषद में शामिल नहीं होगी क्योंकि वह इसे राज्य का दर्जा नहीं मिलने से नाखुश है। उन्होंने एक बयान में कहा कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए लड़ाई लड़ती रहेगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रतिद्वंद्वी और इंडिया गठबंधन की सहयोगी पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह दिन बहुत शुभ है क्योंकि जम्मू-कश्मीर के लोगों को कई सालों के बाद अपनी सरकार मिली है। उन्होंने कहा, लोगों ने एक स्थिर सरकार चुनी है। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने खास तौर पर 2019 के बाद बहुत कुछ सहा है और हमें उम्मीद है कि यह नई सरकार हमारे जख्मों को भर देगी। मुख्यमंत्री उमर के पिता और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने हालांकि आगे की राह में आने वाली बाधाओं को साफ शब्दों में बयां कर दिया। उन्होंने कहा, राज्य चुनौतियों का सामना कर रहा है और मुझे उम्मीद है कि यह सरकार चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादों के अनुसार काम करेगी... यह कांटों का ताज है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अल्लाह नए मुख्यमंत्री की लोगों की उम्मीदों को पूरा करने में मदद करेगा।

अपने दादा की बात से सहमति जताते हुए उमर अब्दुल्ला के बेटे जहीर अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए असली संघर्ष राज्य का दर्जा मिलने के बाद शुरू होगा। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी। साल 2019 में पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था तथा इसे विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाले, संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया गया था। पदभार ग्रहण करने से पहले पीटीआई वीडियो को दिए साक्षात्कार में उमर अब्दुल्ला ने नेकां और कांग्रेस के बीच दरार की अटकलों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, अगर सब कुछ ठीक नहीं होता, तो (मल्लिकार्जुन) खरगे (कांग्रेस अध्यक्ष), राहुल (गांधी) और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता यहां क्यों आ रहे हैं। यहां उनकी मौजूदगी इस बात का संकेत है कि गठबंधन मजबूत है और हम (जम्मू-कश्मीर के) लोगों के लिए काम करेंगे। अपने मंत्रिमंडल में किसी भी कांग्रेस विधायक को शामिल न किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस मंत्रिमंडल से बाहर नहीं है। उन्होंने कहा, हम उनके साथ चर्चा कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर एक सदन वाला केंद्र शासित प्रदेश है और यहां उच्च सदन नहीं है। इसलिए, सरकार का आकार बहुत सीमित है। वे दिन चले गए जब 40 या 50 मंत्री होते थे। जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के दर्जे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए अब्दुल्ला ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में हमारा दर्जा अस्थायी है। भारत सरकार, खासकर प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और अन्य लोगों ने वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा और हमें उम्मीद है कि ऐसा जल्द से जल्द होगा। इस अवसर पर उमर अब्दुल्ला के परिवार के सदस्य मौजूद थे जिनमें उनके पिता और माता मौली अब्दुल्ला, उनकी दो बहनें और दोनों बेटे शामिल थे। नेकां और कांग्रेस के कुल 48 विधायक हैं और दोनों के गठबंधन के पास 95 सदस्ईय विधानसभा में बहुमत है।

कैबिनेट की छह रबी फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने की मंजूरी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिवाली से पहले किसानों को सौगात देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 विपणन सत्र के लिए छह अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 130-300 रुपये प्रति क्विंटल की सीमा में वृद्धि को मंजूरी दी। महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे राज्यों में चुनावों से पहले एमएसपी में बढ़ोतरी महत्वपूर्ण है। रबी विपणन सत्र अप्रैल 2025 से शुरू होता है। इस निर्णय की घोषणा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की। गेहूं के लिए एमएसपी में 150 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है, जो 2025-26 रबी विपणन सत्र के लिए 2,275 रुपये से बढ़कर 2,425 रुपये हो गई है। महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे राज्यों में चुनावों से पहले गेहूं के समर्थन मूल्य में 150 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी महत्वपूर्ण है। रबी विपणन सत्र अप्रैल 2025 से शुरू होगा। सरसों में 300 रुपये की बढ़ोतरी हुई, जिससे इसका एमएसपी 5,950 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जबकि चना के एमएसपी में 210 रुपये की बढ़ोतरी हुई, जिससे नई दर 5,650 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। सरसों और चना के लिए उच्च एमएसपी से किसानों को बेहतर रिटर्न मिलने और इस तिलहन की अधिक खेती को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो भारत की दालों और खाद्य तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। सरसों राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में व्यापक रूप से उगाई जाती है, जबकि चना का सेवन आबादी के बड़े हिस्से द्वारा किया जाता है। एमएसपी वृद्धि में कई कारकों ने योगदान दिया, जिसमें मुद्रास्फीति में कमी, पर्याप्त गेहूं स्टॉक की उपलब्धता और वैश्विक कीमतों में नरमी शामिल है। पिछले साल, सरकार ने किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए गेहूं के एमएसपी में 7.05 फीसदी की बढ़ोतरी की थी, जो 2014-15 के बाद से सबसे बड़ी वृद्धि थी। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे राज्य चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, वैष्णव ने एमएसपी बढ़ोतरी और आगामी चुनावों के बीच किसी भी तरह के संबंध की बात को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह की घोषणाएं आमतौर पर इसी समय होती हैं। मंत्री ने कहा कि किसानों में सरकार के प्रति अच्छी भावना है। उन्होंने किसानों के जीवन में आए परिवर्तनकारी बदलावों का हवाला दिया। एमएसपी में की गई बढ़ोतरी वर्ष 2018-19 के केंद्रीय बजट की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसमें अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना समर्थन मूल्य निर्धारित करने की बात कही गई थी। सरकार को उम्मीद है कि इस बढ़ोतरी से किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा और फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय कर्मियों का महंगाई भत्ता 3% बढ़ा

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ते (डीए) में तीन प्रतिशत की वृद्धि की बुधवार को घोषणा की। यह एक जुलाई, 2024 से प्रभावी होगी। इससे दिवाली त्योहार से पहले एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों को लाभ होगा। मंत्रिमंडल ने दिवाली से पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (डीआर) में उनके मूल वेतनापेंशन पर तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों को दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने ने बताया कि डीएडीआर बढ़ोतरी एक जुलाई, 2024 से प्रभावी होगी। इससे पहले मार्च में सरकार ने एक जनवरी, 2024 से डीएडीआर को चार प्रतिशत अंक बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। मंत्री ने कहा कि डीए बढ़ोतरी अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-औद्योगिक श्रमिकों के 12 महीने के औसत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि डीएडीआर में वृद्धि से सरकारी खजाने पर 9,448 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

सरकार ने 2,642 करोड़ की वाराणसी-दीन दयाल उपाध्याय मल्टी टैकिंग परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना को मंजूरी दे दी। इसपर 2,642 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। प्रस्तावित परियोजना में गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क पुल और अन्य बुनियादी ढांचा सुविधाओं को आधुनिक बनाने के अलावा वाराणसी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) जंक्शन मार्ग के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन को शामिल करना शामिल है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना परिचालन को आसान बनाएगी और भीड़भाड़ को कम करेगी। इससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर जरूरी ढांचागत सुविधाओं का विकास होगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश में वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरती है। इसमें कहा गया, वाराणसी रेलवे स्टेशन, भारतीय रेलवे का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ता है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय आबादी के लिए प्रवेश द्वार के रूप में काम करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस निर्णय पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, हम काशीवासियों की सुख-सुविधा के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस कड़ी में गंगा पर एक रेल-सड़क पुल को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, इससे तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और यहां के लोगों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलने के साथ ही रोजगार और कारोबार के नए अवसर भी बनेंगे। बयान के अनुसार, यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए महत्वपूर्ण वाराणसी-डीडीयू जंक्शन मार्ग, कोयला, सीमेंट और खाद्यान्न जैसे सामान के परिवहन के साथ-साथ बढ़ती पर्यटन और औद्योगिक मांग को पूरा करने में अपनी भूमिका के कारण भारी भीड़ का सामना करता है। इसमें कहा गया है, इस मुद्दे का हल करने के लिए, बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। इसमें गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क पुल और तीसरी और चौथी रेलवे लाइन बनाने का काम शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य क्षमता, दक्षता में सुधार करना और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना है। इसमें कहा गया है, इस खंड में भीड़भाड़ से राहत के अलावा, प्रस्तावित खंड पर 2.78 करोड़ टन प्रतिवर्ष माल ढुलाई का अनुमान है।

नए नियमों से वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा मिला है: अनुप्रिया पटेल

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बुधवार को कहा कि नया औषधि एवं नैदानिक परीक्षण नियम 2019 तथा चिकित्सा उपकरण नियम 2017 ने वैश्विक अपेक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप वैज्ञानिक और नीतिपरक अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। उन्होंने आज यहां औषधि विनियामक प्राधिकरणों (आईसीडीआरए) के 19वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान यह टिप्पणी की। पटेल ने कहा, आईसीडीआरए केवल एक सम्मेलन नहीं हैअ यह हमारे लिए सहयोग करने, नवाचार करने और सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य के हमारे साझा मिशन में एक-दूसरे का सहयोग करने का अवसर है। हम नियमन में कितना अच्छा काम कर रहे हैं - हमारे प्रयासों से दुनिया भर के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सामने आ सकते हैं।

यह कार्यक्रम विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से भारत में पहली बार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा 14 से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसमें 200 से अधिक देशों के नियामक प्राधिकरण, नीति निर्माता और स्वास्थ्य अधिकारी भाग ले रहे हैं। पटेल ने सत्र को संबोधित

करते हुए भारत में लागू किए गए नए नियमों और नियामक प्रक्रियाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, क्लीनिकल ट्रायल के क्षेत्रों में नए नियमों को नया औषधि एवं नैदानिक परीक्षण नियम 2019 तथा चिकित्सा उपकरण नियम 2017 के रूप में प्रकाशित किया गया है और इनसे वैश्विक अपेक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप वैज्ञानिक और नीतिपरक अनुसंधान को बढ़ावा मिला है। चिकित्सा उपकरण नियमों में जोखिम-आधारित वर्गीकरण, पंजीकरण के माध्यम से सभी उपकरणों को विनियमन के तहत लाना और नियामक मार्ग तैयार करना शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि सभी चिकित्सा उपकरणों और निदान के लिए मजबूत पूर्व-अनुमोदन और अनुमोदन-पश्चात नियामक प्रक्रियाएं मौजूद हैं।

अमेरिकी राजदूत गार्सेटी ने घाट पर गंगा आरती देखने के बाद वाराणसी की प्रशंसा की

नई दिल्ली(भाषा)। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने प्रसिद्ध घाटों से सूर्योदय और गंगा आरती देखने के बारे में बुधवार को अपने अनुभव साझा करते हुए वाराणसी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह इस बात की खूबसूरत याद दिलाता है कि परंपराएं हमें कैसे आकार देती हैं। राजदूत ने एक्स पर कई पोस्ट में वाराणसी की अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, अस्सी घाट से गंगा पर सूर्योदय का अनुभव करना शानदार अनुभव था। इस पल को इतने सारे लोगों के साथ साझा करना कितना आनंददायक था, जो इतनी खूबसूरती देखने के लिए सुबह-सुबह एकत्र हुए थे। गार्सेटी ने एक अन्य पोस्ट में गंगा तट पर आरती देखने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती महज एक अनुष्ठान नहीं है, यह इस बात का सुंदर प्रमाण है कि परंपराएं हमें कैसे आकार देती हैं। नदी पर प्रतिबिंबित रोशनी और रात में घंटियों की गूंजती ध्वनि एक अविस्मरणीय वातावरण बनाती है। वाराणसी ने मेरी आत्मा को छू लिया है। इससे पहले, अमेरिकी राजदूत ने लिखा था, नमस्ते वाराणसी। मैं अंततः प्रकाश के शहर की यात्रा करने के लिए उत्साहित हूं। इस जीवंत शहर के खूबसूरत घाटों, प्राचीन मंदिरों और परंपराओं को देखने के लिए उत्सुक हूं। वाराणसी भारत के सबसे पुराने शहरों में से एक है और अपने पुराने घाटों के अलावा काशी विश्वनाथ मंदिर सहित अपने पवित्र स्थलों पर बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है।

उप्र की सभी 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में पराजित होंगी विपक्षी पार्टियां : अपर्णा

बाराबंकी (भाषा)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए बुधवार को दावा किया कि राज्य की 10 विधानसभा सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव में सभी विरोधी पार्टियों को पराजय का सामना करना पड़ेगा। यादव बाराबंकी में महिला उत्पीड़न की शिकायतों एवं समस्याओं के बारे में जिले के आला अधिकारियों के साथ बैठक करने पहुंची थीं। बैठक के बाद वह बाराबंकी जिला कारागार का निरीक्षण करने भी पहुंचीं और वहां की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव का जिक्र होने पर दावा किया, भाजपा सभी सीटों पर विजय पताका लहराएगी और राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी पार्टियों को मुंह की खानी पड़ेगी।

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों गाजियाबाद, मझवां, मीरापुर, खैर, कटेहरी, करहल, सीसामऊ मिल्कीपुर, फूलपुर और कुंदरकी सीटों के लिए उपचुनाव होने हैं। इनमें से चार सीटों फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर पर भाजपा के विधायक थे। वहीं, मीरापुर सीट पर भाजपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल का विधायक था। इसके अलावा पांच सीटों सीसामऊ कटेहरी, करहल, मिल्कीपुर और कुंदरकी में सपा के विधायक थे। इन सीटों के लिए 13 नवंबर को उपचुनाव होगा। परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। यादव ने बहराइच जिले

में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए उपद्रव को लेकर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं, जांच चल रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। समाजवादी पार्टी (सपा) संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू व भाजपा नेता अपर्णा यादव ने उन्हें महिला आयोग का अध्यक्ष न बनाकर उपाध्यक्ष बनाए जाने पर कहा, पार्टी नेतृत्व ने मेरे लिए जो भी तय किया है, उसके लिए मैं तैयार हूं। मैं सेवा करने के लिए आई हूं और अपना काम राष्ट्रवाद की सम्पूर्ण भावना के साथ कर रही हूं। इसी तरह से काम करती रहूंगी। इससे पहले, जेल का निरीक्षण करके उन्होंने कहा कि जेल में महिलाओं के लिए काफी अच्छी व्यवस्थाएं हैं, काफी साफ सफाई भी है और जेल में सभी कैदियों का काफी ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जेल में कैदियों को अलग अलग रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा गया है, कुशल बनाया जा रहा है ताकि जब वे बाहर निकलें तो हुनरमंद हो जाएं।

पेज 1 का शेष

बम की...

और संस्कृति पर संसदीय समिति के समक्ष आया, जहाँ नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुलनाम ने मामले की चल रही जाँच के कारण सूचना की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए अधिक विवरण साझा करने से इनकार कर दिया। विशेष रूप से, अधिकांश बम धमकियाँ फ़र्जी निकलती हैं, सुरक्षा जाँच, जिसमें अक्सर कुछ घंटे लगते हैं, के परिणामस्वरूप कुछ मामलों में देरी और यहाँ तक कि उड़ान के शेष भाग को पुनर्निर्धारित करने जैसे व्यवधान होते हैं, जिससे एयरलाइनों को आर्थिक रूप से नुकसान होता है। इस तरह की धमकी मिलने पर एयरपोर्ट/विमान में यात्रियों को केबिन बैगेज, चेक-इन बैगेज और कार्गो के साथ विमान से उतार दिया जाता है और उन सभी की फिर से जांच की जाती है। विमान को फिर से उड़ान भरने की अनुमति देने से पहले इंजीनियरिंग और सुरक्षा दल भी विमान की तलाशी लेते हैं। ताजा घटना में, मुंबई से दिल्ली जाने वाले इंडिगो विमान को बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया गया, जो बाद में एक अफवाह निकली। विमान को अलग कर दिया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। गहन जांच के बाद, कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और विमान ने बुधवार सुबह दिल्ली के लिए उड़ान भरी। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार रात मुंबई से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने ट्वीट के जरिए दावा किया कि विमान में बम रखा गया है। इस विमान में करीब 200 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारी ने बताया कि मुंबई एटीसी द्वारा अलर्ट किए जाने के बाद पायलटों ने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करने का फैसला किया, जो विमान के दिल्ली जाने के दौरान सबसे नजदीकी हवाई अड्डा था। अधिकारी ने बताया, आधी रात को यहां उतरने के बाद करीब 200 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को ले जा रहे विमान की सुरक्षा एजेंसियों ने रात भर गहन जांच की। हालांकि, कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।सुरक्षाकर्मियों से हरी झंडी मिलने के बाद विमान ने आज सुबह करीब 8 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरी। एक बयान में इंडिगो ने कहा कि मुंबई से दिल्ली जा रही फ्लाइट 6ई 651 को 'सुरक्षा संबंधी अलर्ट' के कारण अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया गया। विमान को अलग कर दिया गया था, और सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार दिया गया था। हमारे ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे संचालन के सभी पहलुओं में सर्वोपरि है। हमने संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया, और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया गया। दूसरी घटना में, एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में कोई बम नहीं मिला, जो अपने निर्धारित आगमन समय से एक घंटे से अधिक समय बाद सिंगापुर में उतरा। पुलिस ने कहा कि भारतीय शहर मदुरै से कम लागत वाली एयरलाइन के विमान पर चांगी हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच पूरी करने के बाद उसे कोई बम नहीं मिला।

पराली...

और अधिकारियों ने खेतों में आग लगाने वाले किसानों के राजस्व रिकॉर्ड में 'लाल प्रविष्टियाँ' कर दीं। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के एक कथित गलत बयान पर भी आपत्ति जताई जिसमें कहा गया था कि उसने छोटे किसानों को ड्राइवर और ईंधन के साथ ट्रैक्टर उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार को धन अनुदान के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। न्यायाधीशों ने कहा कि पंजाब सरकार ने किसानों को ट्रैक्टर उपलब्ध कराने के लिए केंद्र से धन प्राप्त करने का कोई प्रयास नहीं किया है। सीएक्यूएम पर, सुप्रीम कोर्ट ने इसे एक दंतहीन बाघ कहा जो बिना किसी क्रियान्वयन के केवल निर्देश पारित करता है। पीठ ने कहा कि प्रदूषण के क्षेत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञों को सीएक्यूएम के सदस्यों के रूप में न चुनकर केंद्र सरकार दोषी है। पीठ ने कहा, 'हम सदस्यों और उनकी शैक्षणिक योग्यताओं का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन वे वायु प्रदूषण के क्षेत्र में योग्य या विशेषज्ञ नहीं हैं।' अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सदस्यों में से एक छह साल तक मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अध्यक्ष रह चुका है। लेकिन पीठ ने टिप्पणी की, 'राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का नेतृत्व करने की कोई योग्यता नहीं है। आप जानते हैं कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कैसे काम करते हैं।' न्यायाधीशों ने बाद में सुझाव दिया कि सीएक्यूएम को वायु प्रदूषण के मुद्दे को हल करने के लिए किसी विशेषज्ञ एजेंसी से जुड़ना चाहिए। एनसीआर और आसपास के इलाकों में पराली जलाने की घटनाओं को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की आलोचना करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उसने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अपने निर्देश को लागू करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया है।

कुंभ में...

यह एहतियात सुनिश्चित करता है कि कमजोर व्यक्ति गलत हाथों में न पड़ें। कुंभ मेले की विशाल भीड़ में परिवार के सदस्यों के बिछड़ने के दृश्य लंबे समय से भारतीय सिनेमा में प्रमुख हैं, 1943 की फिल्म तकदीर से लेकर 1970 के दशक की क्लासिक मेला तक। ये कहानियाँ अक्सर संयोग से हुई मुलाकातों और लंबे समय से बिछड़े पुनर्मिलन पर आधारित होती हैं, जो दर्शकों पर भावनात्मक छाप छोड़ती हैं। हालाँकि, योगी सरकार की पहल का उद्देश्य इन संयोग से हुई मुलाकातों को एक व्यवस्थित प्रक्रिया से बदलना है जो सुरक्षा और जिम्मेदारी को प्राथमिकता देती है। फिल्मों में, खोए हुए प्रियजनों की तलाश अक्सर भाग्य पर निर्भर करती थी और इसमें सालों लग जाते थे। अब, सरकार की नई प्रणाली के साथ, यदि कोई खोया हुआ व्यक्ति 12 घंटे तक लावारिस रहता है, तो पुलिस हस्तक्षेप करेगी, जब तक कि वे अपने परिवारों से मिल नहीं जाते, तब तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। यह गारंटी देता है कि कोई भी लंबे समय तक खोया नहीं रहेगा, और पुनर्मिलन तेज और सुरक्षित होगा। सरकार के प्रवक्ता ने कहा, महाकुंभ 2025 में आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों के लिए, सरकार की पहल एक ऐसा आयोजन करने का वादा करती है जो सुरक्षित और यादगार दोनों हो। डिजिटल पंजीकरण और वास्तविक समय की घोषणाओं से लैस नए खोया-पाया केंद्र भीड़ में खो जाने के डर को खत्म कर देंगे। इसके बजाय, तीर्थयात्री एक ऐसे अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं जहाँ उनकी सुरक्षा प्राथमिकता है, और जहाँ कहानी अनिश्चितता से सुनिश्चित पुनर्मिलन में बदल गई है।

नायब...

लाडवा से चुनाव लड़े और उन्होंने कांग्रेस के मेवा सिंह को 16054 मतों से हराया था।विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए आज केंद्रीय पर्यवेक्षक गृहमंत्री अमित शाह तथा मोहन यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में नरवाना से विधायक कृष्ण बेदी ने नायब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। अंबाला छावनी से विधायक अनिल विज ने इस प्रस्ताव को सैकेंड किया। जिसे सभी विधायकों ने स्वीकार करते हुए पारित कर दिया। गृहमंत्री अमित शाह ने नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुने जाने का औपचारिक ऐलान किया। करीब 15 मिनट की बैठक में नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुनने के संबंध में फैसला लिया गया। इसस पहले वर्ष 2019 में वरिष्ठ नेता अनिल विज और कंवर पाल तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रस्तावक बने थे। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद मुख्य पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। इस बार पार्टी किसे प्रस्तावक बनाएगी इसका ऐलान बुधवार को होने वाली बैठक से पहले किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मनोहर लाल, बिप्लब कुमार देब, सतीश पूनिया, भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली सहित तमाम बड़े नेता मौजूद थे। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नायब सैनी ने गृहमंत्री अमित शाह व अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ जाकर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात करके हरियाणा में सरकार बनाने का दावा पेश किया। सैनी ने भाजपा के 48 विधायकों तथा तीन निर्दलीय विधायकों के हस्ताक्षरों वाला समर्थन पत्र राज्यपाल को अपने दावे के साथ सौंपा। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान भाजपा विधायकों के अलावा निर्दलीय विधायक देवेंद्र कादियान, सावित्री जिंदल तथा राजेश जून भी मौजूद रहे। इसके बाद राज्यपाल ने नायब सैनी के दावे को स्वीकार करते हुए बृहस्पतिवार को उन्हें शपथ ग्रहण करने का निमंत्रण दिया। हरियाणा सरकार की तरफ से अब राज्यपाल को उन विधायकों के नाम की सूची भेजी जाएगी जिन्हें कैबिनेट तथा राज्य मंत्री बनाया जाना है।

सिद्धरमैया एमयूडीए घोटाले में सिर से पांव तक लिप्त, तुरंत पद से इस्तीफा दें: भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन घोटाला मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया सिर से पांव तक लिप्त हैं, लिहाजा उन्हें तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा ने यह मांग एमयूडीए के अध्यक्ष के मारीगौड़ा के इस्तीफे के बाद की। सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती बीएम को जमीन आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर उठे विवाद के बीच मारीगौड़ा ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, एमयूडीए के अध्यक्ष का इस्तीफा और सिद्धरमैया द्वारा जमीन वापस करने की पेशकश से साफ होता है कि इस घोटाले में मुख्यमंत्री सिर से पांव तक लिप्त हैं। इस बारे में अब कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, मैं सिद्धरमैया से कहना चाहता हूं कि अगर आपमें थोड़ी भी नैतिकता बची है तो आपको तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। आपको आज के सूर्यास्त का इंतजार भी नहीं करना चाहिए।

एमयूडीए भूखंड आवंटन घोटाले मामले में लोकायुक्त पुलिस ने 25 सितंबर को विशेष न्यायालय के आदेश के बाद 27 सितंबर को सिद्धरमैया, उनकी पत्नी पार्वती बी एम, उनके करीबी रिश्तेदार मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू (जिनसे मल्लिकार्जुन स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) तथा अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने भी 30 सितंबर को मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जिसमें एमयूडीए की ओर से उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताएं करने का आरोप है।

पात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसे जमीन हड़पने वालों की पार्टी करार दिया और सिद्धरमैया पर आरोपों की बौछार करते हुए कहा, जांच जारी है और यह जारी रहेगी... जांच से पता चल जाएगा कि क्या कोई अनियमितता हुई थी। उन्होंने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के पति रार्बट वाद्रा के खिलाफ विभिन्न आरोपों का जिक्र करते हुए कहा, गांधी परिवार अच्छी तरह जानता है कि देश की जमीन कैसे हड़पी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरमैया ने जमीन हड़पने की कला गांधी परिवार से ही सीखी होगी। भाजपा नेता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधा और कर्नाटक में उनके परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट को पांच एकड़ जमीन के आवंटन में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया।

पात्रा ने कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पडी द्वारा संसद की एक समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदन का हवाला देते हुए आरोप लगाया, खरगे परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट ने न केवल बेंगलुरु में हाई-टेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क के निकट पांच एकड़ जमीन पर कब्जा किया बल्कि वक्फ बोर्ड की जमीन भी हड़प ली। कई विपक्षी सांसदों ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति की बैठक का बहिष्कार करते हुए आरोप लगाया था कि समिति नियमों के अनुसार काम नहीं कर रहा है।

समिति के समक्ष अपनी दलील में मणिप्पडी ने खरगे और रहमान खान सहित कर्नाटक के कई कांग्रेस नेताओं और अन्य पर वक्फ संपत्तियों पर कब्जा जमाने में संलिप्त होने के आरोप लगाए थे। पात्रा ने प्रवर्तन निदेशालय के इस दावे को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा कि बेल्लारी लोकसभा सीट पर सात लाख से अधिक लोगों को इस साल लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए 200-200 रुपए दिए गए थे और यह पैसा कर्नाटक के पूर्व आदिवासी मंत्री बी नागेंद्र और उनके सहयोगियों द्वारा कथित वाल्मीकि घोटाले में गबन की गई नकदी से आया था।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने अपने आरोपपत्र में यह भी दावा किया है कि विधायक ने अपने और अपने सहयोगियों के लिए विमान बुक कराने, बिजली बिल का भुगतान, वाहन रखरखाव और घरेलू कर्मचारियों का मासिक वेतन देने जैसे निजी खर्चों को पूरा करने के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल किया। पात्रा ने कहा, इसके बावजूद हमें उन्हें (सिद्धरमैया) सिंहासन छोड़ने के लिए कहने के लिए एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करना पड़ रहा है। इस तरह की बेशर्मी केवल कांग्रेस में ही संभव है। उन्होंने लोगों से कर्नाटक के मुख्यमंत्री के इस्तीफे के लिए उन पर दबाव बनाने की अपील भी की। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती द्वारा भूखंड लौटाने की पेशकश किए जाने के बाद, एमयूडीए ने उन्हें आवंटित 14 भूखंडों को वापस लेने का एक अक्टूबर को फैसला किया था। सिद्धरमैया ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों और अपने इस्तीफे की मांग को खारिज किया है।

वीआईपी सुरक्षा से एनएसजी कमांडो को हटाने का आदेश, उनकी जगह लेंगे सीआरपीएफ जवान

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वीआईपी सुरक्षा से आतंकवाद निरोधी कमांडो बल एनएसजी को पूरी तरह हटाने और अत्यंत जोखिम वाले नौ अति महत्वपूर्ण लोगों (वीआईपी) की सुरक्षा अगले महीने तक सीआरपीएफ को सौंपने का आदेश दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की एक नई बटालियन को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा प्रकोष्ठ के साथ जोड़ने की स्वीकृति भी दी है। इस बटालियन को हाल में संसद सुरक्षा से हटाया गया था। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो द्वारा संरक्षित जेड प्लस श्रेणी के नौ वीआईपी लोगों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा अध्यक्ष मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू हैं, जिन्हें अब सीआरपीएफ का सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय के अधीन दो बलों के बीच जिम्मेदारियों का हस्तांतरण एक महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि सीआरपीएफ जिसमें छह वीआईपी सुरक्षा बटालियन हैं, से इस काम के लिए एक और सातवीं बटालियन को शामिल करने को कहा गया है। नई बटालियन वह होगी जो कुछ महीने पहले तक संसद की सुरक्षा में लगी थी। अधिकारी ने बताया कि संसद में पिछले साल सुरक्षा में चूक का मामला सामने आने के बाद संसद की सुरक्षा सीआरपीएफ से सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी।

सूत्रों के अनुसार नया कार्यभार संभालने की प्रक्रिया के तहत आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम हाल में अपने मुख्यमंत्री की सुरक्षा को एनएसजी से बदलकर सीआरपीएफ को सौंपने के मद्देनजर दिल्ली में थी। सूत्रों के अनुसार, इन नौ वीआईपी में से दो को सीआरपीएफ द्वारा दिया जाने वाला उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) प्रोटोकॉल भी प्रदान किया जाएगा। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हैं।

एएसएल में वीआईपी के आगामी दौरे वाले स्थान की पहले से जांच की जाती है। सीआरपीएफ देश में पांच वीआईपी के लिए इस तरह का प्रोटोकॉल अपनाता है, जिनमें गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और गांधी परिवार के तीन कांग्रेस नेता शामिल हैं। पीटीआई ने जनवरी 2020 में खबर प्रकाशित की थी कि गांधी परिवार- सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा की सुरक्षा से एसपीजी (विशेष सुरक्षा समूह) हटाए जाने के बाद गृह मंत्रालय की एक समिति ने वीआईपी सुरक्षा कार्यों से एनएसजी को वापस लेने का फैसला किया है।

केंद्र सरकार ने एनएसजी को पुनर्गठित करने और अयोध्या में राम मंदिर के पास और देश के दक्षिणी हिस्से में स्थित कुछ महत्वपूर्ण संपत्तियों के आसपास कुछ उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में कमांडो की स्ट्राइक टीम को बढ़ाने और तैनात करने के लिए अपनी श्रमशक्ति का उपयोग करने का फैसला किया है। ब्लैक कैट कमांडो को दो दशक से अधिक समय पहले इस काम में लगाया गया था। यह काम 1984 में बल की अवधारणा और स्थापना के समय मूल रूप से इसके लिए निर्धारित नहीं था।

एनएसजी बुधवार को अपना 40वां स्थापना दिवस मना रहा है। केंद्र सरकार का विचार है कि एनएसजी को आतंकवाद-रोधी और विमान अपहरण-रोधी अभियानों के विशिष्ट कार्यों को संभालने के अपने मूल चार्टर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और उच्च जोखिम वाले वीआईपी की सुरक्षा का कार्य इसकी सीमित और विशेषज्ञ क्षमताओं पर बोझ साबित हो रहा है। सूत्रों ने कहा था कि वीआईपी सुरक्षा कर्तव्यों से एनएसजी को हटाए जाने के बाद लगभग 450 ब्लैक कैट कमांडो को मुक्त किए जाने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश में अज्ञात व्यक्तियों ने मंदिर की दीवारें क्षतिग्रस्त की

अन्नामय्या। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में जंगल के अंदर अज्ञात व्यक्तियों ने एक मंदिर की दीवारें क्षतिग्रस्त कर दीं। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि घटना मुलाकलाचेरुवु मंडल में कादिरीनाथुनकोटा गांव के निकट हुई। एक सरकारी बयान के अनुसार, मंदिर के मुख्य देवता भगवान आंजनेय स्वामी हैं। अन्नामय्या जिले के पुलिस अधीक्षक बी कृष्ण राव ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमें संदेह है कि यह खजाना खोजने वालों या मंदिर से जुड़े प्रतिद्वंद्वी समूहों के लोगों की हरकत हो सकती है। पुलिस ने भारतीय खजाना अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। इस बीच, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर में घटी घटना की निंदा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दोषियों को सजा दिलाने के लिए गहन जांच करें।

नीतीश के साथ फिर गठबंधन नही उनका समय समाप्त हुआ: तेजस्वी

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ फिर से गठबंधन करने की अटकलों को बुधवार को खारिज करते हुए दावा किया कि थके हुए जद(यू) अध्यक्ष का समय समाप्त हो चुका है। यादव ने बांका जिले में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कुमार केंद्र के साथ अपने प्रभाव का उपयोग करके जाति जनगणना करवाएं और राज्य के लिए विशेष दर्जा और बाढ़ से तबाह हुए क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज सुनिश्चित करें। जनता दल (यू) प्रमुख इस साल जनवरी में राज्य में महागठबंधन को छोड़कर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में चले गए थे। महागठबंधन की सरकार में यादव उपमुख्यमंत्री थे।

कुमार के साथ फिर से हाथ मिलाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता यादव ने कहा, सवाल ही नहीं उठता। उनका समय समाप्त हो चुका है। वह थक चुके हैं और अब बिहार पर शासन करने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने जद(यू) के साथ मिलकर बिहार में दो बार सरकार बनाई। दोनों दलों ने पहली बार 2015 में गठबंधन किया था और विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। हालांकि नीतीश कुमार दो साल बाद राजग में चले गए थे। यादव ने कहा कि भाजपा के पास लोकसभा में बहुमत नहीं है और वह सत्ता में बने रहने के लिए जद(यू) पर निर्भर है। यादव ने आरोप लगाया, फिर भी, नीतीश कुमार बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा दिलवाने में विफल रहे। वह जाति जनगणना के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार पर दबाव नहीं बना पाए हैं। हाल में, जब बिहार में बाढ़ आई, तो कोई शीर्ष केंद्रीय नेता नहीं आया और न ही किसी विशेष सहायता की घोषणा की गई। उन्होंने कहा, 2008 से तुलना करें, जब मेरे पिता (लालू प्रसाद) रेल मंत्री थे। बाढ़ राहत के लिए 1,000 करोड़ रुपए के पैकेज सहित सभी प्रकार की मदद दी गई थी।

भारत के आयात का सबसे बड़ा स्रोत बना चीन

नई दिल्ली। चीन इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान भारत के शीर्ष आयात स्रोत के रूप में उभरा है। इस दौरान कुल 56.29 अरब डॉलर मूल्य का आयात चीन से हुआ है। इसी अवधि में अमेरिका देश के लिए शीर्ष निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा है। अमेरिका को निर्यात 5.62 प्रतिशत बढ़कर 40.38 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान चीन से आयात 11.5 प्रतिशत बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में आयात 50.48 अरब डॉलर रहा था। इस अवधि में भारत में होने वाले आयात के शीर्ष 10 स्रोत चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इराक, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर रहे। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान रूस से आयात बढ़कर 32.18 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 30.43 अरब डॉलर था। यूएई से होने वाला आयात आलोच्य अवधि में बढ़कर 31.46 अरब डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 20.70 अरब डॉलर था। देश के शीर्ष 10 निर्यात गंतव्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, ब्रिटेन, चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका रहे। यूएई को निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान बढ़कर 17.24 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15.47 अरब डॉलर था। चीन को निर्यात आलोच्य अवधि में बढ़कर 6.91 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 2023-24 में अप्रैल-सितंबर के दौरान 7.63 अरब डॉलर था। अमेरिका 2023-24 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। उसके बाद चीन का स्थान था। चीन 2013-14 से 2017-18 और 2020-21 में भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। 2021-22 और 2022-23 में अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।

मूर्ति तोड़ने का आरोपी, जाकिर नाइक और अन्य प्रचारकों के वीडियो देख कट्टरपंथी बना: पुलिस

हैदराबाद। हैदराबाद में 14 अक्टूबर को एक मंदिर में मुख्य मूर्ति को कथित तौर पर तोड़ने के आरोपी ने सोशल मीडिया पर इस्लामिक प्रचारक जाकिर नाइक और अन्य प्रचारकों के वीडियो देखकर खुद को कट्टरपंथी बना लिया था और वह पहले भी मुंबई में इसी तरह की घटनाओं में शामिल था। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। इंजीनियरिंग स्नातक सलमान सलीम ठाकुर ने सोमवार तड़के सिकंदराबाद में मुथ्यालम्मा मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया और मंदिर की मुख्य मूर्ति को तोड़ दिया, जिसके बाद स्थानीय लोगों, हिंदू संगठनों तथा भाजपा ने घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस भड़काऊ और शरारती कृत्य से नाराज स्थानीय लोगों ने आरोपी की पिटाई कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का अंदरूनी चोटें आई हैं जिनका उपचार किया जा रहा है तथा उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। साथ ही उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। हैदराबाद पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जांच में पता चला कि मुंबई का रहने वाला सलमान सोशल मीडिया पर जाकिर नाइक जैसे इस्लामी प्रचारकों के वीडियो देखता था। वह (सलमान) सोशल मीडिया पर सक्रिय है। उसके मोबाइल फोन और उसके सोशल मीडिया (गतिविधियों) का विश्लेषण करने के बाद हमें (नाइक और अन्य इस्लामी प्रचारकों के वीडियो देखने के बारे में) जानकारी मिली। वह खुद कट्टरपंथी बन गया और मूर्तिपूजा जैसे अन्य धर्मों की प्रथाओं के प्रति मन में घृणा बना ली। महाराष्ट्र पुलिस ने भी मुंबई में मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने बताया कि इस माह की शुरुआत में सलमान हैदराबाद आया था।

रोटी पर थूकने का वीडियो सामने आने के बाद मामला दर्ज

सहारनपुर (उप्र)। सहारनपुर जिले में नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक होटल में एक युवक का तंदूर से रोटी निकालकर उस पर कथित रूप से थूकने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि इस बाबत बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार शाम को तहरीर दी जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए होटल मालिक और उसके कारीगर को हिरासत में ले लिया गया है तथा उनसे पूछताछ की जा रही है। मांगलिक ने बताया कि पूछताछ और जांच के बाद इस मामले में आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मस्जिद में जय श्रीराम के नारे लगाने के मामले में दो के खिलाफ आरोप खारिज

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने दक्षिण कन्नड़ जिले के उन दो व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही खारिज कर दी है, जिन पर एक मस्जिद के भीतर जय श्री राम के नारे लगाने का आरोप था। यह मामला 24 सितंबर, 2023 का है, जब दो व्यक्तियों ने ऐत्तूर गांव की एक मस्जिद में कथित तौर पर प्रवेश किया और नारे लगाए। इसके बाद हैदर अली सी. एम नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने सवाल उठाया कि जय श्री राम का नारा लगाने को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य कैसे माना जा सकता है?

न्यायाधीश ने एक मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का हवाला दिया और कहा कि जिस कार्यवाही से शांति या सार्वजनिक व्यवस्था बाधित नहीं होती है, उसे लेकर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 295 ए के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। शिकायत के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में दोनों व्यक्तियों को 24 सितंबर, 2023 को देर रात मस्जिद के आसपास बाइक चलाते और नारे लगाते देखा जा सकता है।

शिकायत में इस बात पर जोर दिया गया कि इस क्षेत्र में हिंदू और मुसलमान सद्भावना से रहते आए हैं और आरोपियों की हरकतें सांप्रदायिक मतभेद पैदा करने की कोशिश थीं। शिकायत के बाद कीर्तन कुमार और एन. एम. सचिन कुमार पर आईपीसी की धाराओं 447, 295 ए, 505 और 506 के तहत विभिन्न अपराधों का आरोप लगाया गया था। अभियुक्तों ने आरोपों का विरोध करते हुए दलील दी कि इन अपराधों के लिए कोई भी कानूनी आवश्यकता पूरी नहीं की गई थी। अदालत ने बचाव पक्ष की दलील से सहमति जताते हुए आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं पाया। मस्जिद में प्रवेश करना, जो एक सार्वजनिक स्थान है, कानून के तहत आपराधिक घुसपैठ नहीं माना जा सकता।

ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष ने खुदाई मे एएसआई की विशेषज्ञता का हवाला, अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को

वाराणसी। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष ने बुधवार को स्थानीय अदालत के समक्ष कहा कि पुरातात्विक चीज़ों की खोज में एएसआई को महारत हासिल है, लिहाज़ा मस्जिद के केंद्रीय गुंबद के नीचे खुदाई कराके ज्योतिर्लिंग के स्थान का सर्वेक्षण कराना चाहिए। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) जुगल शंभू ने दलीलें सुनने के बाद मामले की सुनवाई की अगली तारीख 19 अक्टूबर तय की है। अधिवक्ता यादव ने कहा, हिंदू पक्ष के अधिवक्ताओं ने न्यायाधीश शंभू के समक्ष अपनी दलील में कहा कि पांच महिला वादियों के मामले में एएसआई सर्वेक्षण की कार्वाई पहले भी की जा चुकी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को खोदाई कार्य में विशेषज्ञता हासिल है।

उन्होंने दलील देते हुए कहा कि वाराणसी में सारनाथ और राजघाट की खोदाई एएसआई ने ही की है तथा यहां तक कि मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाई भी एएसआई ने ही की थी। यादव ने कहा, इसी आधार पर ज्ञानवापी की भी 4x4 फुट खोदाई की जानी चाहिए और ज्ञानवापी के केंद्रीय गुंबद के नीचे ज्योतिर्लिंग के स्थान का सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए 19 अक्टूबर की तारीख तय की है। उनके मुताबिक, उम्मीद है कि अगली सुनवाई में मुस्लिम पक्ष अदालत के समक्ष अपनी दलील पेश करेगा। पिछली आठ अक्टूबर को मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने कथित तौर पर अदालत के समक्ष दलील दी थी कि जब हिंदू पक्ष ने मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में आगे बढ़ाने की अपील की है तो निचली अदालत में इस मामले पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है।

जब ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वेक्षण एक बार पहले हो चुका है तो दूसरा सर्वेक्षण कराने का कोई औचित्य नहीं है। मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने यह भी कहा था कि सर्वेक्षण के लिए मस्जिद परिसर में गड्ढा खोदना किसी भी तरह से व्यावहारिक नहीं है और इससे मस्जिद को नुकसान हो सकता है। इससे पहले, हिंदू पक्ष ने तर्क दिया था कि ज्ञानवापी परिसर में स्थित मस्जिद के गुंबद के नीचे ज्योतिर्लिंग का मूल स्थान मौजूद था। हिंदू पक्ष ने यह भी कहा था कि अर्घे से भौगोलिक जल निरंतर बहता था जो ज्ञानवापी कुंड में एकत्र होता था। इस तीर्थ को ज्ञानोदय तीर्थ भी माना जाता है। हिंदू पक्ष ने यह भी कहा था कि ज्ञानोदय तीर्थ से प्राप्त शिवलिंग की भी जांच की जानी चाहिए ताकि यह पता लगाया जाए कि वह शिवलिंग है या फौव्वारा। मुस्लिम पक्ष उसे मुगलकालीन फौव्वारा करार दे रहा है।

छात्र को थप्पड़ मारने का मामला: अदालत का शिक्षिका को अग्रिम जमानत देने से इनकार

मुजफ्फरनगर (उप्र)। मुजफ्फरनगर की एक विशेष अदालत ने मुस्लिम छात्र को थप्पड़ पड़वाने के मामले में आरोपी शिक्षिका तृप्ति त्यागी की अग्रिम जमानत याचिका बुधवार को याचिका खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश अलका भारती ने यह कहते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी कि मामले में अग्रिम जमानत का कोई वास्तविक आधार नहीं है। पीड़ित के वकील कामरान जैदी ने आरोपी की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि त्यागी के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है अग्रिम जमानत का आधार नहीं है, इसलिए इसे खारिज किया जाना चाहिए। पुलिस ने पीड़ित के पिता इरशाद द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की जांच के बाद त्यागी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 323 और अन्य धाराओं तथा किशोर न्याय अधिनियम के तहत आरोप पत्र दायर किया था।

मदरसे बंद करने के लिए नहीं कहा, मुस्लिमों को औपचारिक शिक्षा मिलनी चाहिए: एनसीपीसीआर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि उन्होंने मदरसों को बंद करने के लिए कभी नहीं कहा बल्कि उन्होंने इन संस्थानों को सरकार द्वारा दी जाने वाली धनराशि पर रोक लगाने की सिफारिश की क्योंकि ए संस्थान गरीब मुस्लिम बच्चों को शिक्षा से वंचित कर रहे हैं। कानूनगो ने कहा कि गरीब पृष्ठभूमि के मुस्लिम बच्चों पर अक्सर धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के बजाय धार्मिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए दबाव डाला जाता है। उन्होंने कहा कि वह सभी बच्चों के लिए शिक्षा के समान अवसरों की वकालत करते हैं।

शीर्ष बाल अधिकार निकाय एनसीपीसीआर ने एक हालिया रिपोर्ट में मदरसों की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंता जताई थी तथा सरकार द्वारा उन्हें दी जाने वाली धनराशि तब तक रोकने का आह्वान किया था जब तक वे शिक्षा का अधिकार अधिनियम का अनुपालन नहीं करते। इस रिपोर्ट पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर अल्पसंख्यक संस्थानों को चुनिंदा तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया। केरल की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने कहा था कि केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों ने फिर से सांप्रदायिक एजेंडे को दर्शाया है।

कानूनगो ने स्पष्ट किया कि उन्होंने मदरसों को बंद करने का कभी आह्वान नहीं किया। कानूनगो ने कहा, हमने मदरसों को बंद करने की कभी वकालत नहीं की। हमारा रुख यह है कि जिस तरह संपन्न परिवार धार्मिक और नियमित शिक्षा में निवेश करते हैं, उसी तरह गरीब पृष्ठभूमि के बच्चों को भी यह शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने हर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों को समान शैक्षणिक अवसर मुहैया कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कानूनगो ने मदरसों की कार्यप्रणाली पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देश के उन कुछ समूहों की आलोचना की जो गरीब मुस्लिम समुदाय के सशक्तीकरण से डरते हैं। कानूनगो ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, हमारे देश में एक ऐसा गुट है जो मुसलमानों के सशक्तीकरण से डरता है। उनका डर इस आशंका से उपजा है कि सशक्त समुदाय जवाबदेही और समान अधिकारों की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि समावेशी शैक्षणिक सुधारों के प्रतिरोध के पीछे यही मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मदरसों को बंद करने के लिए कभी नहीं कहा।

कानूनगो ने सरकार की जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है कि बच्चों को सामान्य शिक्षा मिले। सरकार अपने दायित्वों से आंखें नहीं मूंद सकती। उन्होंने कहा कि गरीब मुस्लिम बच्चों पर अक्सर धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के बजाय धार्मिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए दबाव डाला जाता है जिससे उनके लिए अवसर कम हो जाते हैं। कानूनगो ने कहा, हम अपने सबसे गरीब मुस्लिम बच्चों को आम विद्यालयों के बजाय मदरसों में जाने के लिए क्यों मजबूर करते हैं? यह नीति उन पर अनुचित बोझ डालती है।

उन्होंने ऐतिहासिक नीतियों पर विचार करते हुए सार्वभौमिक शिक्षा के लिए 1950 के बाद के संवैधानिक आदेश का जिक्र करते हुए कहा, 1950 में संविधान लागू होने के बाद मौलाना अबुल कलाम आजाद (भारत के पहले शिक्षा मंत्री) ने उत्तर प्रदेश के मदरसों का दौरा किया और घोषणा की कि मुस्लिम बच्चों को विद्यालयों और महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। इसके कारण उच्च शिक्षा में मुस्लिम छात्रों का प्रतिनिधित्व काफी कम हो गया जो वर्तमान में लगभग पांच प्रतिशत है। उन्होंने हाशिए पर रह रहे अन्य समुदायों की भागीदारी दर पर प्रकाश डाला तथा कहा कि प्रणालीगत पूर्वाग्रहों ने मुस्लिम छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों में बाधा उत्पन्न की है।

उन्होंने कहा, इस स्थिति पर गौर करें: उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले लगभग 13 से 14 प्रतिशत छात्र अनुसूचित जाति (एससी) से और पांच प्रतिशत से अधिक छात्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) से हैं। उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों में संयुक्त रूप से एससी और एसटी का 20 प्रतिशत हिस्सा है जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) 37 प्रतिशत है लेकिन मुस्लिम केवल पांच प्रतिशत हैं।

कानूनगो ने मुस्लिम समुदाय के पूर्व शिक्षा मंत्रियों की भी आलोचना करते हुए कहा, इन मंत्रियों ने मदरसों में खड़े होकर मुस्लिम बच्चों को नियमित शिक्षा प्राप्त करने के लिए हतोत्साहित किया जिससे वे शिक्षा के अपने मौलिक अधिकार से वंचित हुए। कानूनगो ने मदरसा छात्रों को मुख्यधारा के विद्यालयों में शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमने बच्चों को सामान्य विद्यालयों में दाखिला देने की सिफारिश की है। केरल जैसे कुछ राज्यों ने इसका विरोध किया है, जबकि गुजरात जैसे अन्य राज्यों ने सक्रिय कदम उठाए हैं। अकेले गुजरात में हिंसक विरोध का सामना करने के बावजूद 50,000 से अधिक बच्चों को सामान्य विद्यालयों में दाखिला दिलाया गया है।

मस्जिद की तीन मंजिलें गिराने का आदेश मिला: लतीफ

भाषा। शिमला

संजौली मस्जिद समिति के अध्यक्ष मुहम्मद लतीफ ने बुधवार को कहा कि यहां विवादास्पद मस्जिद की तीन मंजिलों को गिराने के नगर निगम आयुक्त के आदेश की प्रति प्राप्त हो गई है और वक्फ बोर्ड को इसकी सूचना दे दी गई है। शिमला नगर निगम आयुक्त की अदालत ने पांच अक्टूबर को विवादित पांच मंजिला संजौली मस्जिद की ऊपरी तीन अनधिकृत मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था और वक्फ बोर्ड एवं मस्जिद समिति को आदेश लागू करने के लिए दो महीने का समय दिया था।

लतीफ ने यहां पीटीआई-वीडियो से कहा, हमें संजौली मस्जिद की तीन मंजिलों को गिराने के नगर निगम आयुक्त की अदालत के आदेश की प्रति मिली है और हमने आगे के निर्देश देने के लिए वक्फ बोर्ड को पत्र लिखा है जो उस जमीन का मालिक है, जहां मस्जिद का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा, वक्फ बोर्ड से अनुमति मिलने के तुरंत बाद काम शुरू किया जाएगा।

मस्जिद समिति के अध्यक्ष ने कहा, हमने 12 सितंबर को मस्जिद की दो अनधिकृत मंजिलों को गिराने की पहले ही पेशकश की थी और वक्फ बोर्ड से अनुमति लेने के बाद निगम आयुक्त को इस संबंध में एक प्रतिवेदन दिया था।

लतीफ 12 सितंबर को मस्जिद की अनधिकृत मंजिलों को गिराने की पेशकश करने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। इससे एक दिन पहले संजौली इलाके में मस्जिद के एक हिस्से को गिराने की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान 10 लोग घायल हो गए थे।

स्थानीय मुस्लिम कल्याण समिति ने नगर निगम आयुक्त से अनधिकृत हिस्से को सील करने का आग्रह किया था और कहा था कि वे खुद अवैध हिस्से को गिरा देंगे। हालांकि, राज्य में मुस्लिम निकाय शिमला नगर निगम आयुक्त की अदालत के फैसले को लेकर दो धड़ों में बंट गए थे। ऑल हिमाचल मुस्लिम ऑर्गेनाइजेशन (एचएमओ) ने कहा था कि वे अपीलीय प्राधिकरण की अदालत में फैसले को चुनौती देंगे और उच्चतम न्यायालय तक लड़ाई लड़ेंगे।

इससे पहले, एचएमओ के राज्य प्रवक्ता नजाकत अली हाशमी ने कहा था कि जिन लोगों ने मस्जिद की अनधिकृत मंजिलों को ध्वस्त करने का वचन दिया था, उनके पास ऐसा कोई भी प्रस्ताव देने का कोई अधिकार नहीं था। हाशमी ने यह भी कहा कि नगर निगम आयुक्त की अदालत का आदेश तथ्यों के विपरीत है। वहीं, लतीफ ने कहा था, राज्य में शांति और भाईचारा सुनिश्चित करने के लिए मस्जिद को गिराने की पेशकश करना एक बड़ा फैसला था। हमने वक्फ बोर्ड, जिले के समुदाय के प्रमुख लोगों, स्थानीय दुकानदारों और अन्य लोगों से बात की और सभी की राय थी कि शांति बनी रहनी चाहिए।

क्षेत्रीय सहयोग में बाधा बन रहे आतंकवाद व उग्रवाद: जयशंकर

● शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन

इस्लामाबाद। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को उसी की धरती से परोक्ष संदेश देते हुए बुधवार को कहा कि यदि सीमा पार की गतिविधियां आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद की तीन बुराइयों पर आधारित होंगी तो व्यापार, ऊर्जा और संपर्क सुविधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने की संभावना नहीं है। जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि व्यापार और संपर्क पहल में क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दी जानी चाहिए और भरोसे की कमी पर ईमानदारी से बातचीत करना आवश्यक है। विदेश मंत्री ने इस्लामाबाद में आयोजित एससीओ देशों के एक शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की। सम्मेलन में चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

जयशंकर ने ए टिप्पणियां पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच जारी सैन्य गतिरोध और हिंद महासागर एवं अन्य रणनीतिक जलक्षेत्रों में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत को लेकर चिंताओं के बीच की। सम्मेलन से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने जयशंकर से हाथ मिलाया और शिखर सम्मेलन स्थल जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में उनका और एससीओ के अन्य सदस्य देशों के नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। शरीफ और जयशंकर ने कल रात्रिभोज के दौरान भी हाथ मिलाया और संक्षिप्त बातचीत की। सम्मेलन में अपने संबोधन में जयशंकर ने आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद की तीन बुराइयों से निपटने सहित कई चुनौतियों पर चिंता जताई। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा, यदि सीमा पार की गतिविधियां आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद से जुड़ी हैं तो उनके साथ-साथ व्यापार, ऊर्जा प्रवाह, संपर्क और लोगों के बीच आपसी लेन-देन को बढ़ावा मिलने की संभावना नहीं है।

इस्लामाबाद से रवाना होने से पहले जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री शरीफ और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार को धन्यवाद दिया, जिसे पाकिस्तान के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने एससीओ के शासन प्रमुखों की परिषद की बैठक को भी सार्थक बताया। जयशंकर ने कहा, इस्लामाबाद से प्रस्थान कर रहा हूं। आतिथ्य-सत्कार के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री इशाक डार और पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद। एक अन्य पोस्ट में, विदेश मंत्री ने सम्मेलन में भारतीय दृष्टिकोण से प्रस्तुत आठ बातों को भी चिह्नित किया, जिसमें एससीओ ढांचे में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को शामिल करना तथा एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के विचार पर संवाद विकसित करने का निर्णय है।

मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष और संतुलित कनेक्टिविटी परियोजनाओं को बनाए रखना और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को केंद्र में रखते हुए नियम-आधारित, गैर-भेदभावपूर्ण, खुली, निष्पक्ष, समावेशी और पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणालियों पर भी जोर दिया। विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में एससीओ के प्रत्एक सदस्य राष्ट्र द्वारा समूह के चार्टर का सख्ती से पालन किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी के भाव को मजबूत करने के इसके सार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, इसमें क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दी जानी चाहिए। इसे वास्तविक साझेदारी पर आधारित होना चाहिए, न कि एकतरफा एजेंडे पर। अगर हम वैश्विक व्यवस्थाओं, खासकर व्यापार और पारगमन के क्षेत्रों में अपने फायदे के हिसाब से चयन करेंगे तो यह (सहयोग) आगे नहीं बढ़ सकता। उनकी इस टिप्पणी को व्यापार एवं संपर्क सुविधा जैसे अहम मुद्दों पर चीन के आक्रामक व्यवहार के परोक्ष संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। जयशंकर ने कहा, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे प्रयास तभी आगे बढ़ेंगे जब चार्टर के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ रहेगी। यह स्वत: सिद्ध है कि विकास एवं वृद्धि के लिए शांति एवं स्थिरता अनिवार्य है। जैसा कि चार्टर में स्पष्ट किया गया है, इसका अर्थ है- तीन बुराइयों का मुकाबला करने में दृढ़ रहना और समझौता नहीं करना।

जयशंकर ने कहा कि इस बात पर आत्मावलोकन करने की आवश्यकता है कि कहीं अच्छे पड़ोसी की भावना गायब तो नहीं है और भरोसे की कमी तो नहीं है। उन्होंने कहा, यदि हम चार्टर के सूत्रपात से लेकर आज तक की स्थिति पर तेजी से नजर डालें तो ए लक्ष्य और ए कार्य और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम ईमानदारी से बातचीत करें। विदेश मंत्री ने कहा, यदि भरोसे की कमी है या पर्याप्त सहयोग नहीं है, यदि मित्रता कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना गायब है तो निश्चित रूप से आत्मावलोकन करने और समाधान खोजने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, इसी तरह, यदि हम चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पूरी ईमानदारी से पुष्टि करें, तभी हम उस सहयोग और एकीकरण के उन लाभों को पूरी तरह से हासिल कर सकते हैं जिनकी इसमें परिकल्पना की गई है।

जयशंकर ने कहा कि एससीओ का उद्देश्य आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी के रूप में संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य खासकर क्षेत्रीय प्रकृति का बहुआयामी सहयोग विकसित करना है। इसका मकसद संतुलित विकास, एकीकरण और संघर्ष की रोकथाम के मामले में एक सकारात्मक शक्ति बनना है। जयशंकर ने कहा, चार्टर में यह भी स्पष्ट था कि मुख्य चुनौतियां क्या थीं। मुख्य रूप से तीन चुनौतियां थीं जिनका मुकाबला करने के लिए एससीओ प्रतिबद्ध था: पहली- आतंकवाद, दूसरी- अलगाववाद और तीसरी चुनौती-उग्रवाद। जयशंकर ने ऋण की चुनौती को भी गंभीर चिंता बताया। विदेश मंत्री ने वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि वैश्विक संस्थाओं को बदलावों के साथ तालमेल बनाए रखने की जरूरत है और उन्होंने सुधार के साथ बहुपक्षवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई और अस्थाई दोनों श्रेणियों के स्तरों पर व्यापक सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि वैश्विक निकाय को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, समावेशी, पारदर्शी और कुशल बनाया जा सके। उन्होंने कहा, एससीओ को इस तरह के बदलाव की वकालत करने में पीछे हटने के बजाए सबसे आगे रहना चाहिए। जयशंकर ने विभिन्न वैश्विक चुनौतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हम ऐसे समय में सम्मेलन कर रहे हैं जब दुनिया कठिनाई के दौर से गुजर रही है। दो बड़े संघर्ष जारी हैं, जिनका पूरे विश्व पर असर पड़ रहा है। कोविड महामारी ने विकासशील देशों में कई लोगों को बुरी तरह तबाह कर दिया है। जयशंकर ने कहा, जलवायु की चरम परिस्थितियों से लेकर आपूर्ति शृंखला संबंधी अनिश्चितताएं और वित्तीय अस्थिरता तक विभिन्न प्रकार के व्यवधान विकास को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी में बहुत संभावनाएं हैं, लेकिन यह नई चिंताओं को भी जन्म देती है।

रूस पर जीत की योजना में यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता शामिल : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि रूस के खिलाफ जीत की उनकी योजना से क्षेत्र में अगले साल तक शांति बहाल हो सकती है, लेकिन इसमें युद्ध समाप्त होने से पहले कीव को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य बनाने की आवश्यकता शामिल है, जिसका कुछ प्रमुख पश्चिमी सहयोगियों ने अभी तक समर्थन नहीं किया है। जेलेंस्की ने यूक्रेन की संसद वेरखोव्ना राडा में दिए संबोधन में कहा, अगर हम अपनी जीत की योजना के मुताबिक बढ़ना शुरू करें, तो अगले साल तक युद्ध समाप्त करना संभव हो सकता है। उन्होंने पांच सूत्री विजय योजना पेश की, जिसका पहला बिंदु-युद्ध के बीच यूक्रेन को नाटो की सदस्यता देना-संभवत: सबसे महत्वाकांक्षी और पश्चिमी सहयोगियों को सर्वाधिक परेशान करने वाला है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता प्रदान करना युद्ध में कीव के समर्थन के (सहयोगी देशों के) दृढ़ संकल्प का प्रमाण होगा।

एससीओ सम्मेलन में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का भारत ने फिर किया विरोध

इस्लामाबाद। भारत ने बुधवार को एक बार फिर चीन की महत्वाकांक्षी वन बेल्ट वन रोड (ओबीओआर) पहल का समर्थन करने से इनकार कर दिया। वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का एकमात्र देश बन गया है, जिसने इस विवादास्पद संपर्क परियोजना का समर्थन नहीं किया है। ओबीओआर परियोजना में तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) शामिल है जो कश्मीर के, पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से से होकर गुजरता है।

इस्लामाबाद द्वारा आयोजित एससीओ के शासनाध्यक्ष परिषद के सम्मेलन के अंत में जारी एक संयुक्त विज्ञप्ति में कहा गया कि रूस, बेलारूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान ने चीनी संपर्क पहल के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। देशों ने परियोजना के कार्यान्वयन पर चल रहे कार्य पर ध्यान दिया, जिसमें यूरेशियाई आर्थिक संघ को ओबीओआर से जोड़ने के प्रयास भी शामिल हैं।

भारत पिछले एससीओ सम्मेलनों में भी ओबीओआर का समर्थन करने से इनकार करता रहा है। भारत ओबीओआर, जिसे पहले बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के नाम से जाना जाता था, की कड़ी आलोचना करता रहा है, क्योंकि इस परियोजना में तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) शामिल है जो कश्मीर के, पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से से होकर गुजरता है। ओबीओआर के विरुद्ध वैश्विक आलोचना बढ़ रही है, क्योंकि इस पहल से संबंधित परियोजनाओं को क्रियान्वित करते हुए अनेक देश ऋण के बोझ तले दबे हुए हैं।

एससीओ सम्मेलन में अपने संबोधन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ऋण एक गंभीर चिंता का विषय है लेकिन उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। सहयोगात्मक संपर्क से नई क्षमताएं पैदा हो सकती हैं। संयुक्त विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने एससीओ, यूरेशियाई आर्थिक संघ, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के साथ-साथ अन्य इच्छुक राष्ट्रों और बहुपक्षीय संघों की भागीदारी के साथ बृहत यूरेशियाई साझेदारी बनाने के प्रस्ताव पर ध्यान दिया। प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने एससीओ क्षेत्र में स्थिर आर्थिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित करने की अपनी इच्छा की पुष्टि करते हुए 2030 तक की अवधि के लिए एससीओ आर्थिक विकास रणनीति और एससीओ सदस्य देशों के बहुपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग के कार्यक्रम को लागू करने के महत्व पर ध्यान दिया।

नाइजीरिया में पेट्रोल टैंकर में विस्फोट से 100 से ज्यादा लोगों की मौत, पचास घायल

अबुजा (नाइजीरिया)। पश्चिमोत्तर नाइजीरिया में एक पेट्रोल टैंकर के पलट जाने और उसमें विस्फोट होने से 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई तथा 50 अन्य घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब वाहन के पलटने के बाद दर्जनों लोग ईंधन लेने के लिए उसकी ओर दौड़े थे। आपातकालीन सेवाओं की तरफ से बुधवार को यह जानकारी दी गई। स्थानीय पुलिस प्रवक्ता लॉन एडम ने बताया कि यह विस्फोट मध्य रात्रि के बाद जिगावा राज्य के माजिया नगर में हुआ, जब राजमार्ग पर टैंकर चालक ने वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया।

जिगावा राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख डॉ. हारुना मैरिगा ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि 97 लोग घटनास्थल पर ही जलकर राख हो गए, जबकि आठ अन्य की अस्पताल में मौत हो गई। अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश नाइजीरिया में घातक टैंकर दुर्घटनाएं आम बात हैं, जहां कई स्थानों पर यातायात नियमों का कड़ाई से पालन नहीं किया जाता और माल परिवहन के लिए कुशल रेलवे प्रणाली जैसे विकल्पों का अभाव है।

ऐसी दुर्घटनाओं के बाद लोगों द्वारा ईंधन इकट्ठा करना भी आम बात है, विशेषकर नाइजीरिया में ईंधन की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर। नाइजीरिया ने ईंधन पर सब्सिडी खत्म कर दी है जिसके बाद पिछले साल की शुरुआत से ईंधन के दाम तीन गुना हो चुके हैं। नवीनतम दुर्घटना में शामिल चालक पड़ोसी राज्य कानो से लगभग 110 किलोमीटर की यात्रा करके आया था। एडम ने बताया कि जब निवासियों को माजिया नगर में इस दुर्घटना के बारे में पता चला तो वे घटनास्थल पर पहुंचे और ईंधन भरने लगे, तभी एक भयंकर आग भड़क उठी। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में पूरे क्षेत्र में भीषण आग दिखाई दे रही थी तथा घटनास्थल पर शव बिखरे हुए नजर आ रहे थे। बुधवार की सुबह माजिया कस्बे के निवासी शोक में थे और स्थानीय लोगों ने पीड़ितों के लिए सामूहिक अंतिम संस्कार किया था।

चीन की बेल्ट एंड रोड पहल को संकीर्ण राजनीतिक चश्मे से न देखें: पाक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में बीजिंग की बेल्ट एंड रोड पहल की वकालत की और इसका समर्थन करने की भारत की अनिच्छा के स्पष्ट संदर्भ में कहा कि ऐसी संपर्क परियोजनाओं को संकीर्ण राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। शरीफ ने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन को सबसे पहले संबोधित करते हुए कहा कि चीन की बेल्ट एंड रोड पहल और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे जैसे प्रयासों का विस्तार किया जाना चाहिए। भारत ने चीन की एकतरफा पहल के प्रति खास उत्साह नहीं दिखाया है। उसने चीन-पाकिस्तान गलियारे की कई बार आलोचना करते हुए कहा है कि यह उसकी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है क्योंकि इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल है।

शरीफ ने भारत के रुख को परोक्ष चुनौती देते हुए कहा, हमें ऐसी परियोजनाओं को संकीर्ण राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए, बल्कि अपनी सामूहिक संपर्क क्षमताओं में निवेश करना चाहिए जो आर्थिक रूप से एकीकृत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि व्यापार और संपर्क पहलों में क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दी जानी चाहिए और भरोसे की कमी पर ईमानदारी से बातचीत करना आवश्यक है। एससीओ में चीन, भारत, रूस, पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस शामिल हैं। इनके अलावा 16 और देश पर्यवेक्षक या वार्ता भागीदार के रूप में संबद्ध हैं। पाकिस्तानी नेता ने अपने समापन भाषण में गाजा में इजराइली हमलों की निंदा की।

शरीफ ने कहा, हम गाजा में जारी नरसंहार को नजरअंदाज नहीं कर सकते। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम सुनिश्चित करे, जिससे 1967 से पूर्व की सीमाओं के आधार पर फलस्तीन राष्ट्र की स्थापना हो सके और अल-कुद्स को राजधानी बनाया जाए। उन्होंने बुधवार को एससीओ के सदस्य देशों से विभिन्न क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने और निकट सहयोग स्थापित करने के लिए संगठन के ढांचे को मजबूत करने का आग्रह किया। शरीफ ने एससीओ के सदस्य देशों के शासन प्रमुखों की परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, बहुपक्षवाद के प्रतीक शंघाई सहयोग संगठन के प्रतिष्ठित मंच पर मैं इस विश्वास के साथ खड़ा हूं कि हमारे पास, हमारे लोगों के लिए, ऐसा अधिक समृद्ध और सुरक्षित भविष्य बनाने की न केवल क्षमता है, बल्कि इच्छा भी है जो समावेशी हो और सभी सदस्य देशों की साझा आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती हो।

प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा, हम परिवर्तन के एक ऐसे ऐतिहासिक क्षण में हैं, जब बड़े पैमाने पर हो रहे बदलाव वैश्विक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता, बेहतर संपर्क और सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि एससीओ वैश्विक आबादी के 40 प्रतिशत से अधिक की सामूहिक आवाज और इच्छाओं का प्रतीक है।

शरीफ ने कहा, आज यहां आपकी उपस्थिति एससीओ क्षेत्र के सतत विकास और समृद्धि के मकसद से सामूहिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग बढ़ाने के लिए हमारे लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने शिखर सम्मेलन को एससीओ के विविध देशों के बीच संबंधों और सहयोग की मजबूती का एक और प्रमाण बताया। प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा, हमारे पास मिलकर सामाजिक-आर्थिक प्रगति को गति देने, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ाने तथा अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने की क्षमता है। प्रधानमंत्री शहबाज ने नेताओं से एससीओ बैठक का उपयोग विचारों का आदान-प्रदान करने, सर्वोत्तम व्यवस्थाओं को साझा करने और ठोस कार्ययोजना बनाने के लिए करने का आह्वान किया, ताकि हमारी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को लाभ हो सके।

ऑक्सफोर्ड विवि के चांसलर की दौड़ में भारतीय मूल के उम्मीदवार भी, इमरान का नाम हटाया गया

भाषा। लंदन

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने बुधवार को अपने नए चांसलर के चुनाव के लिए दौड़ में शामिल 38 प्रतिभागियों के नाम की घोषणा की जिनमें भारतीय मूल के उम्मीदवार भी हैं लेकिन पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का नाम नहीं है। बर्कशायर में ब्रेकनेल फॉरेस्ट के भारतीय मूल के पहले मेयर अंकुर शिव भंडारी, अंतरराष्ट्रीय उद्यमशीलता के प्रोफेसर निरपाल सिंह पॉल भंगल और चिकित्सा पेशे से जुड़े प्रतीक तरवाडी इस दौड़ में अन्य शिक्षाविदों, राजनेताओं और उद्यमियों से मुकाबला करेंगे।

कंजरवेटिव पार्टी के पूर्व नेता लॉर्ड विलियम हेग और लेबर पार्टी के पूर्व नेता लॉर्ड पीटर मैंडेलसन अंतिम चयनित वरिष्ठ राजनेताओं में शामिल हैं। हालांकि चयन प्रक्रिया के बाद खान को अयोग्य घोषित कर दिया गया। विश्वविद्यालय के एक वक्तव्य में कहा गया, चांसलर की चुनाव समिति द्वारा विश्वविद्यालय के नियमों में निर्धारित लोगों को चयनित नहीं करने के चार मानदंडों के आधार पर ही आवेदनों पर विचार किया गया। सभी आवेदकों को सूचित कर दिया गया है कि उनके आवेदन सफल हुए हैं या नहीं।

विश्वविद्यालय के कुछ घोषित मानदंडों के तहत इस अवैतनिक पद के लिए उम्मीदवारों को अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां दिखानी होती हैं। उन्हें विश्वविद्यालय के अनुसंधान और शैक्षिक मिशन, इसके वैश्विक समुदाय, विश्व स्तरीय अनुसंधान और शिक्षण विश्वविद्यालय बने रहने की इसकी महत्वाकांक्षा, तथा स्थानीय, राष्ट्रीय और विदेश में विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाने की क्षमता और इच्छा भी साबित करनी होती है।

विश्वविद्यालय ने प्रतिभागियों को सूची से बाहर करने के लिए कोई कारण विशेष नहीं बताया, लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने संकेत दिया था कि ऑक्सफोर्ड के पूर्व छात्र खान के देश में उनकी आपराधिक दोषसिद्धि की वजह से उन्हें अयोग्य करार दिया गया हो सकता है।

विश्व के अग्रणी विश्वविद्यालय के कॉन्वोकेशन के सदस्य, जिनमें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के कर्मचारी और स्नातक शामिल हैं, अब हांगकांग के पूर्व गवर्नर लॉर्ड पैटन के उत्तराधिकारी का चुनाव करने के लिए ऑनलाइन मतदान करेंगे। पैटन चांसलर के रूप में 21 वर्षों तक सेवा देने के बाद 2024 के अंत में सेवानिवृत्त होंगे। नए चांसलर की घोषणा 25 नवंबर के आसपास की जाएगी।

दुश्मनों की तुलना में हमारे सहयोगियों ने हमारा अधिक फायदा उठाया है : ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के सहयोगियों ने उसके दुश्मनों से ज्यादा उसका फायदा उठाया है। ट्रंप ने शिकागो के इकॉनमिक क्लब में एक सवाल के जवाब में कहा, हमारे दुश्मनों से ज्यादा हमारे सहयोगियों ने हमारा फायदा उठाया है। हमारे सहयोगी यूरोपीय संघ (ईयू) हैं। ईयू के साथ हमारा व्यापार घाटा 30 करोड़ अमेरीकी डॉलर है। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे व्यापारिक समझौते हैं जो बेहद खराब हैं। मैं पूछता हूं कि ऐसा करने वाले लोग कौन हैं? वे या तो बहुत मूर्ख हैं या उन्हें पैसे मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैंने चीन पर 27.5 प्रतिशत कर लगाया। अन्यथा, हमारे पास चीनी कारों की बाढ़ आ जाएगी। हमारी सभी फैक्टरियां बंद हो जाएंगी। ऑटो उद्योग में हमारे पास बिल्कुल भी नौकरियां नहीं होंगी। यह बिजली पर भी लागू होता है, जो जानलेवा है, जिसके बारे में मैंने बताया है। मैंने दक्षिण कोरिया पर कर लगाया क्योंकि वे ट्रक भेज रहे थे। मैंने काफी हद तक कर लगाया।

ट्रंप ने कहा, क्या आप जानते हैं कि हमारी कार कंपनियां अपना लगभग सारा धन छोटे ट्रकों, एसयूवी से कमाती हैं? अगर मैं उन कर को वापस ले लूं, तो आप

डूब जाएंगे। हर कार कंपनी का कारोबार बंद हो जाएगा। रूस पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने संबंधों का बचाव किया। कर के मुद्दे पर उन्होंने दोहराया कि भारत एक कठोर देश है। ट्रंप ने कहा, भारत एक बहुत ही कठोर देश है। यह सिर्फ चीन की बात नहीं है। मैं कहूंगा कि चीन शायद सबसे कठोर है। आप जानते हैं कि सबसे कठोर क्या है? यूरोपीय संघ, हमारे खूबसूरत यूरोपीय देश, जो अद्‌भुत हैं। अगर आप उन्हें जोड़ दें, तो वे लगभग हमारे आकार के हैं। वे हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव करते हैं। हमारे पास सिर्फ घाटा है।

इजराइल ने लेबनान में किए हवाई हमले, 21 की मौत

कना (लेबनान)। लेबनान में किए गए इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 21 लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इन हमलों में, एक दक्षिणी शहर पर की गई बमबारी भी शामिल है जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। अन्य छह लोग दक्षिणी शहर नबातिएह पर हमलों की एक श्रृंखला में मारे गए, जहां पहले इजराइली बमबारी ने सौ साल पुराने एक बाजार को तहस-नहस कर दिया था। मृतकों में शहर के मेयर भी शामिल हैं।

लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने इजराइल पर, राहत प्रयासों पर चर्चा करने के लिए आयोजित नगर परिषद की बैठक को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उन इजराइली हमलों के बारे में जानबूझकर चुप रहा है, जिसमें नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इस वास्तविकता के आलोक में किस समाधान की उम्मीद की जा सकती है? इजराइली सेना ने बिना कोई सबूत दिए कहा कि उसने बुधवार के हमलों में नबातिएह के नागरिक क्षेत्रों में स्थित हिज्बुल्ला के कमांड केंद्रों और हथियार भंडारों को निशाना बनाया।

इजराइल ने छह दिन के विराम के बाद बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर भी बमबारी शुरू कर दी, और एक अपार्टमेंट भवन के नीचे स्थित हथियारों के गोदाम को निशाना बनाया। सेना ने हमले से पहले निवासियों को घर खाली करने की चेतावनी दी थी और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मंगलवार देर रात दक्षिणी शहर कना पर किए गए हमलों पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। घटनास्थल से एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरों और वीडियो में कई इमारतें जमींदोज नजर आ रही हैं तथा कुछ की ऊपरी मंजिलें ढही हुई दिख रही हैं।

वर्ष 1996 में, कना में सैकड़ों विस्थापित लोगों के आवास वाले संयुक्त राष्ट्र परिसर पर इजराइली गोलाबारी में कम से कम 100 नागरिक मारे गए थे और चार संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों सहित कई लोग घायल हुए थे।

वर्ष 2006 के युद्ध के दौरान एक रिहायशी इमारत पर इजराइल के हमले में करीब 36 लोग मारे गए थे जिनमें से एक तिहाई बच्चे थे। इजराइल ने उस समय कहा था कि उसने हिजबुल्ला के एक रॉकेट लॉन्चर को निशाना बनाकर यह हमला किया था। इजराइल ने कुछ दिनों के विराम के बाद बेरूत पर हमले फिर से शुरू किए। दक्षिणी बेरूत पर छह दिनों में पहली बार ए हमले किए गए और लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने कहा कि अमेरिका ने उन्हें आश्वासन दिया था कि इजराइल राजधानी पर अपने हमलों को रोक देगा। दक्षिणी बेरूत में हिज्बुल्ला की अच्छी खासी उपस्थिति है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, नबातिएह में शहर और आस-पास के इलाकों में आधा दर्जन से अधिक हमले हुए, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए। प्रांतीय गवर्नर हुवैदा तुर्क ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मारे गए लोगों में शहर के मेयर अहमद काहिल भी शामिल हैं।

भारत ने कहा है कि वह अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश के आरोपों को गंभीरता से ले रहा है: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि भारत का कहना है कि वह एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश के आरोपों को गंभीरता से ले रहा है। अमेरिका आए भारतीय अधिकारियों की एक टीम ने यहां विदेश मंत्रालय और विधि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ इस मामले को लेकर मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मेरे पास बैठक की विस्तृत जानकारी अभी नहीं हैं। बैठक भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पिछले कई महीनों से जारी हमारी बातचीत के संदर्भ में आयोजित की गई थी। मिलन ने एक सवाल के जवाब में कहा, उन्होंने हमें बताया है कि वे आरोपों को गंभीरता से ले रहे हैं और विधि मंत्रालय के अभियोग में शामिल गतिविधियां सरकारी नीति का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं।

भारतीय अधिकारियों के साथ इस सप्ताह जो बैठक हुई या जो आज होने वाली है, उसका उद्देश्य मामले में उनकी सक्रिय जांच पर चर्चा करना है, उन्हें मामले में हमारी सक्रिय जांच के बारे में अद्यतन जानकारी देना है तथा आने वाले दिनों एवं सप्ताहों में उठाए जा सकने वाले कदमों के बारे में पक्षकारों को जानकारी देना है। यह टिप्पणी ऐसे समय में की गई जब एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी अधिकारी की संलिप्तता के अमेरिकी आरोपों की जांच के संदर्भ में गठित भारतीय जांच समिति मंगलवार को यहां पहुंची। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने पिछले साल नवंबर में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर न्यूयॉर्क में सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया था।

चीन, रूस ने एससीओ मंच में आतंकवाद से निपटने के लिए मजबूत साझेदारी का आह्वान किया

भाषा। इस्लामाबाद

चीन और रूस ने बुधवार को क्षेत्रीय सहयोग और आर्थिक एकीकरण के महत्व पर जोर दिया तथा आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ढांचे के भीतर मजबूत साझेदारी का आह्वान किया। यहां एससीओ शिखर सम्मेलन के उद्‌घाटन सत्र में बोलते हुए, चीनी प्रधानमंत्री ली क्विंग और रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने बेहतर संपर्क के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में आयोजित एससीओ के शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक में दोनों नेताओं ने सदस्य देशों से प्रौद्योगिकी, डिजिटल व्यापार और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने का भी आग्रह किया।

रूसी प्रधानमंत्री मिशुस्टिन ने कहा कि उनका देश एससीओ ढांचे के भीतर संबंधों को मजबूत करने तथा सहयोग और नवाचार के माध्यम से क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने अफगानिस्तान की रणनीतिक स्थिति और व्यापार के लिए पारगमन केंद्र के रूप में इसकी क्षमता को स्वीकार किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन अवसरों को साकार करने के लिए एक स्थिर अफगानिस्तान महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसकी स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन का आह्वान किया। विशेष रूप से आर्थिक संबंधों को बढ़ाने में अधिक सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने सदस्य देशों के बीच व्यापार और निवेश के अवसरों के विकास की वकालत की और कहा कि सहयोगात्मक पहल से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को काफी बढ़ावा मिल सकता है।

एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद की अगली बैठक 2025 में रूस में होगी। मिशुस्टिन ने आतंकवाद का मुकाबला करने और क्षेत्र में संपर्क में सुधार के लिए एससीओ ढांचे के भीतर मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने पर रूस के विशेष जोर का भी उल्लेख किया। चीन के प्रधानमंत्री ली ने अपने संबोधन में क्षेत्रीय सहयोग और आर्थिक एकीकरण के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने आर्थिक विकास और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। ली ने सदस्य देशों से प्रौद्योगिकी, डिजिटल व्यापार और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने का आग्रह किया।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 17 अक्टूबर, 2024

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश में धुला

भाषा। बेंगलुरू

बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बुधवार को कोई खेल नहीं हो सका। अंपायरों और अन्य मैच अधिकारियों ने दोपहर दो बजे मैदान का मुआयना किया जब दिन में पहली बार थोड़ी देर के लिए बारिश रूकी। लेकिन हालात को देखकर दो बजकर 34 मिनट पर खेल रद्द करने का फैसला किया गया। इससे पहले आउटफील्ड कवर और पिच पर डाले कवर की पहली परत मुआयने के लिए हटाई गई तो दर्शक काफी रोमांचित हो गए। लेकिन सुबह से हो रही बारिश के कारण खेल हो पाना संभव नहीं था। सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण सुबह नौ बजे टॉस भी नहीं हो सका।

खराब मौसम के बावजूद मैदान पर काफी तादाद में दर्शक जमा थे। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंडोर अभ्यास करते देखकर दर्शक काफी रोमांचित भी हो गए। दूसरे दिन भी भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है।दोनों टीमें बारिश के कारण अभ्यास भी नहीं कर सकी थी। दूसरे दिन का खेल सुबह नौ बजकर 15 मिनट पर शुरू होगा और टॉस आठ बजकर 45 मिनट पर कराया जाएगा।

जब रोहित ने युवा पंत को गाबा की अहमियत समझाई

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ कुछ समय के लिए यह समझ नहीं पाए थे कि 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी नाबाद 89 रन की पारी के बाद प्रशंसक क्यों इतने रोमांचित हो गए थे जब तक कि रोहित शर्मा ने उन्हें यह नहीं बताया कि उनकी यह पारी ऐतिहासिक टेस्ट में सिर्फ एक और मैच जीतने वाला प्रयास नहीं था। तत्कालीन नियमित कप्तान विराट कोहली, सीनियर खिलाड़ी लोकेश राहुल और तीन मुख्य गेंदबाजों के बिना उतरी दूसरे दर्जे की भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उस स्थान पर तीन विकेट से हराया जिसे मेजबान टीम का गढ़ माना जाता था क्योंकि टीम ने 1989 के बाद से वहां एक भी मैच नहीं गंवाया था।

ऑस्ट्रेलिया के 328 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंत ने निर्णायक पारी खेली। यह प्रतिकूल विदेशी परिस्थितियों में किसी भारतीय द्वारा खेली गई सबसे बेहतरीन पारियों में से एक थी। पंत ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम स्टार नहीं फार पर कहा, कभी-कभी, इस तरह का प्रदर्शन होता है जिसे आप जीवनभर याद रखते हैं और मेरे लिए गाबा टेस्ट इसमें से एक है। शुरुआत में पंत के लिए यह भारत के लिए एक कड़ा टेस्ट जीतने की संतुष्टि थी लेकिन जैसे-जैसे समय बीता तो उन्हें अपनी उपलब्धि का महत्व समझ आया जिसके बारे में उन्हें रोहित ने बताया था। पंत ने कहा, उस समय मैंने महसूस नहीं किया कि यह कितना महत्वपूर्ण है। रोहित भाई वहां थे और उन्होंने मुझे कहा, तुम्हें नहीं पता कि तुमने क्या किया है। मैंने पूछा, मैंने क्या किया है? मेरे लक्ष्य सिर्फ मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, तुम्हें बाद में समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। दिल्ली के इस खिलाड़ी ने कहा, जब मैं जब भी लोगों को गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं तो मुझे समझ आता है कि उनका मतलब क्या था और यह कितना महत्वपूर्ण था।

नई दिल्ली अगले साल जनवरी में करेगी पहले खो खो विश्व कप की मेजबानी

नई दिल्ली। अगले साल 13 से 19 जनवरी तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहला खो खो विश्व कप आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह टूर्नामेंट भारत के स्वदेशी खेल को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का मौका है। टूर्नामेंट के घोषणा समारोह के दौरान टीम महाराष्ट्र और शेष भारत के बीच एक प्रदर्शनी मैच खेला गया जिसमें महाराष्ट्र 26-24 से विजई रहा। विश्व कप के आधिकारिक लोगो (प्रतीक चिन्ह) और टैगलाइन का भी अनावरण किया गया। टूर्नामेंट में 24 देशों का प्रभावशाली लाइन अप होगा जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। टूर्नामेंट में प्रत्एक डिविजन में 16 टीम होंगी जिससे दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, खो खो हमारे देश की मिट्टी का खेल है। इसलिए हमें इस खेल को मैदान पर लाने पर बहुत गर्व है। खो खो को अंतरराष्ट्रीय खेल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले महासंघ को बहुत धन्यवाद। इस मौके पर युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे भी मौजूद थीं।

म्हाम्ब्रे फिर मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच बने

मुंबई। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे बुधवार को इसी भूमिका में फिर से पांच बार की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैम्पियन मुंबई इंडियंस से जुड़ गए। भारतीय टीम के साथ उनका गेंदबाजी कोच के तौर पर कार्यकाल इस साल भारत के टी20 विश्व कप जीतने के बाद जून में समाप्त हुआ था। मुंबई इंडियंस ने कहा कि म्हाम्ब्रे (52 वर्ष) गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा और मुख्य कोच महेला जयवर्धने के साथ काम करेंगे। जयवर्धने दो साल के अंतराल बाद फिर से मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। म्हाम्ब्रे इससे पहले मुंबई इंडियंस के साथ काम कर चुके हैं जब फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2013 में और चैम्पियंस लीग टी20 में 2011 और 2013 में खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस ने सोमवार को जयवर्धने को मुख्य कोच के तौर पर फिर से अपनी टीम में शामिल किया था जिन्होंने 2017 से 2022 के बीच टीम को अपने मार्गदर्शन में तीन खिताब दिलाए थे।

बदानी दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच की दौड़ में

- पंत, अक्षर और कुलदीप को रिटेन करने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व खिलाड़ी हेमंग बदानी दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं जबकि तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल का नाम फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ में भूमिका के लिए चर्चा में है। दिल्ली कैपिटल्स ने कुछ सप्ताह पहले ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को उनकी उपलब्धता संबंधी समस्याओं के कारण मुख्य कोच के रूप में हटा दिया था। पोंटिंग 2018 से टीम के साथ थे। इंडियन प्रीमियर लीग के एक सूत्र ने पीटीआई को नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन स्तरीय घरेलू कोच ढूंढ रहा है और हेमंग तथा मुनाफ का नाम सामने आया है। अंतिम फैसला नहीं किया गया है मुनाफ गेंदबाजी कोच हो सकते हैं।

अधिकांश अन्य फ्रेंचाइजी की तरह दिल्ली कैपिटल्स के भी आगामी भव्य नीलामी से पहले तीन खिलाड़ियों को रिटेन (अपने साथ बरकरार रखने) करने की उम्मीद है। टीम कप्तान ऋषभ पंत (18 करोड़ रुपए), ऑलराउंडर अक्षर पटेल (14 करोड) और बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव (11 करोड़) को रिटेन कर सकती है।

पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने पर 75 करोड़ रुपए खर्च होंगे इसलिए यह माना जा रहा है कि पिछले साल के स्टार खिलाड़ी जेक-फ्रेजर मैकगर्क और दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स को टीम राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड के जरिए चुन सकती है, बशर्ते उनकी कीमत टीम के बजट के भीतर हो। बदानी का नाम मुख्य कोच के रूप में आने का कारण अगले दो वर्षों के लिए प्रबंधन में बदलाव का मामला हो सकता है। टीम के सह-मालिकों में से एक जीएमआर अब टीम का संचालन करेगा। दूसरा सह-मालिक जेएसडब्ल्यू है।

भारत के बिना चैंपियंस ट्रॉफी कराने का विकल्प नही अन्य विकल्प उपलब्ध हैं : ईसीबी के शीर्ष अधिकारी

भाषा। नई दिल्ली

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन सहित शीर्ष अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि भारत के बिना चैंपियंस ट्रॉफी कराना कोई विकल्प नहीं है और अगर रोहित शर्मा की टीम मेजबान देश पाकिस्तान की यात्रा नहीं करती है तो कई अन्य विकल्प उपलब्ध हैं। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण भारत ने 2008 से पाकिस्तान में क्रिकेट नहीं खेला है और उनकी यात्रा पूरी तरह से सरकार की मंजूरी पर निर्भर होती है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को सरकार से टीम को लाहौर भेजने की अनुमति मिलने की संभावना नहीं है जिससे हाइब्रिड मॉडल में चैंपियंस ट्रॉफी सबसे संभावित विकल्प लग रहा है। पिछले साल एशिया कप की तरह भारत अपने मैच किसी तीसरे देश में खेल सकता है जबकि अन्य मुकाबले पाकिस्तान में आयोजित किए जा सकते हैं। टूर्नामेंट का आयोजन फरवरी-मार्च में किया जाएगा। थॉम्पसन ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड के साथ पाकिस्तान में हैं। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेलना क्रिकेट के हित में नहीं होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की यात्रा पर फैसला दिसंबर में बीसीसीआई के मौजूदा सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का कार्यभार संभालने से पहले लिया जा सकता है। शाह को अगस्त में आईसीसी अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। थॉम्पसन ने कहा, यह दिलचस्प है। बीसीसीआई के पूर्व सचिव और अब आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह की इसमें बड़ी भूमिका होगी। इसमें भूगोलीय राजनीति और फिर क्रिकेट भू राजनीति होगी। मुझे लगता है कि वे कोई रास्ता निकाल लेंगे। उन्हें कोई रास्ता निकालना ही होगा। ईसीबी के सीईओ गोल्ड ने कहा, यदि आप भारत या पाकिस्तान के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते हैं तो प्रसारण अधिकार नहीं होंगे और हमें उन्हें सुरक्षित रखने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, वह (पाकिस्तान) मेजबान देश हैं। हमने घटनाक्रमों को देखा है और हम सभी यह समझने का इंतजार कर रहे हैं कि क्या भारत इसके लिए पाकिस्तान की यात्रा करने जा रहा है। यही अहम है। गोल्ड ने कहा, हमें लगता है कि कुछ चर्चाएं हैं। मुझे पता है कि पाकिस्तान को उम्मीद है कि भारत यात्रा करेगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो कई अलग विकल्प उपलब्ध हैं। भारत और पाकिस्तान कई टीम के टूर्नामेंट जैसे विश्व कप और एशिया कप में एक दूसरे से खेलते हैं।

मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच आईएसएल मुकाबला 11 जनवरी को

नई दिल्ली। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच इंडियन सुपर लीग फुटबॉल का मुकाबला 11 जनवरी को होगा। आयोजकों ने 2024-25 सत्र के कार्यक्रम की पूरी सूची आज जारी की। कोलकाता के दो दिग्गज क्लबों के बीच दूसरे चरण का मुकाबला एक फरवरी को होगा जब मोहन बागान की टक्कर मोहम्मडन स्पोर्टिंग से होगी। मोहम्मडन और ईस्ट बंगाल का सामना 16 फरवरी को होगा। सारे मुकाबले विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन में खेले जाएंगे। बेंगलुरू एफसी टीम जेआरडी टाटा खेल परिसर में खेलने चार जनवरी को जमशेदपुर जाएगी। पंजाब एफसी पांच फरवरी को दिल्ली में केरला ब्लास्टर्स से खेलेगा। ओडिशा एफसी और एफसी गोवा के बीच मैच चार जनवरी को होगा। नार्थ ईस्ट युनाइटेड एफसी शिलॉंग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर सात फरवरी को मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। 21 फरवरी को उसे बेंगलुरू एफसी से और आठ मार्च को ईस्ट बंगाल से खेलना है। केरला ब्लास्टर्स और चेन्नइयिन एफसी का सामना 30 जनवरी को चेन्नई में होगा। चेन्नइयिन और बेंगलुरू एफसी की टक्कर 25 फरवरी को होगी।

डेनमार्क ओपन में महिला और मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती समाप्त

ओडेन्से (डेनमार्क)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की एक बार फिर खराब शुरूआत हुई और बुधवार को यहां डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में महिला और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में देश की चुनौती समाप्त हो गई। भारत की दोनों जोड़ियों को अपने शुरूआती मुकाबलों में तीन गेम में हार झेलनी पड़ी जिसमें त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद (महिला युगल) और बी सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी (मिश्रित युगल) शामिल थे। त्रिसा और गायत्री एक घंटे 14 मिनट तक चले महिला युगल के शुरूआती दौर के मैच में एक गेम की बढ़त गंवाकर मलेशिया की पीयर्ली टान और मुरलीथरन थिनाह से 21-19 17-21 15-21 हार गईं। मिश्रित युगल में सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी की जोड़ी भी कनाडा के केविन ली और इलियाना झांग से पहला गेम जीतने बावजूद एक घंटे दो मिनट में 22-20 19-21 22-24 से पराजित हो गई। मंगलवार को 2021 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पुरुष एकल में पहले दौर में हारकर बाहर हो गए थे।

मैं जिनके साथ खेला उनमें आप सबसे प्रतिभावान क्रिकेटर

- कोहली ने डिविलियर्स को लिखा

दुबई। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने जिन खिलाड़ियों के साथ वह खेले उनमें एबी डिविलियर्स को बुधवार को सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटर करार दिया। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी डिविलियर्स को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में इंग्लैंड के दिग्गज एलिस्टेयर कुक और भारत की नीतू डेविड के साथ शामिल किया गया। एक खुले पत्र में कोहली ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के अपने पूर्व साथी की जमकर तारीफ की। कोहली ने लिखा, आप अपनी जगह के पूरी तरह हकदार हैं- आखिरकार, हॉल ऑफ फेम खेल पर आपके प्रभाव का प्रतिनिधित्व करता है और आपका योगदान वाकई अद्वितीय रहा है। लोग हमेशा आपकी क्षमता के बारे में बात करते रहे हैं और यह सही भी है। आप सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं जिनके साथ मैंने खेला, आप निश्चित रूप से नंबर एक हैं।

कोहली ने डिविलियर्स के खेल के मूल्यों को बनाए रखने के विश्वास और दृढ़ता को ऐसे गुणों के रूप में वर्णित किया जिनका दर्शकों की मानसिकता पर प्रभाव पड़ा। उन्होंने लिखा, बहुत से खिलाड़ी प्रभावशाली प्रदर्शन कर सकते हैं लेकिन बहुत कम खिलाड़ी दर्शकों की मानसिकता पर प्रभाव डाल पाते हैं। कोहली ने कहा, मेरे लिए एक क्रिकेटर के रूप में यह सबसे बड़ा मूल्य है और यही आपको इतना खास बनाता है। आपके साथ और आपके खिलाफ खेलने के दौरान आपको हमेशा इस बात की बहुत स्पष्ट समझ थी कि खेल कैसे खेला जाना चाहिए और आप कभी भी इससे विचलित नहीं हुए, चाहे आप अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों या नहीं।

कोहली ने कहा कि डिविलियर्स ऐसे खिलाड़ी हैं जो अक्सर अपनी टीम को मुश्किलों से उबारते हैं। उन्होंने कहा, यह कभी किसी और के बारे में नहीं था। यह कभी किसी दूसरे खिलाड़ी के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बारे में नहीं था। भारतीय क्रिकेटर ने कहा, यह हमेशा इस बारे में था कि आप टीम के लिए क्या प्रभाव डाल सकते हैं। मुश्किल परिस्थितियों में आप अक्सर अपनी टीम को उबारने वाले व्यक्ति होते थे। अपनी टीम के लिए खेल जीतने वाले व्यक्ति बनने की आपकी इच्छा जबरदस्त थी और मैंने इससे बहुत कुछ सीखा।

कोहली ने कहा कि डिविलियर्स ने उन्हें अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होने के महत्व के बारे में सिखाया। मुझे याद है कि मैंने आपसे सीखा था कि पिछले चार मैचों में आपने जो कुछ भी किया है उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह इस बारे में है कि आप आज के मैच को कैसे देखते हैं। कोहली ने कहा, यह हमेशा सकारात्मक रहने, हमेशा खेल को आगे बढ़ाने और काम पूरा करने का तरीका खोजने के बारे में है। आप हमेशा टीम की जरूरतों के साथ पूरी तरह से तालमेल बैठाते थे। यही वजह है कि जब हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विरोधी टीमों में होते थे तो आपके लिए योजना बनाना सबसे मुश्किल होता था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू में 2011-2021 तक डिविलियर्स के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले कोहली ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान का आत्मविश्वास एक ऐसा गुण है जो उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

कोहली ने 2015 में नई दिल्ली में खेले गए टेस्ट मैच की यादें भी ताजा कीं जिसमें दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने मैच ड्रॉ कराने के लिए कड़ी मेहनत की थी। कोहली ने कहा, हर कोई आपके आक्रामक शॉट को याद करता है लेकिन आप परिस्थिति के हिसाब से खुद को ढाल लेते हैं। 2015 में दिल्ली में खेले गए टेस्ट मैच को ही लें जब आपने 297 गेंदों का सामना किया और टेस्ट मैच बचाने की कोशिश में 43 रन बनाए। उन्होंने कहा, किसी समय आपके मन में यह विचार आया होगा कि मैंने 200 गेंदों का सामना किया है तो मुझे बाउंड्री लगानी चाहिए। लेकिन एक बार जब आपने खुद को उस स्थिति में डाल लिया जिसकी जरूरत थी तो आप बस आगे बढ़ते रहे। यह सब आपकी क्षमता पर विश्वास पर निर्भर करता है। यह सिर्फ अंधाधुंध शॉट के बारे में नहीं था। आपके पास गेंद को बचाने की क्षमता थी और उस डिफेंस पर आपको भरोसा था। दक्षिण अफ्रीका की जरूरत के अनुसार इस तरह खेलना, आपके टीम खिलाड़ी होने का एक बेहतरीन उदाहरण है।

मेस्सी के तीन गोल, अर्जेंटीना ने बोलिविया को 6-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेस्सी की हैट्रिक और दो गोल में सहायता की मदद से अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिका विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैच में बोलिविया को 6 - 0 से हरा दिया। अक्टूबर में हो रही प्रतिस्पर्धा के दो दौर में दाहिने टखने की चोट की वजह से नहीं खेल सके मेस्सी ने मंगलवार को पूरा मैच खेला। 19वें मिनटमें पहला गोल किया। लौटारो मार्तिनेज और जूलियन अल्वारेज के गोलों में सूत्रधार की भूमिका निभाई। 37 वर्ष के मेस्सी ने 84वें और 86वें मिनट में भी गोल दागे। अन्य मुकाबलों में ब्राजील ने पेरू को 4 - 0 से हराया। अर्जेंटीना 10 मैचों में 22 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि उससे तीन अंक पीछे कोलंबिया है। ब्राजील 16 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाएंगी। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर के दो मुकाबले नवंबर में खेले जाएंगे।

तेंदुलकर की मौजूदगी बनी एनसीएल चैम्पियंस शिकागो क्रिकेट क्लब के लिए यादगार

डलास। चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने राष्ट्रीय क्रिकेट चैम्पियनशिप में शिकागो क्रिकेट क्लब को विजेता की ट्रॉफी प्रदान करके उनके लिए इसे यादगार पल बना दिया। शिकागो ने डलास यूनिवर्सिटी में अटलांटा क्रिकेट क्लब को फाइनल में हराकर खिताब जीता। दुनिया भर में एनसीएल को ढाई अरब से अधिक लोगों ने देखा। तेंदुलकर ने शिकागो के मुख्य कोच रॉबिन उथप्पा को ट्रॉफी दी, दर्शकों से बात की, हाथ मिलाए और तस्वीरें भी खिंचवाई। उन्होंने कहा, क्रिकेट ने मुझे इतना कुछ दिया है और यहां डलास में फाइनल देखकर और ट्रॉफी विजेता को देकर बहुत अच्छा लग रहा है। लोगों के उत्साह को देखकर लगता है कि अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है।

एशेज शृंखला 2025-26 पर्थ में शुरू होगी

सिडनी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बुधवार को कहा कि आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज टेस्ट शृंखला वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के पर्थ में शुरू होगी। पहला टेस्ट 21 से 25 नवंबर तक पर्थ में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट चार से आठ दिसंबर तक ब्रिसबेन में होगा जो दिन रात का टेस्ट होगा। एडीलेड ओवल में तीसरा टेस्ट 17 से 21 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। मेलबर्न में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर से और सिडनी में पांचवां टेस्ट चार से आठ जनवरी के बीच खेला जाएगा। एशेज इस समय आस्ट्रेलिया के पास है जिसने 2023 में इंग्लैंड में ड्रॉ खेला था।

डकेट का शतक के बावजूद इंग्लैण्ड दूसरे टेस्ट में लड़खड़ाया, स्टंप तक छह विकेट पर 239 रन

मुल्तान (पाकिस्तान)। बेन डकेट के शानदार शतक के बावजूद इंग्लैंड का शीर्ष क्रम दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन पाकिस्तान के स्पिनरों के मुफीद पिच पर लड़खड़ा गया जिससे स्टंप तक पहली पारी में उसका स्कोर छह विकेट पर 239 रन रहा। इंग्लैंड की टीम पहली पारी के हिसाब से पाकिस्तान से 127 रन से पीछे है। पाकिस्तान की टीम लंच के तुरंत बाद पहली पारी में 366 रन पर सिमट गई। डकेट ने 129 गेंद में 114 रन की शतकीय पारी खेली जिससे इंग्लैंड की टीम ने दबदबा बनाया हुआ था लेकिन उसने पाकिस्तान के स्पिनरों साजिद खान (86 रन देकर चार विकेट) और नोमान अली (75 रन देकर दो विकेट) ने चार विकेट जल्दी जल्दी गंवा दिए।

खान ने इंग्लैंड का बड़ा विकेट जो रूट (34 रन) के रूप में हासिल किया। फिर उन्होंने डकेट और हैरी ब्रुक (09) के विकेट चटकाए। हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले बेन स्टोक्स ने पांच गेंद में एक रन ही बनाया था कि वह अली की बाएं हाथ की स्पिन के झांसे में आ गए और विकेट गंवा बैठे। स्टंप तक जेमी स्मिथ 12 और ब्रायडन कार्स दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले डकेट ने शानदार स्वीप शॉट्स की बदौलत स्पिनरों पर दबदबा बनाया और रूट के साथ 86 रन की भागीदारी निभाई।

पहले टेस्ट में इंग्लैंड की पारी और 47 रन की जीत में 262 रन की यादगार पारी खेलने वाले रूट 34 रन बनाकर खान की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए और फिर डकेट ने इस ऑफ स्पिनर की गेंद पर बल्ला छुआकर स्लिप में कैच दे बैठे। पिछले हफ्ते इसी स्थल पर तिहरा शतक जड़ने वाले ब्रुक भी खान की लेंथ बॉल पर क्लीन बोल्ड हो गए। इस तरह पाकिस्तान ने अपने स्पिनरों की बदौलत इंग्लैंड के मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप को लड़खड़ा दिया। सलामी बल्लेबाज जाक क्राउले ने 27 रन बनाए और डकेट के साथ पहले विकेट के लिए 73 रन की भागीदारी निभाई। डकेट ने स्पिनरों के खिलाफ 16 चौके जड़े। इससे पहले पाकिस्तान की पहली पारी लंच के बाद सिमट गई जिसमें जैक लीच ने 114 रन देकर चार विकेट झटके जबकि तेज गेंदबाज कार्स (50 रन देकर तीन विकेट) और मैथ्यू पोट्स (66 रन देकर दो विकेट) ने मिलकर पांच विकेट प्राप्त किए।

एआईटीए अगले वर्ष जनवरी से मार्च के बीच 13 टूर्नामेंट आयोजित करेगा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने बुधवार को घोषणा की कि उसने 2025 सत्र में जनवरी से मार्च तक घरेलू कोर्ट पर 13 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बनाई है जिसमें चार एटीपी चैलेंजर्स और एक डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंट शामिल है जिनकी मिलाकर पुरस्कार राशि लगभग 10 करोड़ रुपए और 1100 रैंकिंग अंक हैं। महिलाओं के लिए लगातार तीन आईटीएफ टूर्नामेंट जनवरी 2025 में कराए जाएंगे जिसकी शुरूआत 13 जनवरी से नई दिल्ली में 40,000 डॉलर के टूर्नामेंट से होगी। फिर 20 जनवरी से बेंगलुरु में 10,000 डॉलर राशि और पुणे में 70,000 डॉलर राशि का टूर्नामेंट खेला जाएगा।

मुंबई में तीन फरवरी से एल एंड टी मुंबई ओपन के दूसरे चरण का आयोजन होगा। एआईटीए की विज्ञप्ति के अनुसार, इन चार टूर्नामेंटों से 350 से अधिक डब्ल्यूटीए अंक मिलेंगे और कुल पुरस्कार राशि 350000 अमेरिकी डॉलर होगी जो भारतीय महिला खिलाड़ियों के लिए अपने विकास में तेजी लाने का बड़ा मौका होगा। महासंघ के प्रबंधन के लिए हाल में नए पदाधिकारियों की एक टीम चुनी गई थी लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर चुनाव के परिणाम घोषित नहीं किए गए जो मतदान की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है, एआईटीए के प्रतिनिधियों ने हाल में डब्ल्यूटीए, एटीपी और आईटीएफ अधिकारियों के साथ बैठक में भारत में अधिक टूर्नामेंटों के मामले को आगे बढ़ाया।

नीतू, डिविलियर्स व कुक आईसीसी हॉल ऑफ फेम मे शामिल

दुबई। टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी (53 रन पर आठ विकेट) करने वाली भारत की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली देश की दूसरी महिला क्रिकेटर बनीं। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक को भी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली। भारतीय महिला टीम की चयन समिति की मौजूदा अध्यक्ष नीतू को पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को शामिल किए जाने के एक साल बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। बाएं हाथ की स्पिनर नीतू ने भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच (10 टेस्ट और 97 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) खेले।

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 47 साल की नीतू 141 विकेट के साथ भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह 50 ओवर के प्रारूप में 100 विकेट के आंकड़े को छूने वाली देश की पहली महिला गेंदबाज भी रहीं। विश्व कप 2005 की सबसे सफल गेंदबाज नीतू ने भारत को पहली बार फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

नीतू ने आईसीसी की विज्ञप्ति में कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बेहद सम्मान की बात है जिसे मैं राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सर्वोच्च मान्यता मानती हूं। उन्होंने कहा, यह इस महान खेल के लिए जीवन भर के समर्पण के बाद आता है और यह मेरे लिए इस मुकाम तक पहुंचने की एक बहुत ही विशेष यात्रा है। नीतू ने कहा, अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों के साथ हॉल ऑफ फेमर माना जाना शानदार है और मैं इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।

नीतू ने 1995 में 17 साल की उम्र में नेल्सन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने 1995 में ही जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की दो रन की करीबी हार के दौरान 53 रन देकर आठ विकेट चटकाए जो आज भी महिला टेस्ट में एक पारी में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन है। नीतू ने 10 टेस्ट में 41 विकेट चटकाए जबकि 97 एकदिवसीय मुकाबलों में 16.34 के औसत से 141 विकेट हासिल किए। नीतू ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया लेकिन दो साल बाद अपना फैसला बदलते हुए एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेलीं। दूसरी तरफ कुक ने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक टेस्ट रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वह कप्तान के रूप में भी काफी सफल रहे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001